हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • रविवार • 05.04.2026 • वर्ष : 16 • अंक : 248 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

असम में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन का भाजपा पर हमला, कहा-

चाय बागानों को आदिवासियों ने खून-पसीने से सींचा, लेकिन नहीं मिला हक

असम में गरजे हेमन्त सोरेन, श्रमिक-अदिवासी अधिकार बना चुनावी मुद्दा

एजेंसी

विश्वनाथ : असम विधानसभा चुनाव के बीच झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने जनसभाओं में आदिवासी समाज के मुद्दों को जोरदार तरीके से उठाया। उन्होंने कहा कि चाय बागानों को आदिवासी समाज ने अपने खून-पसीने से सींचा, लेकिन विडंबना यह है कि वही समाज आज भी हाशिए पर जीने को मजबूर है। सोरेन ने इसे सिर्फ एक राजनीतिक मुद्दा नहीं, बल्कि सम्मान, पहचान और ऐतिहासिक न्याय की लड़ाई बताया। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने असम की अर्थव्यवस्था को खड़ा किया, उन्हें आज भी अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है, जो लोकतंत्र पर बड़ा सवाल है।

आदिवासी सम्मान और अधिकार का मुद्दा गरमाया

हेमन्त सोरेन ने अपने संबोधन में कहा कि आदिवासी समाज को 'टी ट्राइब' जैसे शब्दों में सीमित कर देना और उन्हें बराबरी का अधिकार न देना, सदियों से चली आ रही उपेक्षा और शोषण की मानसिकता को दर्शाता है। उन्होंने अंग्रेजों के दौर का जिक्र करते हुए कहा कि आदिवासियों को उनके घरों से दूर लाकर बागानों में काम करने के लिए मजबूर किया गया और आजादी के बाद भी उनकी स्थिति में अपेक्षित बदलाव नहीं हुआ। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अब समय आ गया है कि आदिवासी समाज को उनकी पहचान, सम्मान और संवैधानिक अधिकार पूरी तरह मिले। "अब चुप्पी नहीं चलेगी, इतिहास के इस अन्याय को मिलकर ठीक करना होगा"।

असम के विश्वनाथ विधानसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करते हुए सोरेन ने कहा कि उन्हें जनता से भरपूर प्यार और आशीर्वाद मिल रहा है, जो उनकी ताकत है। उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी 9 अप्रैल को मतदाता तीर-धनुष चुनाव चिन्ह पर वोट देकर जेएमएम प्रत्याशी तिहारो गौर को विजयी बनाएंगे और अपने अधिकार हासिल करेंगे।

सोरेन ने अपने भाषण का समापन पारंपरिक अंदाज में "जय जोहार" के साथ किया और स्थानीय भाषा में भी लोगों से समर्थन की अपील की। उनके इस दौरे को असम में जेएमएम के लिए माहौल बनाने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

भारत के लिए अच्छी खबर : सातवां एलपीजी टैंकर 'ग्रीन शान्वी' होर्मुज से सुरक्षित पार

एजेंसी

नयी दिल्ली : पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच भारत के लिए एक और राहत भरी खबर है। भारतीय झंडे वाला एलपीजी टैंकर ग्रीन शान्वी 3 अप्रैल 2026 की रात हॉर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित रूप से गुजर गया। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, जहाज में करीब 46,650 मीट्रिक टन एलपीजी कार्गो लदा हुआ था। आने वाले दिनों में दो और भारत-ध्वज वाले एलपीजी टैंकर ग्रीन आशा और जग विक्रम भी हॉर्मुज जलडमरूमध्य पार कर भारत की ओर रवाना होंगे। गौरतलब है कि पश्चिम एशिया युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक ग्रीन शान्वी समेत कुल सात भारतीय एलपीजी टैंकर इस संवेदनशील जलमार्ग को पार कर चुके हैं।

ग्रीन शान्वी के ट्रांजिट के बाद अब फारस की खाड़ी में कुल 17 भारतीय जहाज मौजूद हैं। इनमें तीन अन्य एलपीजी टैंकर, चार कच्चे तेल के टैंकर, एक एलएनजी टैंकर, एक केमिकल प्रोडक्ट्स टैंकर, तीन कंटेनर शिप, दो बल्क कैरियर और दो जहाज नियमित मरम्मत (मेंटेनेंस) के लिए शामिल हैं।

अपने ट्रांजिट के दौरान ग्रीन शान्वी अपनी भारतीय पहचान और जहाज पर सवार नाविकों की पहचान बता रहा था, यह एक ऐसी प्रैक्टिस बन गई है जो ईरानी अधिकारियों के साथ कोऑर्डिनेट करने वाले जहाजों के लिए स्टैंडर्ड बन गई है।

भारत ने अपने जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए ईरान के साथ कूटनीतिक स्तर पर बातचीत की है। ईरान ने हाल ही में स्पष्ट किया था कि जो देश उसके साथ समन्वय बनाए रखते हैं और शत्रु श्रेणी में नहीं आते, उनके जहाजों को जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति दी जा रही है।

तेजस्वी यादव का रांची दौरा आज, झारखंडी परंपरा के साथ होगा अभिनंदन समारोह

रांची : रांची में राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव के आगमन को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। 5 अप्रैल को उनके स्वागत के लिए भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, जिसकी तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं। राजद प्रवक्ता कैलाश यादव के अनुसार, 5 अप्रैल को दोपहर 12 बजे रांची के कार्निवल हॉल में तेजस्वी यादव का झारखंडी रीति-रिवाज के साथ भव्य स्वागत किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर शहरभर में बैनर, पोस्टर और तोरणद्वार लगाए गए हैं, जिससे पूरे रांची में उत्सवी माहौल बन गया है। बताया गया है कि बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव सड़क मार्ग से देर रात रांची पहुंचेंगे।

एक नजर

ईस्टर पर राष्ट्रपति ने दी देशवासियों को शुभकामनाएं

नयी दिल्ली : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को ईस्टर की पूर्व संध्या पर देशवासियों, विशेषकर देश और विदेशों में रह रहे ईसाई समुदाय को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। अपने संदेश में राष्ट्रपति ने कहा कि ईस्टर ईसाई धर्म का एक महत्वपूर्ण पर्व है, जो प्रभु यीशु मसीह के पुनः अवतरित होने की स्मृति में मनाया जाता है। यह पावन अवसर सत्य, प्रेम, करुणा, त्याग और क्षमा जैसे मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा देता है। राष्ट्रपति ने देशवासियों से अपील की कि वे इस अवसर पर आपसी सद्भाव, शांति और भाईचारे को बढ़ावा देने का संकल्प लें और एक बेहतर भविष्य के निर्माण के लिए मिलकर प्रयास करें।

मालदा में ममता बनर्जी के हेलीकॉप्टर के पास दिखा ड्रोन, जांच के निर्देश

कोलकाता : पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी के हेलीकॉप्टर के पास शनिवार दोपहर एक संदिग्ध ड्रोन देखे जाने से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ गई है। मुख्यमंत्री ने इस घटना की तत्काल जांच के निर्देश दिए हैं। यह घटना मालदा जिले के मालतीपुर में उस समय हुई जब ममता बनर्जी अपनी जनसभा को संबोधित करने के बाद हेलीकॉप्टर में सवार होने जा रही थीं। शनिवार को उनकी यह दूसरी जनसभा थी। इससे पहले उन्होंने मानिकचक में सभा की थी और इसके बाद उन्हें गाजोल में तीसरी जनसभा के लिए जाना था। जैसे ही वह हेलीपैड पर हेलीकॉप्टर की ओर बढ़ीं, उसी दौरान एक ड्रोन उसके सामने मंडराता हुआ दिखाई दिया। इसे देखते ही मुख्यमंत्री कुछ देर के लिए रुक गईं और मंच से ही पुलिस को मामले पर कड़ी नजर रखने का निर्देश दिया।

आतंकी साजिश मामले में गिरफ्तार 4 आरोपी 5 दिन की एटीएस रिमांड पर

लखनऊ : लखनऊ में पकड़े गए आतंकी मॉड्यूल के चारों आरोपियों को शनिवार को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें 5 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। यूपी एटीएस अब उनसे पाकिस्तानी हैंडलर्स और आतंकी नेटवर्क के बारे में पूछताछ करेगी। एटीएस कमांडो ने दोपहर को चारों आरोपियों शाकिब, विकास गहलावत, लोकेश उर्फ पपला पंडित और अरबाब को लखनऊ की विशेष अदालत में पेश किया।

नासिक में कुएं में कार गिरी, एक ही परिवार के 9 लोगों की मौत, इनमें 6 बच्चे भी शामिल

एजेंसी

नासिक : महाराष्ट्र के नासिक जिले में एक कार के कुएं में गिरने से एक परिवार के छह बच्चों समेत 9 लोगों की मौत हो गई। हादसा शुक्रवार रात करीब 10 बजे डिंडोरी शहर के शिवाजी नगर इलाके में हुआ। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़ित परिवार एक बैंक्वेट हॉल में फंक्शन में शामिल होने के बाद घर जा रहे थे, तभी उनकी कार वेन्यू के पास एक कुएं में गिर गई। लोग मौके पर पहुंचे और आधी रात को दो क्रेन और तैराकों की मदद से कार और उसमें सवार लोगों को बाहर निकाला।

पुलिस के अनुसार, मरने वालों की पहचान सुनील दत्तू दरगुडे, उनकी पत्नी रेशमा, आशा अनिल दरगुडे और परिवार के छह बच्चों (पांच लड़कियां और एक लड़का) के रूप में हुई है।

ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट में इजरायली जहाज पर किया हमला, लगी आग

एजेंसी

तेहरान : ईरान ने शनिवार को दावा किया है कि उसने होर्मुज स्ट्रेट में इजरायली जहाज पर हमला किया है। ड्रोन से हुए इस हमले के बाद जहाज पर आग लग गई। हालांकि, अभी तक इजरायल की ओर से कोई जवाब नहीं आया है। ईरानी हमले से पूरे मिडिल ईस्ट में तनाव और बढ़ गया है। बहरीन के खलीफा बिन सलमान बंदरगाह पर एक कमर्शियल जहाज को निशाना बनाया। यह जहाज इजरायली शासन के मालिकाना हक वाला था और उस पर किसी तीसरे देश का झंडा लगा हुआ था। गार्ड्स की नौसेना ने इससे पहले एक्स पर एक पोस्ट में कहा था कि जहाज पर हमला होर्मुज स्ट्रेट में किया गया था।

5 किलो वाले सिलेंडर के लिए एड्रेस प्रूफ जरूरी नहीं

नयी दिल्ली : भारत सरकार ने देश में ईंधन की सप्लाई बनाए रखने, एलपीजी की उपलब्धता और विदेशों में फंसे भारतीयों की सुरक्षा को लेकर कई बड़े कदम उठाए हैं। सरकार ने साफ किया है कि देश में एलपीजी की कमी न हो, इसके लिए लगातार सप्लाई बढ़ाई जा रही है। 5 किलो वाले एलपीजी सिलेंडर अब गैस एजेंसियों पर आसानी से मिल रहे हैं। इन्हें खरीदने के लिए सिर्फ वैध आईडी दिखानी होगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केरल में भरी सियासी हुंकार, कहा

कांग्रेस और लेफ्ट से सावधान रहने की जरूरत

- हमारे केरलम को ईश्वर ने अपार संसाधन और संभावनाएं दी हैं
- पूरे राज्य में एनडीए के पक्ष में माहौल दिख रहा है
- केरल के लोगों को कांग्रेस और लेफ्ट से सावधान रहने की जरूरत है

एजेंसी

केरल : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को केरल में भाजपा की चुनावी रैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा, 'हमारे केरलम को ईश्वर ने अपार संसाधन और संभावनाएं दी हैं। यहां समंदर में ब्लू इकोनॉमी के असीम अवसर हैं। यहां उद्योगों के लिए संभावनाएं हैं। पर्यटन के क्षेत्र में भी अपार संभावनाएं हैं, लेकिन केरल बाकी राज्यों से लगातार पीछे होता जा रहा है।'

पीएम मोदी ने आगे कहा कि राज्य में इस बार माहौल बदल चुका है और जनता बदलाव चाहती है। उन्होंने कहा कि 9 अप्रैल को मतदान के बाद 4 मई को एनडीए सरकार बनने जा रही है। उन्होंने महिलाओं के समर्थन को अपनी ताकत बताते हुए कहा कि राज्यभर में एनडीए के पक्ष में माहौल दिख रहा है। उन्होंने उम्मीदवार अनुप को समर्पित और मेहनती बताते हुए जनता से समर्थन की अपील की। रैली के दौरान उन्होंने सबरीमाला और भगवान अयप्पा का भी उल्लेख किया गया और इसे सांस्कृतिक जुड़ाव से जोड़ा। इसके साथ ही पीएम मोदी ने यह भी बोले कि केरल के लोगों को कांग्रेस और लेफ्ट से सावधान रहने की जरूरत है। केरल में रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि इस चुनाव में केरल को फायदा होगा, भले ही उन्हें खुद व्यक्तिगत रूप से कुछ नुकसान उठाना पड़े। उन्होंने कहा कि एनडीए उम्मीदवार अनूप पिछले पांच वर्षों से उनके साथ पूरी मेहनत और समर्पण के साथ काम कर रहे हैं।

एक नजर

सरस्वती विद्या पीठ पब्लिक स्कूल में वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित

बरही : कोनरा स्थित सरस्वती विद्या पीठ पब्लिक स्कूल में वार्षिक परीक्षा परिणाम की घोषणा हर्षोल्लास के साथ की गई। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में उत्साह का माहौल देखने को मिला। सफल विद्यार्थियों को विद्यालय परिवार द्वारा बधाई दी गई। विद्यालय के विभिन्न वर्गों में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की सूची में नर्सरी से उपकार यादव, एलकेजी से परिधि सिंह, यूकेजी से कुंदन कुमार, प्रथम कक्षा से सोनम कुमारी, द्वितीय कक्षा से दिनेश यादव, तृतीय कक्षा से सृष्टि यादव, चतुर्थ कक्षा से विवेक यादव, पंचम कक्षा से विपिन यादव, षष्ठी कक्षा से सन्नी कुमार तथा सप्तम कक्षा से सुमित यादव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर विद्यालय के शिक्षकों में विजय केशरी, पवन कुमार, रानी कुमारी, गायत्री देवी, सोनाली कुमारी, श्वेता बर्णवाल एवं पिंकी कुमारी ने सभी सफल छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि विद्यार्थियों की मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन से यह उत्कृष्ट परिणाम संभव हो सका है। साथ ही अभिभावकों के सहयोग को भी सराहा गया।

चयकलां में उर्स मेले की रौनक

चौपारण : प्रखंड के ग्राम पंचायत चयकलां स्थित हजरत दूलाह शाह बाबा के दरबार में तीन दिवसीय उर्स मेले की शुरूआत शुक्रवार से हो गई है। उर्स के पहले दिन बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने दरगाह पहुंचकर हाजिरी लगाई और अमन-चैन, भाईचारे व खुशहाली की दुआ मांगी। इस मौके पर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के पूर्व जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र राणा एवं अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष अब्दुल सलाम ने चादरपोशी कर क्षेत्र की तरक्की और सुख-समृद्धि की कामना की। उर्स के पहले दिन का मुख्य आकर्षण प्रसिद्ध मौलाना गाजी ए मिल्लत गुलाम रसूल बलियावी की नात-ओ-मनकबत की महफिल रही।

डुमरडीह में श्रीश्री रूद्र महायज्ञ की तैयारी पूरी, सोमवार को कलशयात्रा

बरही : प्रखंड अंतर्गत करसो पंचायत के डुमरडीह में श्रीश्री रूद्र महायज्ञ की तैयारी पूरी कर ली गई है। नौ दिवसीय महायज्ञ का शुभारंभ सोमवार वैशाख कृष्ण पक्ष पंचमी को होगा। कलशयात्रा और कलश स्थापना के साथ पंचांग पूजन और मंडप प्रवेश का कार्यक्रम है। 7 अप्रैल से 11 अप्रैल तक संध्या में अयोध्या से आयी कथावाचिका मिथिलेश्वरी शास्त्री का प्रवचन होगा। 14 अप्रैल मंगलवार वैशाख त्रयोदशी को महाभिषेक, हवन-पूजन और भंडारा के साथ महायज्ञ की पूणार्हुति है। शाम में भजन संध्या का कार्यक्रम जागरण का आयोजन होगा। महायज्ञ के संचालन के लिए सर्वसम्मति से महायज्ञ कमेटी का गठन किया गया है।

बुजुर्ग लापता खोजबीन की मांग

बरही : थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम रसोइया धमना निवासी 75 वर्षीय बुजुर्ग नारायण साव के लापता होने का मामला सामने आया है। इस घटना के बाद से परिजनों में चिंता का माहौल बना हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नारायण साव दिनांक 27 मार्च 2026 को दोपहर करीब 12 बजे अपने घर से खाना खाकर निकले थे, लेकिन इसके बाद वे घर वापस नहीं लौटे।

हजारीबाग यूथ विंग द्वारा किया जा रहा रक्तदान शिविर समाज के लिए प्रेरणादायक पहलः राज्यपाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग यूथ विंग के द्वारा 13 अप्रैल को आयोजित होने वाले भव्य रक्तदान शिविर को लेकर शनिवार को झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार से रांची स्थित लोक भवन में शिष्टाचार मुलाकात कर उन्हें औपचारिक रूप से निमंत्रण दिया गया। रक्तदान शिविर हजारीबाग शहर के लक्ष्मी सिनेमा हॉल सभागार में 13 अप्रैल दिन सोमवार को सुबह 9:00 से आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर संस्था के प्रतिनिधिमंडल में संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन, उपाध्यक्ष विकास तिवारी, सचिव रितेश खंडेलवाल, सह सचिव अभिषेक पांडे एवं कोषाध्यक्ष गुंजन मद्धेशिया के साथ रेड क्रॉस सोसाइटी झारखंड के उपसभापति तनवीर सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को फूलों का गुलदस्ता, स्मृति चिन्ह एवं शॉल भेंट कर सम्मानित किया साथ ही निमंत्रण पत्र दिया। प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष 500 यूनिट रक्त संग्रह के संकल्प के साथ भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही यह भी बताया गया कि वर्ष 2024 में 130 यूनिट एवं वर्ष 2025 में 221 यूनिट रक्त संग्रह किया गया था। हजारीबाग में रक्त की कमी को देखते हुए इस बार बड़े स्तर पर तैयारी की गई है और रक्त संग्रह का कार्य रेड क्रॉस सोसाइटी एवं सदर अस्पताल के सहयोग से किया जाएगा।

साथ ही बताया कि हर रक्तदाताओं को उपहार स्वरूप हेलमेट भेंट किया जाएगा। राज्यपाल संतोष गंगवार ने सभी बातों को सुनने के उपरांत कहा कि इस प्रकार के रक्तदान शिविर जैसे सामाजिक कार्यक्रम समाज को नई दिशा देने का कार्य करते हैं। रक्तदान एक महान मानव सेवा है, जिससे जरूरतमंदों को जीवनदान मिलता है और समाज में सेवा की भावना को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने आयोजन के लिए अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी पूरी कोशिश रहेगी कि वे कार्यक्रम में उपस्थित होकर रक्तदाताओं एवं संस्था के सदस्यों का उत्साहवर्धन करें। संस्था के संरक्षक चंद्रप्रकाश जैन ने कहा कि हजारीबाग में रक्त की कमी को देखते हुए इस वर्ष भी शिविर का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि रेड क्रॉस सोसाइटी एवं सदर अस्पताल के सहयोग से रक्त संग्रह का कार्य किया जाएगा और सभी रक्तदाताओं के लिए बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है, ताकि यह शिविर सफल और प्रभावी बन सकता है। संस्था के अध्यक्ष करण जायसवाल ने कहा कि हजारीबाग यूथ विंग लगातार सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रही है और इस बार 500 यूनिट रक्त संग्रह का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि संस्था द्वारा व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है ताकि अधिक से अधिक युवा इस पुनीत कार्य से जुड़ें और जरूरतमंदों के लिए रक्तदान कर सकें।

चंदौल पंचायत स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता पर महुगाई खुर्द टीम ने कब्जा जमाया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : चंदौल पंचायत के पुन्दोल गांव बड़कीबागी खेल मैदान में समाजसेवी विनोद यादव के सौजन्य से पंचायत स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मैच चंदौल क्रिकेट टीम बनाम महुगाई खुर्द क्रिकेट टीम के बीच खेली खेली गई। पहले बल्लेबाजी करते हुए महुगाई खुर्द क्रिकेट टीम ने निर्धारित 16 ओवर में 9 विकेट पर 194 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। जिसमें मैन ऑफ द मैच चंदन कुमार ने 31 बॉल में 76 रन की बेहतरीन पारी खेली। जवाबी पारी खेलते हुए चंदौल क्रिकेट टीम ने सूरज के 28 रन के बदौलत 9 विकेट पर 142 रन हीं बना पाई और 52 रन से हार गई। फाइनल मैच एवं पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि जिप सदस्य सुनीता देवी एवं उपस्थित विशिष्ट अतिथि रामनवमी मास समिति के अध्यक्ष विवेक सोनी, मुखिया बासुदेव यादव, मोहम्मद इब्राहिम के हाथों विजेता महुगाई खुर्द, उपविजेता चंदौल टीम तथा प्रतियोगिता में बेहतर करने वाले मैन ऑफ द सीरीज मोहम्मद आजाद पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

अंपायर की भूमिका लालू यादव एवं आशीष कुमार और कॉमेंटेटर की भूमिका विनोद यादव एवं महेंद्र यादव ने निभाई। मोहम्मद इब्राहिम ने सभी चारों सेमीफाइनललिस्ट को पुरस्कार स्वरूप 1-1 हजार नगद राशि देकर सम्मानित किया है। जिप सदस्य सुनीता देवी ने विजेता एवं उपविजेता टीम को 500-500 रुपया देकर सम्मानित किया ।मौके पर मंच का संचालन आयोजक टीम के संरक्षक उप मुखिया शमशेर आलम ने किया।

मौके पर विशिष्ट अतिथि मे जीप सदस्य सुनीता देवी, जीप प्रतिनिधि मोहम्मद इब्राहिम, पंचम कुमार, मुखिया बासुदेव यादव, रविदास महासभा के प्रखंड अध्यक्ष असेस्वर राम, दिनेश्वर पासवान, मोहम्मद मुस्तकीम, ओमप्रकाश नारायण सिंह, अनिल दास, मोहम्मद कलाम, रघुवीर राम , सूरज दास, प्रभु यादव ,महेंद्र यादव,आयोजक टीम में अध्यक्ष विकास पांडे ,मोहम्मद हफीज, रघुनाथ यादव ,राहुल पासवान , के अलावा अन्य कई उपस्थित थे।

केरेडारी पीएनएम पर सात करोड़ का भाड़ा रखने का आरोप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

केरेडारी : केरेडारी प्रखंड विस्थापित प्रभावित हाईवा ऑनर संघ ने कोयला ढोने वाली पीएनएम कंपनी पर कोयला ढूलाई का सात करोड़ रुपए बकाया रखने का आरोप लगाया है। इस संबंध हाइवा एसोसियेशन के अध्यक्ष सरोज कुमार ने एसडीपीओ बड़कागांव को ज्ञापन सौंपकर जल्द कार्रवाई की मांग की है।

एसोसिएशन के अनुसार एनटीपीसी चट्टी बारियातू कोल परियोजना से पीएनएम कंपनी बड़कागांव रेलवे साइडिंग एवं ठळढउ प्लांट टंडवा तक कोयला ढुलाई का कार्य किया था। इस कार्य के एवज में हाईवा मालिकों और लोडरों का करीब सात करोड़ रुपये बकाया है । यह बकाया राशि नवंबर और दिसंबर माह का है ।जिससे वाहन मालिकों की आर्थिक स्थिति काफी दयनीय हो गई है ।संघ का कहना है कि कई बार ट्रांसपोर्टर और एनटीपीसी प्रबंधन को भुगतान के लिए समय दिया गया,लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। ऐसे में संघ ने चेतावनी दी है कि यदि 5 अप्रैल तक पारदर्शिता के साथ भुगतान सुनिश्चित नहीं किया गया तो केरेडारी क्षेत्र में पीएनएम कंपनी का काम ठप कर दिया जाएगा। दूसरी ओर पीएनएम के लाइजनर मोहन कुमार का कहना है कि जिन हाइवा मालिकों का बकाया है इसकी सूची एनटीपीसी प्रबंधन को दे दिया गया है। प्रबंधन सीधा हाइवा मालिकों के खाते में भुगतान करेगा। बहरहाल संघ ने प्रशासन से हस्तक्षेप कर समस्या के समाधान की मांग की है। वहीं एनटीपीसी प्रबन्धन ने कहा पीएनएम का मात्र 5 करोड़ जमा हैं। जबकि देनदारी 8.50 करोड़ के आस पास हैं।

काण्डतरी वन प्रबंधन एवं संरक्षण समिति का मासिक बैठक संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : काण्डतरी वन प्रबंधन एवं संरक्षण समिति का मासिक बैठक बुढ़वा महादेव परिसर के पनसलवा में की गई। जिसकी अध्यक्षता बड़कागांव उप प्रमुख बचनदेव कुमार ने किया।

बैठक में मुख्य रूप से महुआ चुनने वालों के द्वारा जंगलों में पेड़ के सामने ,आग लगाकर महुआ चुनने वालों पर रोक लगाने को लेकर विशेष चर्चा की गई। बैठक के माध्यम से संदेश दिया गया कि यदि जंगल में महुआ चुनने के दौरान आग लगाते हुए पकड़े जाते हैं या जिनके महुआ पेड़ के सामने आग लगा हुआ पाया जाएगा। उस पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उप प्रमुख सह वन प्रबंधन समिति सदस्य वचनदेव कुमार ने कहा कि जंगल में महुआ पेड़ के सामने आग लगाने वाले को, यह नहीं समझ आता है कि माचिस के एक तिल्ली से जंगल को कितना बड़ा क्षति पहुंचा सकता है जिसकी कल्पना नहीं कर सकते हैं। बार-बार जंगल में आग लगने के कारण जंगली जानवर धीरे-धीरे कम होते जा रहे हैं । जंगली जानवरों के लिए आश्रय स्थल, को भारी नुकसान हो रहा है ।मैं आप लोगों को हर प्रकार से सहयोग करने के लिए तत्पर हूं। बैठक उपस्थित सदस्य बड़कागांव उप प्रमुख सह वन समिति सदस्य बचनदेव कुमार, तुलेश्वर महतो, कुलेश्वर कुमार, संजय महतो, टीकनारायण महतो, रविकांत कुमार, पुनिता कुमारी, आदि उपस्थित थे।

करणपुरा महाविद्यालय के संस्थापक श्री राम सेवक का 72वां जन्मदिवस धूमधाम से मना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : करणपुरा महाविद्यालय के संस्थापक एवं शिक्षाविद् श्री राम सेवक के 72वें जन्मदिवस के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उनके परिवारजनों, शिक्षकों, गणमान्य व्यक्तियों एवं क्षेत्रवासियों ने मिलकर उनका जन्मदिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया और उनके दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की।

ज्ञात हो कि श्री राम सेवक ने वर्ष 1983 में करणपुरा इंटर महाविद्यालय की स्थापना की थी, जिसे उसी वर्ष बिहार इंटरमीडिएट शिक्षा परिषद, पटना से मान्यता प्राप्त हुई। उनके इस प्रयास ने पूरे क्षेत्र में शिक्षा के क्षेत्र में एक नई दिशा प्रदान की। टंडवा, सिमरिया, केरेडारी, बड़कागांव तथा हजारीबाग के लाखों छात्र-छात्राओं ने यहां से शिक्षा प्राप्त कर अपने भविष्य को संवारा।

वर्तमान में भी महाविद्यालय में कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय में लगभग 1000 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। इसके अतिरिक्त वर्ष 1988 में उन्होंने इसी संस्थान के भवन, भूमि एवं संसाधनों के आधार पर रांची विश्वविद्यालय को प्रस्तावित कर एक अस्थायी डिग्री कॉलेज की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जो उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक पहल साबित हुई।

दिनांक 03 अप्रैल 2026 को आर.एस. बुद्धिस्म डिग्री इवनिंग कॉलेज परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से श्री लखनदार ठाकुर, मॉडर्न स्कूल के प्राचार्य श्री इब्राहिम, युवा नेता सोनू इराकी, श्री राम चरित्र प्रसाद, श्रीमती मनीषा भारती, करणपुरा महाविद्यालय (इंटर)के प्राचार्य, श्री दिव्यांश अयन (सहायक अभियंता), मिशाल कुमार शाहा, प्रो. आशा कुमारी, प्रो. अक्षय पांडेय, हनी कुमार, ललिता कुमारी, हर्षिता कुमारी, सुषमा कुमारी, बहमनी कुमारी, श्री उदय सिंह, साहिल कुमार सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

सभी उपस्थित लोगों ने श्री राम सेवक को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं तथा शिक्षा के क्षेत्र में उनके अतुलनीय योगदान की सराहना की। यह कार्यक्रम क्षेत्र में शिक्षा के प्रति उनकी समर्पित सेवा को स्मरण करने का एक महत्वपूर्ण अवसर रहा।

ग्रीनलैण्ड पब्लिक स्कूल चपरीकला में वार्षिक परीक्षा परिणाम व पीटीएम का सफल आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : चपरीकला पांडेयबारा स्थित ग्रीनलैण्ड पब्लिक स्कूल में वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित करने के साथ-साथ पेरेंट्स-टीचर्स मीटिंग का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम में अभिभावकों और शिक्षकों के बीच छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन एवं उनके सर्वांगीण विकास पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में अभिभावकों की अच्छी-खासी उपस्थिति देखने को मिली। परीक्षा परिणाम जानने के साथ-साथ अभिभावकों ने शिक्षकों से अपने बच्चों की प्रगति, कमजोरियों और सुधार के उपायों पर भी बातचीत की। शिक्षकों ने प्रत्येक छात्र के प्रदर्शन का मूल्यांकन करते हुए उन्हें आगे बेहतर करने के लिए आवश्यक सुझाव दिए। विद्यालय प्रबंधन की ओर से बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को विशेष रूप से सराहा गया और उन्हें आगे भी इसी प्रकार मेहनत करने के लिए प्रेरित किया गया। वहीं जिन छात्रों का प्रदर्शन अपेक्षाकृत कम रहा, उनके अभिभावकों को सकारात्मक मार्गदर्शन देते हुए नियमित अध्ययन और अनुशासन पर ध्यान देने की सलाह दी गई। कार्यक्रम के दौरान निदेशक पंचम कुमार पाण्डेय ने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल परीक्षा परिणाम तक सीमित नहीं, बल्कि बच्चों का समग्र विकास करना है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों की पढ़ाई के साथ-साथ उनके नैतिक एवं सामाजिक विकास पर भी ध्यान दें। इस अवसर पर धनंजय कुमार, प्रीति कुमारी, नीरज पाण्डेय, करण पांडेय, सोहानी कुमारी, पूजा कुमारी, शिवम कुमार, श्वेता पाण्डेय, तन्नू कुमारी, सुप्रिया कुमारी, दीपिका पाण्डेय एवं पायल कुमारी समेत अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन सकारात्मक माहौल में हुआ, जहां अभिभावकों ने विद्यालय की व्यवस्था और शिक्षण प्रणाली की सराहना की। साथ ही इस तरह के आयोजनों को बच्चों के भविष्य के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। कार्यक्रम में धनंजय कुमार, प्रीति कुमारी, नीरज पाण्डेय, शिवम सिंह, करन कुमार पाण्डेय, सानिया कुमारी, सोहानी कुमारी, श्वेता पाण्डेय, पूजा सिंह, दीपिका पाण्डेय, तन्नू कुमारी, सुप्रिया कुमारी, पायल कुमारी तथा खुशबू कुमारी सहित अन्य उपस्थित रहें।

संक्षिप्त खबरें

तेलोडीह में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई बाबा चौहरमल की 713वीं जंयती

बरही : प्रखंड के दुलमाहा पंचायत के तेलोडीह गांव में पासवान सेवा समिति की ओर से बाबा चौहरमल की 713वीं जयंती पारंपरिक श्रद्धा और बड़े उत्साह के साथ मनाई गई। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला, पुरूष, बच्चे, युवा वर्ग श्रद्धालु और ग्रामीण शामिल हुए जिसके कारण पूरे गांव में भक्तिमय का माहौल रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ विधि-विधान से पूजा-अर्चना के उपरांत सभी श्रद्धालुओं ने बाबा चौहरमल के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया। वहीं समिति द्वारा अतिथियों को अंगवस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया ।कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व मुखिया प्रत्याशी दुलमाहा पंचायत कमल शंकर पंडित उर्फ बालो पंडित, सरयू पासवान,विक्रम पासवान, रामशरण पासवान, कैलाश पासवान सहित कई लोग शामिल हुए। उपस्थित वक्ताओं ने बाबा चोहरमल की जीवनी पर प्रकाश डाला। पूर्व मुखिया प्रत्याशी कमल शंकर पंडित ने बाबा चौहरमल के जीवन और उनके संघर्षों के बारे में विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला। उन्होंने बाबा चौहरमल को समाज में समानता, साहस और स्वाभिमान का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि बाबा चौहरमल ने समाज के वंचित वर्गों को सम्मान दिलाने और सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाने का कार्य किया। उनके आदर्श आज भी समाज को नई दिशा दे रहे हैं। इस कार्यक्रम में पासवान समाज के युवा वर्ग की विशेष भागीदारी रही ।इस अवसर पर सभी श्रद्धालुओं ने बाबा चौहरमल के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। उन्होंने समाज में एकता और भाईचारे को मजबूत करने का संदेश दिया। ।सरयू पासवान ने कहा कि अपने पूर्वजों को जो कौम याद करती है, वह विकास के रास्ते पर आगे बढ़ती है। बाबा चौहरमल एक महान देशभक्त थे। वे पीड़ितों ,दलितों, शोषितों के मसीहा थे। उन्होंने हमेशा समाज में फैली कुरीतियों का विरोध किया। उनके बताए रास्ते पर चलकर ही हम सभ्य समाज की स्थापना कर सकते हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में पासवान सेवा समिति के युवा साथियों की अहम्‍ भूमिका रही। मौके पर मुन्नी पासवान,नवलेश पासवान, संदीप पासवान, भगत जी गोवर्धन पासवान, जगदीस पासवान, अशोक पासवान,चन्दन पासवान, मन्नु पासवान, सगर पासवान, मिखील पासवान रंजीत पासवान, अमित पासवान पप्पु, प्रवेश, प्रवीन, विबेल नितीष दित, पवन, सुरज पासवान,आन्नद्र पासवान,संजू देवी ,तारा देवी, गिरजा देवी,उषा देवी ,लक्ष्मी देवी सहित सैकड़ों महिला पुरूष बच्चे शामिल हुए।

खोड़ाहार में खुला इंडियन पेट्रोल पंप विधायक ने किया उद्घाटन

बरही : बरही के खोड़ाहार एन एच के किनारे इंडियन पेट्रोल पंप खुला। सुबह से पूजा अर्चना के बाद उदघाटन का कार्यक्रम हुआ। उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि बरकट्ठा विधायक अमित कुमार यादव, भाजपा नेता गणेश यादव, इंडियन ऑयल के राहुल कुमार, राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कपिल प्रसाद केशरी, प्रदेश अध्यक्ष कृष्णा प्रजापति,प्रदेश संयोजक भरत यादव, प्रमुख मनोज रजक, भाजपा नेता उदयभान नारायण सिंह, सुदेश चंद्रवंशी, डॉ सुनील कुमार दत्त, मो कयूम, भुनेश्वर यादव, अंबिका सिंह, संजीव कटियार, मुखिया प्रतिनिधि खिरोधर यादव, उप प्रमुख देवलाल कुशवाहा, हरेंद्र यादव, जिप सदस्य मंजू देवी, किरण देवी छात्रधारी यादव, रवि शंकर कुमार, देव कुमार यादव ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर इंडियन ऑयल के प्रतिनिधि राहुल कुमार ने इंडियन ऑयल की खूबियों से परिचित कराया। संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि बरकट्ठा विधायक अमित कुमार यादव ने कहा कि एक ओर खाड़ी देशों के युद्ध चल रहा है। पेट्रोल डीजल की कमी देखी जा रही है। ऐसी हालत में इंडियन ऑयल पेट्रोल खुलना शुभ संकेत है। पेट्रोल पंप खुलने से आम जनता को काफी सहूलियत होगी। प्रोपराइटर भरत यादव ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि उनके पेट्रोल पंप में सभी तरह की सुविधा उपलब्ध रहेगा। जो कंपनी के द्वारा सुविधाएं मिलेगा वह ग्राहक तक जरूर पहुंचेगा। मौके पर भगवान केशरी, मो तैयब, योगेंद्र प्रजापति, देवल यादव, मणिलाल यादव, नरेश यादव, रंजीत चंद्रवंशी सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

हवन पूजन के साथ श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल में नए सत्र की शुरूआत

बरही : बरही के देवचंदा मोड़ स्थित श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल में शनिवार को हवन पूजन एवं धार्मिक आस्था के साथ नए शैक्षणिक सत्र 2026-27 का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मैनेजर विकास सिंह सहित विद्यालय परिवार के शिक्षकगण, कर्मचारी एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया ।इस मौके पर विद्यालय की उन्नति, विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य तथा समस्त स्टाफ के सुख-समृद्धि की कामना की गई। मौके पर मैनेजर विकास सिंह ने कहा कि नया शैक्षणिक सत्र विद्यार्थियों के लिए नई ऊर्जा, नए संकल्प और नए अवसर लेकर आता है। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन, परिश्रम और लगन के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया। वहीं विद्यालय प्रबंधन ने सभी विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को नए सत्र की शुभकामनाएं दीं। साथ ही कक्षा 11वीं में नामांकन पर विशेष जोर देते हुए बताया कि विज्ञान एवं मानविकी संकाय में नामांकन जारी है। उन्होंने विद्यालय में शैक्षणिक पढ़ाई के साथ-साथ जेईईमेंन्श, नीट,सीएलएटी एवं सीयूईटी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी भी कराई जाएगी। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि 6 अप्रैल से डेमो क्लास शुरू होगी, जिसमें छात्र-छात्राओं के साथ अभिभावक भी शामिल होकर विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था का मूल्यांकन कर सकते हैं।

सरदार पटेल के आदर्शों को अपनाकर राष्ट्र की एकता व अखंडता को सुदृढ़ करने में भूमिका निभाएं : राज्यपाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनके अदम्य साहस, दृढ़ संकल्प और दूरदर्शी नेतृत्व ने स्वतंत्र भारत की एकता और अखंडता को मजबूत आधार प्रदान किया। वह शनिवार को रांची के आर्यभट्ट सभागार में सरदार पटेल स्मृति समिति द्वारा आयोजित उनकी 150वीं जयंती वर्षगांठ समारोह में बोल रहे थे।

राज्यपाल ने सभी से आह्वान किया कि वे सरदार पटेल के आदर्शों को अपने विचार, व्यवहार और कर्तव्यों में आत्मसात करें तथा राष्ट्र की एकता और अखंडता को सुदृढ़ बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि 562 रियासतों के विलय का उनका ऐतिहासिक कार्य भारत निर्माण की दिशा में एक अनुपम उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि सरदार पटेल के विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं और वे हमें राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने तथा एकता की भावना को मजबूत करने की प्रेरणा देते हैं।

राज्यपाल ने कहा कि यह अवसर केवल श्रद्धांजलि देने का नहीं, बल्कि उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने का संकल्प लेने का भी है। उन्होंने वर्तमान समय में एक सशक्त, आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण में राष्ट्रीय एकता, सुशासन और समावेशी विकास की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला और कहा कि देश "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" की भावना के साथ निरंतर आगे बढ़ रहा है।

राज्यपाल ने स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का उल्लेख करते हुए कहा कि यह विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा भारत की एकता, आत्मविश्वास और गौरव का प्रतीक है, जो नई पीढ़ी को राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करती है। उन्होंने बताया कि उन्हें विगत वर्ष वहां जाने का अवसर मिला, जो अत्यंत प्रेरणादायक अनुभव रहा।

इस अवसर पर रांची की मेयर रोशनी खलखो ने कहा कि सरदार पटेल केवल देश के पहले गृह मंत्री ही नहीं थे, बल्कि उन्होंने देश की प्रशासनिक और संरचनात्मक नींव तैयार की। उन्होंने बच्चों से अपील की कि वे उनके जीवन से प्रेरणा लेकर खुद को उसी दिशा में विकसित करें।

वहीं विधायक सीपी सिंह ने कहा कि सरदार पटेल के कार्यों के बारे में देश के हर नागरिक को जानकारी होनी चाहिए और उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाना जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें भारत रत्न मिला, लेकिन वे उससे भी बड़ी उपाधि के हकदार हैं।

कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद आदित्य साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का निर्माण कर सरदार पटेल को वह सम्मान दिया गया, जो पहले नहीं मिला। उन्होंने कहा कि "एक भारत-श्रेष्ठ भारत" के सपने को साकार करने की दिशा में देश आगे बढ़ रहा है। साथ ही उन्होंने युवाओं को देश का भविष्य बताते हुए सरदार पटेल के सपनों को साकार करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

एक नजर

मां रक्षा काली की पूजा 16 अप्रैल को

रांची : रांची के मेसरा बस्ती में इस वर्ष भी 16 अप्रैल को मां रक्षा काली पूजा धूमधाम से मनाई जाएगी। शेखर परिवार की कुलदेवी के रूप में शुरू हुई यह परंपरा पिछले 163 वर्षों से निरंतर जारी है। शनिवार को मिली जानकारी के अनुसार पूजा का शुभारंभ रात 12 बजे विधि-विधान के साथ होगा, जबकि 17 अप्रैल को शाम 7 बजे प्रतिमा विसर्जन किया जाएगा। इस पूजा की ख्याति इतनी है कि अन्य राज्यों से भी श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। अध्यक्ष भगवान शेखर और रघुनंदन शेखर सहित पूरा परिवार इस आयोजन को सफल बनाने में जुटा है। साधकों के अनुसार, पूर्वजों की ओर से शुरू की गई इस आध्यात्मिक विरासत को आने वाली पीढ़ियां भी पूरी निष्ठा के साथ निभा रही हैं।

मारवाड़ी युवा मंच समर्पण शाखा की नई कार्यकारिणी गठित

रांची : मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा की सत्र 2026-27 के लिए नई कार्यकारिणी का गठन शनिवार को किया गया। इसकी जानकारी शाखा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी गई। नई कार्यकारिणी में शुभा अग्रवाल को अध्यक्ष निर्वाचित किया गया है। उनके नेतृत्व में संगठन को नई ऊर्जा मिलने की उम्मीद जताई गई है। पूर्व पदाधिकारियों और सदस्यों ने विश्वास व्यक्त किया कि उनके मार्गदर्शन में संस्था के कार्यों को नई दिशा मिलेगी और सेवा गतिविधियों में विस्तार होगा। कार्यकारिणी में रेखा रायका को सचिव, वेदिका सिंघानिया को मीडिया प्रभारी तथा स्मिता अग्रवाल को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस टीम का गठन अनुभवी सदस्यों के मार्गदर्शन और युवा ऊर्जा के संतुलन को ध्यान में रखते हुए किया गया है। नई कार्यकारिणी के गठन पर विप्र फेडरेशन एवं मंच परिवार के सदस्यों ने प्रसन्नता व्यक्त की और विश्वास जताया कि यह टीम समाजहित में नए कीर्तिमान स्थापित करेगी। शाखा की ओर से बताया गया कि समर्पण शाखा पिछले 19 वर्षों से शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाते हुए अपनी अलग पहचान बना चुकी है। नई कार्यकारिणी के गठन के साथ संस्था ने सेवा कार्यों को और व्यापक स्तर पर ले जाने का संकल्प लिया है।

हड़गड़ी जमीन पर जगुआर कैंप विस्तार का ग्रामीणों ने किया विरोध

रांची : राजधानी के कांके प्रखंड के मौजा-टेंडर स्थित हड़गड़ी जमीन पर प्रस्तावित झारखंड जगुआर (एसटीएफ) कैंप विस्तार को लेकर स्थानीय ग्रामीणों ने शनिवार को उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री से मुलाकात कर आपत्ती दर्ज कराई। ग्रामीणों ने इस संबंध में प्रशासन से वैकल्पिक व्यवस्था करने की मांग की। उपायुक्त से मुलाकात के दौरान ग्रामीणों ने बताया कि संबंधित भूमि आदिवासी समाज की आस्था और परंपराओं से जुड़ी हड़गड़ी स्थल है, जहां वर्षों से पूजा-अर्चना और सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित होती रही हैं। उन्होंने कहा कि इस स्थल का सामाजिक और धार्मिक महत्व है, इसलिए यहां किसी प्रकार का निर्माण कार्य समाज की भावनाओं को आहत कर सकता है। ग्रामीणों ने उपायुक्त से आग्रह किया कि कैंप विस्तार के लिए किसी अन्य उपयुक्त स्थान का चयन किया जाए। वहीं मौके पर ग्रामीणों ने सरहुल पर्व के सफल, शांतिपूर्ण और व्यवस्थित आयोजन के लिए जिला प्रशासन की सराहना करते हुए उपायुक्त का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर ग्रामीणों ने उपायुक्त को शॉल ओढ़ाकर और गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित भी किया। उपायुक्त से मुलाकात करनेवाले प्रतिनिधिमंडल में केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की, वार्ड पार्षद अमित मिंज सहित कई ग्रामीण शामिल थे।

लोहरदगा में होगा राष्ट्रीय स्तर के सभी सुंडी-शौंडिक संगठनों का जुटान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : अखिल भारतीय सुंडी शौंडिक वैश्य महासंघ के राष्ट्रीय संयोजक शिवरतन प्रसाद गुप्ता एवं राष्ट्रीय संयोजक मंडली सदस्य बीरेंद्र साहु ने बताया कि अखिल भारतीय शौंडिक संघ के संस्थापक रायसहब स्व बलदेव प्रसाद साहु द्वारा दिनांक 24 दिसंबर 1945, को अखिल भारतीय शौंडिक संघ का स्थापना किया गया और इस संगठन के रायसहब स्व बलदेव प्रसाद साहु जी प्रथम संस्थापक सभापति बने। संस्थापक सभापति के याद करते हुए झारखंड की धरती लोहरदगा में उनके जन्मभूमि को सुंडी शौंडिक समाज ने राष्ट्रीय स्तर पर आगाज करते हुए लोहरदगा में उनके पैतृक आवास बलदेव साहु भवन में उनके आदमकद प्रतिमा को साक्षी मान उन्हें माल्यार्पण कर दिनांक 19 अप्रैल दिन रविवार को पूर्वाह्न 11 बजे सुंडी/ शौंडिक वैश्य समाज उनके द्वारा बताए गए संदेश एवं उनके पदचिन्ह पर अमल कर चलते हुए पूरे राष्ट्रीय स्तर पर एक छतरी, एक संगठन, एक पहचान, एक प्रतीक, कर एक मंच में लाने की तैयारी के साथ संपर्क स्थापित कर जनजागरण अभियान की शुरूआत अखिल भारतीय स्तर पर किया जा रहा है।19 अप्रैल को कमों बेस सभी राज्यों के सक्रीय प्रतिनिधियों के उपस्थिति लोहरदगा में होने जा रही है। साथ ही उम्मीद है नेपाल देश के साथ झारखंड प्रदेश के सभी सुंडी शौंडिक नामी संगठनों के प्रमुखों की बैठक में बुलाई जा रही है।

आयुष्मान में 60 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों को शामिल करने की याचिका हाई कोर्ट में खारिज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : हाई कोर्ट ने बुजुर्गों से जुड़ी एक अहम जनहित याचिका पर फैसला सुनाते हुए स्पष्ट कर दिया है कि आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना में उम्र सीमा तय करना सरकार का नीतिगत अधिकार है। अदालत ने 60 वर्ष से अधिक उम्र के सभी बुजुर्गों को योजना का लाभ देने की मांग को स्वीकार नहीं किया। मुख्य न्यायाधीश ट. र. सोनक और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने कहा कि 70 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य कवर देने का निर्णय सरकार की नीति का हिस्सा है।

अदालत ने यह भी कहा कि याचिका में योजना के लागू होने में किसी प्रकार के भेदभाव का आरोप नहीं लगाया गया है, इसलिए हस्तक्षेप का कोई आधार नहीं बनता।

याचिका में मांग की गई थी कि 60 वर्ष से ऊपर के सभी वरिष्ठ नागरिकों को प्रति परिवार 5 लाख रुपये तक का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा मिले, क्योंकि इसी आयु में स्वास्थ्य संबंधी जरूरतें बढ़ जाती हैं। याचिकाकर्ता की ओर से यह भी कहा गया कि 60 से 70 वर्ष के बीच के लोग योजना से बाहर रहकर वंचित हो रहे हैं। हालांकि, अदालत ने याचिकाकर्ता को यह छूट दी है कि वे अपने तर्कों के समर्थन में आंकड़ों के साथ सरकार के समक्ष ज्ञापन दे सकते हैं।

ईसाई समुदाय ने की पूर्वजों के कब्रों की सफाई, आज करेंगे फूल अर्पित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रविवार को ईसाई समुदाय द्वारा ईस्टर पर्व हर्षोल्लास से मनाया जाएगा। शनिवार को जीईएल चर्च और सीएन आई चर्च के कब्रिस्तानों को रंग रंगोन से सजाए गए हैं। मान्यता है कि प्रभु यीशु मसीह क्रूस पर चढ़ाए जाने के तीसरे दिन पुनर्जीवित हुए थे। इसी पुनरुत्थान की याद में कब्रों में साफ सफाई की तैयारी शुरू हो गई है। ईस्टर से पूर्व शनिवार को बड़ी संख्या में ईसाई समुदाय के लोग कब्रिस्तानों में एकत्र हुए। यहां उन्होंने अपने पूर्वजों के कब्रों की साफ-सफाई की, उन्हें सफेद रंग से सजाया है। 5 अप्रैल को फूल अर्पित की जाएगी। विनती प्रार्थना होगी। परिवार के दिवंगत सदस्यों को याद किया जाएगा। उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की जाएगी।

ईसाई समुदाय के लोगों ने बताया कि शनिवार रात से ही चर्चों में विशेष आराधना शुरू होगी, जिसमें बड़ी संख्या में विश्वासी शामिल होंगे। रविवार सुबह 3 बजे से ही ईस्टर का त्योहार मनाया जाएगा। विश्वासी अंजली होरो ने बताया कि कब्र में दो चाचा को दफनाए गए हैं। आज उनकी स्मृति में रंग रोगन कर रहे हैं। जिस प्रकार यीशु मसीह मृतकों में से जी उठे, उसी प्रकार एक दिन सभी मृतकों का पुनरुत्थान होगा। बाइबल के अनुसार, उनके पुनः आगमन पर मृत आत्माओं को पुनर्जीवन मिलेगा और उन्हें स्वर्ग में स्थान प्राप्त होगा।

लोगों ने बताया कि पूर्वजों की स्मृति को जीवित रखना हमारी जिम्मेदारी है। हर पीढ़ी को अपनी जड़ों से जुड़े रहना चाहिए। अपने पूर्वजों के प्रति सम्मान और आस्था बनाए रखें, क्योंकि एक दिन हर व्यक्ति इसी परंपरा का हिस्सा बनेंगे।

एचईसी में वेतन भुगतान में देरी पर उठी आवाज यूनियन ने समय पर भुगतान की मांग दोहराई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : एटक के उपाध्यक्ष लालदेव सिंह ने एक बार फिर एचईसी में मजदूरों के वेतन भुगतान में हो रही देरी का मुद्दा उठाया है। शनिवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में उन्होंने कहा कि एचईसी में उत्पादन की स्थिति बेहतर है, लेकिन उत्पादन की गति बनाए रखने के लिए कर्मचारियों को समय पर वेतन मिलना बेहद जरूरी है। उन्होंने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष में स्थायी और ठेका मजदूरों ने अच्छा प्रदर्शन किया है, जिससे कलेक्शन में भी वृद्धि हुई है।

उन्होंने कहा कि प्रबंधन की ओर से दो माह का वेतन भुगतान करने का आश्वासन दिया जा रहा है, लेकिन इसके बावजूद वेतन भुगतान में लगातार देरी हो रही है। इससे कर्मचारियों में निराशा बढ़ रही है और इसका सीधा असर उत्पादन पर पड़ सकता है।

लालदेव सिंह ने कहा कि नए श्रम कानून के तहत हर माह की 7 तारीख तक वेतन भुगतान का प्रावधान है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने 1 अप्रैल 2026 से इस नियम को लागू कर दिया है, लेकिन एचईसी में अभी तक इसका पालन नहीं हो रहा है। यूनियन ने प्रबंधन से मांग की है कि कर्मचारियों को समय पर वेतन भुगतान सुनिश्चित किया जाए, ताकि उत्पादन प्रभावित न हो और कर्मचारियों का मनोबल बना रहे।

रांची में एलपीजी गैस की होम डिलीवरी अनिवार्य कालाबाजारी करने वालों पर होगी एफआइआर : डीसी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने शनिवार को समाहरणालय ब्लॉक-ए स्थित कार्यालय कक्ष में शनिवार को जिले में एलपीजी गैस की उपलब्धता, होम डिलीवरी सुनिश्चित करने और कालाबाजारी रोकने को लेकर गैस तेल कंपनियों के उच्च अधिकारियों व प्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी कुमार रजत और जिला आपूर्ति पदाधिकारी रामगोपाल पांडेय उपस्थित थे।

बैठक में उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने वर्तमान वस्तुस्थिति की समीक्षा करते हुए गैस कंपनियों के प्रतिनिधियों को कड़े निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि एलपीजी गैस सिलेंडर की डिलीवरी हर हालत में उपभोक्ताओं के घर पर ही सुनिश्चित की जाए। किसी भी उपभोक्ता को गैस गोदाम या डिपो से सिलेंडर उठाने के लिए नहीं भेजा जाए। उन्होंने होम डिलीवरी को अनिवार्य रूप से लागू करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि यदि किसी उपभोक्ता को तत्काल गैस की आवश्यकता हो तो वह गैस एजेंसी में 05 किलोग्राम का छोटा सिलेंडर ले सकता है। इसके अलावा सामान्य 14.2 किग्रा सिलेंडर की डिलीवरी केवल घर पर ही होगी। उपायुक्त ने साफ चेतावनी दी कि यदि कोई भी व्यक्ति, गैस एजेंसी संचालक या कर्मचारी गैस सिलेंडर की कालाबाजारी, ब्लैक मार्केटिंग या अनुचित मूल्य पर बिक्री करते पाए गए तो उनके विरुद्ध तत्काल प्राथमिकी दर्ज की जाएगी और कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जिले के वरिष्ठ पदाधिकारी इस मामले की लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

गैस गोदामों में अनावश्यक भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कुछ स्थानों पर पुलिस बल एवं मजिस्ट्रेट की तैनाती की जाएगी। गैस एजेंसियों को सख्त निर्देश दिया गया है कि किसी भी परिस्थिति में गोदाम से सीधे सिलेंडर का वितरण न किया जाए। बैठक में यह भी चर्चा हुई कि आने वाले समय में गैस की आपूर्ति प्रभावित होने की संभावना है। उपायुक्त ने उपभोक्ताओं से अपील किया कि वे पैनिक बुकिंग न करें। केवल अपनी तय बुकिंग सीमा के अनुसार ही बुकिंग करें, ताकि व्यवस्था बनी रहे और सभी उपभोक्ताओं को नियमित रूप से गैस सिलेंडर उपलब्ध हो सके। उपायुक्त ने सभी जिले वासियों से अपील किया कि गैस सिलेंडर के लिए लाइन में नहीं लगाना है।

सभी ग्राहकों को उनके घर पर ही होम डिलीवरी की जाएगी। केवल अति-आवश्यक स्थिति में ही पांच किलोग्राम का छोटा सिलेंडर गैस एजेंसी से लिया जा सकता है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया कि उपभोक्ताओं की सुविधा और गैस वितरण व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे।

संक्षिप्त खबरें

झारखंड में गरज-चमक के साथ बारिश कई जिलों में ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी

रांची : झारखंड की राजधानी रांची सहित राज्य के विभिन्न जिलों में पिछले 24 घंटों के दौरान गर्जन के साथ बारिश दर्ज की गई, जिससे लोगों को भीषण गर्मी से कुछ राहत मिली। राज्य में सबसे अधिक 11 मिलीमीटर बारिश रामगढ़ जिले के मांडू में रिकॉर्ड की गई। मौसम विभाग के अनुसार, रांची में 10.3 मिमी, पंचेत में 9.8 मिमी, कोलेबिरा में 8.8 मिमी, गोविंदपुर (डीवीसी) में 8.6 मिमी, पुटकी में 8 मिमी, पंचेत डीवीसी में 7.2 मिमी और बोकारो थर्मल में 4.6 मिमी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने 5, 6 और 7 अप्रैल को राज्य के विभिन्न हिस्सों में गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश और वज्रपात को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना जताई गई है। इसके अलावा, 8 अप्रैल तक गर्जन, वज्रपात और ओलावृष्टि को लेकर येलो अलर्ट भी जारी किया गया है, जिससे लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान सरायकेला में 40.3 डिग्री सेल्सियस और सबसे कम तापमान गुमला में 19.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। शनिवार को राजधानी रांची और आसपास के इलाकों में मौसम सामान्य रूप से साफ रहा, हालांकि बीच-बीच में बादल छाए रहे। शुक्रवार को हुई बारिश के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई, जिससे मौसम सुहावना बना रहा। मौसम विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे खराब मौसम के दौरान खुले स्थानों पर जाने से बचें और विशेष रूप से वज्रपात के समय सावधानी बरतें।

आरपीएफ ने रांची रेलवे स्टेशन पर शराब की 18 बोतलों के साथ आरोपी को किया गिरफ्तार

रांची : रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने रांची रेलवे स्टेशन पर विशेष अभियान चलाते हुए एक आरोपित को अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई रेलवे सुरक्षा बल द्वारा चलाए जा रहे 'ऑपरेशन सतर्क' के तहत की गई। आरपीएफ के उप निरीक्षक सूरज पांडेय ने शनिवार को बताया कि रांची के कमांडेंट पवन कुमार के निर्देश पर यह अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान आरपीएफ पोस्ट रांची और फ्लाइंग टीम द्वारा स्टेशन पर संदिग्ध वस्तुओं के खिलाफ सघन चेकिंग की जा रही थी। चेकिंग के दौरान ट्रेन संख्या 18624 (हटिया - इस्लामपुर एक्सप्रेस) के कोच ए-1, सीट संख्या 31 पर एक संदिग्ध व्यक्ति काले रंग के ट्रॉली बैग और पिट्ठू बैग के साथ देखा गया। संदेह होने पर उसे रोककर पूछताछ की गई, जिसमें उसने अपना नाम राजेंद्र सिंह और निवासी पटना (बिहार) बताया। तलाशी लेने पर उसके पास से कुल 18 बोतल शराब बरामद हुई, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 14 हजार रुपये बताई गई है। पूछताछ में आरोपित ने स्वीकार किया कि उसने यह शराब रांची के रातू क्षेत्र से खरीदी थी और ट्रेन से बिहार ले जाकर अधिक कीमत पर बेचने की योजना बनाई थी। आरपीएफ ने आरोपित को तत्काल हिरासत में लेकर जब्ती की कार्रवाई की और बाद में उसे तथा बरामद सामान को आगे की कार्रवाई के लिए आबकारी विभाग को सौंप दिया।

पतरातू में फिर फायरिंग, बाइक सवार बदमाशों ने ओसम दूध फैक्ट्री गेट पर गोली मारी

रांची : पतरातू थाना क्षेत्र में एक बार फिर फायरिंग की घटना ने लोगों में दहशत पैदा कर दी है। शनिवार सुबह ओसम दूध फैक्ट्री गेट के पास बाइक सवार बदमाशों ने ताबड़तोड़ गोलियां चलाकर इलाके में सनसनी फैला दी। घटना के बाद आसपास के लोगों में भय का माहौल बना हुआ है। लोगों का कहना है कि एक बाइक पर सवार दो युवक हेलमेट और नकाब पहने हुए फैक्ट्री गेट के पास पहुंचे। इसके बाद उन्होंने अचानक हवा में कई राउंड फायरिंग शुरू कर दी। कुछ देर तक गोलीबारी करने के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन गोली चलने की आवाज से लोग सहम गए। गौरतलब है कि पतरातू में हाल के दिनों में इस तरह की घटनाएं बढ़ी हैं। इससे पहले 27 मार्च की शाम पतरातू रेलवे फाटक के पास भी फायरिंग की घटना हुई थी, जिसमें ओवरब्रिज निर्माण कार्य में तैनात एक सुरक्षा गार्ड को गोली लगी थी। गोली उसके कमर के नीचे लगी थी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। हालांकि इलाज के बाद उसकी जान बच गई। एक सप्ताह के भीतर हुई इन दो घटनाओं ने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं और स्थानीय लोगों में डर का माहौल बना हुआ है।

194वां श्री श्याम भंडारा का हुआ आयोजन

रांची : श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में आज 194 वा श्री श्याम भंडारा का भव्य आयोजन किया गया। श्री श्याम मित्र मंडल के निवर्तमान अध्यक्ष सुरेश सरावगी अन्नपूर्णा सरावगी अमित स्वाति रामधन श्रीधन सरावगी एवं परिवार ने संयुक्त रूप से बाबा श्री श्याम को फल तरबूज का भोग लगाया। श्री श्याम मंदिर परिसर भक्तों से भर गया एवं हरमू रोड में भक्तजनों की लंबी-लंबी कतारें लग गई। खाटूनरेश की जय जयकारों से पूरा हरमू रोड गूंज रहा था। प्रथम देव श्री गणेश जी महाराज की जय जयकारों के बीच तरबूज फल प्रसाद वितरण प्रारंभ किया गया। ज्ञातव्य है कि अमेरिका इजरायल ईरान के युद्ध के कारण पेट्रोल डीजल एवं एलपीजी गैस के वैश्विक संकट को देखते हुए हर शनिवार के भोजन भंडारे को स्थगित कर फल शरबत इत्यादि के भंडारे की व्यवस्था मंडल के द्वारा की जा रही। श्री श्याम भंडारे में मंडल के निवर्तमान अध्यक्ष सुरेश सरावगी, अध्यक्ष गोपाल मुरारका, महामंत्री गौरव अग्रवाल, उपाध्यक्ष श्रवण ढांढनिया, अशोक लड़ियां, कोषाध्यक्ष मनोज खेतान, मण्डल के वरिष्ठ सदस्य एवं पूर्व राज्यसभा सांसद अजय मारू, कल्पना मारू, कार्यकारणी सदस्य श्यामसुंदर शर्मा, अन्नपूर्णा सरावगी, अमित, स्वाति, रामधन, श्रीधन सरावगी, आशीष डालमिया, जयदीप मोदी, अनुज मोदी, मदन बगड़िया, कमलेश सावा, वेद भूषण जैन, राहुल मारू, अंकित कुमार, कृष्णा कुमार, संकेत चौधरी, मनोज खेतावत, उपेन्द्र पांडे सहित 50 से ज्यादा कार्यकर्ताओं ने सहयोग दिया।

एक नजर

राधा गोविंद विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा पर विशेष व्याख्यान

रामगढ़ : राधा गोविन्द विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के शैक्षणिक और बौद्धिक विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शुक्रवार को एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के सेमिनार हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम का विषय "ट्रांसफॉर्मिंग लेंस इन हायर एजुकेशन" रहा, जिसमें उच्च शिक्षा के बदलते आयामों और अवसरों पर विस्तार से चर्चा की गई। दीप प्रज्वलन से हुआ शुभारंभ, अतिथियों का सम्मान कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसके बाद अतिथियों को पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। स्वागत भाषण कुलपति प्रो. रश्मि ने दिया। उन्होंने सभी अतिथियों, वक्ताओं और छात्रों का स्वागत करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक साबित होते हैं। उच्च शिक्षा का उद्देश्य अवसर बनाना: डॉ राजेश पंकज कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में एफआईसीसीआई के डायरेक्टर एवं एजुकेशन-स्किल्स प्रमुख डॉ राजेश पंकज ने अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा केवल नौकरी पाने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह युवाओं को अवसरों का सृजन करना सिखाती है। अपने व्याख्यान में उन्होंने नवाचार, शोध पद्धति, करियर विकास और कौशल निर्माण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रकाश डाला। साथ ही छात्रों के साथ संवाद कर उनके सवालों के जवाब भी दिए। छात्रों के व्यक्तित्व विकास में सहायक ऐसे आयोजन कुलाधिपति बी एन साह ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के शैक्षणिक आयोजन विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास और ज्ञानवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वहीं, सचिव प्रियंका कुमारी ने कहा कि ऐसे मंच छात्रों में नई सोच, रचनात्मकता और उत्कृष्टता की भावना विकसित करते हैं। शिक्षकों और छात्रों की रही सक्रिय भागीदारी कार्यक्रम का संचालन डॉ अमरेश पांडेय ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ रंजना पांडेय द्वारा किया गया। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. निर्मल कुमार मंडल, वित्त एवं लेखा पदाधिकारी डॉ संजय कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो. अशोक कुमार, प्रबंध समिति सदस्य अजय कुमार सहित विश्वविद्यालय के कई शिक्षक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

हाथी के हमले से एक व्यक्ति घायल, होटल और मुर्गा फार्म में तोड़फोड़

कोडरमा : कोडरमा थाना क्षेत्र के पथलडीहा गांव के पास एक जंगली हाथी ने शुक्रवार की रात जमकर उत्पात मचाया। बताया जा रहा है कि झुंड से बिछड़ा एक हाथी गांव से सटे एक होटल में पहुंच गया और वहां पहले तो तोड़फोड़ की। उसके बाद वहां काम करने वाले एक कर्मी को बुरी तरह से जख्मी कर दिया। घायल कर्मी की पहचान मरकच्चो के रहने वाले 35 वर्षीय उपेंद्र साव उर्फ. छोटू कुमार के रूप में की गई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि शुक्रवार की देर रात हाथी होटल पर पहुंचा। इस वक्त उपेंद्र साव होटल में ही विश्राम कर रहा था कि अचानक हाथी ने उस पर हमला बोल दिया, जिससे वह बुरी तरह से जख्मी हो गया। किसी प्रकार उसने आसपास के लोगों को आवाज देकर इकट्ठा किया। लोग वहां पहुंचे और एंबुलेंस को घटना की सूचना दी। हालांकि एंबुलेंस समय से नहीं पहुंची, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने घायल को बाइक से ही सदर अस्पताल कोडरमा पहुंचाया।

जहां प्रारंभिक इलाज के बाद उपेंद्र की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे रिम्स रेफर कर दिया गया।

"विजय यादव के बच्चों को न्याय देना होगा" : महेश कुमार यादव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जयनगर : आम आदमी पार्टी, कोडरमा जिला के बैनर तले विजय यादव की जयनगर थाना के हाजत में हुई संदिग्ध मौत के विरोध में शुक्रवार को एक विशाल, शांतिपूर्ण एवं भावनात्मक कैंडल मार्च का आयोजन किया गया। यह कैंडल मार्च जिला अध्यक्ष महेश कुमार यादव के नेतृत्व में जयनगर थाना गेट से प्रारंभ होकर पेठियाबागी चौक तक निकाला गया। मार्च में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता, स्थानीय नागरिक, युवा साथी एवं सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए, जिन्होंने हाथों में मोमबत्तियां लेकर न्याय की मांग को बुलंद किया।

कार्यक्रम का संचालन जिला प्रवक्ता प्रवीण वर्मा ने किया। इस अवसर पर आम आदमी पार्टी के जोनल कोऑर्डिनेटर दिनेश यादव, वरीय नेता दामोदर यादव, जिला सचिव सुधीर राम सहित कई प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे। कैंडल मार्च में मृतक विजय यादव की बेटी खुशबु कुमारी, निशु कुमारी, बेटा आरिशु कुमार, पत्नी चमेली देवी, पत्नी एवं उनके तीनों मासूम बच्चों की उपस्थिति ने पूरे माहौल को अत्यंत भावुक बना दिया। उपस्थित लोगों ने पीड़ित परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए न्याय की लड़ाई में साथ देने का संकल्प लिया। कैंडल मार्च की शुरूआत के दौरान एक मार्मिक दृश्य देखने को मिला, जब जिला अध्यक्ष महेश कुमार यादव ने विजय यादव के छोटे बेटे को अपने कंधे पर बैठाकर पूरे मार्च में साथ रखा। यह दृश्य वहां मौजूद हर व्यक्ति को भावुक कर गया। इस दौरान उन्होंने कहा,

"बेटा, तुम अकेले नहीं हो। हम सब तुम्हारे परिवार हैं। तुम्हारे पिता को न्याय दिलाना हमारा कर्तव्य है और हम तब तक चैन से नहीं बैठेंगे जब तक दोषियों को सजा नहीं मिल जाती।"

मार्च के दौरान लोगों ने एकजुट होकर जोरदार नारे लगाए – "विजय यादव को न्याय दो", "विजय यादव के परिवार को 50 लाख मुआवजा दो","दोषी पुलिसकर्मियों को फांसी दो", "पीड़ित परिवार को सुरक्षा और सम्मान दो", "विजय यादव के बेटे को सरकारी नौकरी दो।"इस मौके पर वीरेंद्र यादव, रामाशंकर यादव, रंजीत मोदी, इस्लाम अंसारी टोटोविंग जिलाध्यक्ष, सीताराम राणा, टेकलाल यादव, मनोज कुमार, लक्ष्मण राणा, प्रिंस कुमार, राम कुमार , महेंद्र यादव, महेश यादव, रविंद्र यादव, दयानंद यादव, रामदेव यादव, स्त्रवण यादव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं आमजन उपस्थित रहे। पार्टी नेताओं ने अपने संबोधन में कहा कि थाना हाजत में किसी भी व्यक्ति की मृत्यु होना अत्यंत गंभीर मामला है और यह मानवाधिकारों का खुला उल्लंघन है। इस घटना ने पूरे क्षेत्र में भय और आक्रोश का माहौल पैदा कर दिया है। आम आदमी पार्टी ने प्रशासन से मांग की कि इस मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध जांच कराई जाए, दोषी पुलिसकर्मियों को तत्काल गिरफ्तार कर कड़ी से कड़ी सजा दी जाए तथा पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा प्रदान किया जाए। साथ ही, पार्टी ने यह भी मांग रखी कि मृतक के बच्चों की शिक्षा की पूरी जिम्मेदारी सरकार उठाए तथा परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए, ताकि उनके जीवन-यापन में किसी प्रकार की कठिनाई न हो। आम आदमी पार्टी के नेताओं ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि इस मामले में जल्द न्याय नहीं मिला, तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

रजरप्पा मंदिर परिसर के दुकानदारों से मिलीं विधायक ममता देवी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रजरप्पा : रजरप्पा मंदिर प्रक्षेत्र में हाल ही में जिला प्रशासन द्वारा जारी नोटिस के बाद स्थानीय दुकानदारों के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया है। इस गंभीर स्थिति को लेकर मंदिर परिसर स्थित दुकानदारों ने प्रशासनिक भवन में बैठक आयोजित कर अपनी समस्याएं विधायक ममता देवी के समक्ष रखीं।

दो सप्ताह का अल्टीमेटम, बढ़ी चिंता

दुकानदारों ने बताया कि जिला प्रशासन ने उन्हें दो सप्ताह के भीतर दुकान खाली करने का निर्देश दिया है। इस फैसले के बाद उनके सामने रोजी-रोटी का बड़ा संकट उत्पन्न हो गया है। वर्षों से मंदिर परिसर में दुकान चलाकर परिवार का भरण-पोषण करने वाले इन लोगों में भविष्य को लेकर गहरी चिंता व्याप्त है।

विधायक ने सुनी समस्याएं, अधिकारियों से की बातचीत

बैठक में विधायक ममता देवी ने दुकानदारों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। इसके बाद उन्होंने तत्काल जिला प्रशासन के अधिकारियों से बातचीत कर स्थिति से अवगत कराया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी निर्णय में मानवीय दृष्टिकोण अपनाना जरूरी है।

समन्वय से निकलेगा समाधान

विधायक ने कहा कि दुकानदारों और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर आगे की प्रक्रिया तय की जाएगी, ताकि किसी भी पक्ष के साथ अन्याय न हो।

कृषि भूमि पर अतिक्रमण और रास्ता अवरुद्ध होने से किसानों में आक्रोश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

डोमचांच : डोमचांच के महेशपुर के दर्जनों किसानों ने आवेदन देकर आरोप लगाया है कि क्रेशर प्लांट के नाम पर कुछ लोगों द्वारा रास्ता का अवैध कब्जा कर लिया गया है। किसानों का कहना है कि गुलशन सिंह, बृजेश सिंह और उमाशंकर साव सहित कुछ लोगों ने जमीन क्रेशर प्लांट पर अतिक्रमण कर लिया है,जिससे आसपास के गरीब किसानों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आवेदन में बताया गया है कि उक्त जमीन के आसपास के रास्तों को भी अवरुद्ध कर दिया गया है, जिससे खेतों तक पहुंचने में किसानों को दिक्कत हो रही है। किसानों का आरोप है कि जब भी वे अपने खेतों में जाने की कोशिश करते हैं, तो उन्हें रोक दिया जाता है और विवाद की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि वर्तमान समय में खेती का मौसम चल रहा है और ऐसे में रास्ता बंद होने से बोआई व अन्य कृषि कार्य प्रभावित हो रहे हैं। इससे न केवल उनकी फसल प्रभावित हो रही है,बल्कि आर्थिक नुकसान का भी खतरा बना हुआ है। आलू का कोढ़ाई करके 15 दिन से आलू का फसल खेत में ही है,किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की जांच कर अतिक्रमण हटाया जाए तथा रास्ता खुलवाया जाए, ताकि वे अपने खेतों में आसानी से आ-जा सकें और खेती का कार्य सुचारू रूप से कर सकें। इस संबंध में स्थानीय लोगों ने अनुमंडल पदाधिकारी, पुलिस प्रशासन और अंचलाधिकारी से जल्द हस्तक्षेप कर उचित कार्रवाई करने की अपील की है।

पतरातू में बिरहोर समुदाय के 12 घरों का नवीनीकरण, जीवन में बदलाव की शुरूआत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पतरातू : पतरातू प्रखंड के दाढ़ीडीह गांव स्थित बिरहोर कॉलोनी में अब बदलाव की बयार साफ महसूस की जा सकती है। जिंदल स्टील पतरातू के सीएसआर विभाग द्वारा बिरहोर समुदाय के 12 आवासों का मरम्मत एवं सुंदरीकरण कर उन्हें नया जीवन दिया गया है। कार्य पूर्ण होने के बाद इन आवासों का उद्घाटन उप विकास आयुक्त आशीष अग्रवाल द्वारा किया गया और इन्हें समुदाय को समर्पित किया गया। नवनिर्मित स्वरूप में तैयार किए गए घरों को पाकर बिरहोर समुदाय के 12 परिवारों के चेहरों पर संतोष और खुशी साफ झलक रही थी। वर्षों से जर्जर और असुविधाजनक आवास में जीवन बिताने वाले इन परिवारों को अब सुरक्षित और बेहतर रहने का वातावरण मिला है। ग्रामीणों ने इस पहल को सराहनीय बताते हुए कहा कि इससे उनके जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव आएगा।

वंचितों के उत्थान की दिशा में मजबूत पहल

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप विकास आयुक्त आशीष अग्रवाल ने कहा कि बिरहोर जैसे विशेष रूप से वंचित समुदायों के लिए इस प्रकार की योजनाएं अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने जिंदल स्टील पतरातू और जिंदल फाउंडेशन द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका और सामाजिक विकास के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों को समाज के लिए प्रेरणादायक बताया। उन्होंने कहा कि इस तरह की पहल से समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों तक विकास की किरण पहुंचती है।

सामाजिक जिम्मेदारी निभाने में अग्रणी कंपनी

जिंदल स्टील पतरातू के प्लांट प्रमुख के. बी. सिंह ने कहा कि कंपनी केवल औद्योगिक विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को भी पूरी निष्ठा से निभा रही है। उन्होंने बताया कि सीएसआर के तहत शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत संरचना, खेल और रोजगार के क्षेत्र में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं, जिससे लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाया जा सके।

खेल के माध्यम से सशक्तिकरण

इस अवसर पर लबगा स्थित मां पंचवहनी हाई स्कूल परिसर में संचालित तीरंदाजी प्रशिक्षण केंद्र के कार्यालय का भी उद्घाटन किया गया। यहां आसपास के गांवों की लगभग 50 बच्चियां प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं, जिससे उनमें आत्मविश्वास और खेल कौशल का विकास हो रहा है।

पशु चिकित्सक का शव बरामद, जांच में जुटी पुलिस

चतरा : जिले के तपेज स्थित तुडाग गांव से शनिवार को पुलिस ने एक व्यक्ति का शव संदेहास्पद स्थिति में बरामद किया है। शव की शिनाख्त पशु चिकित्सक योगेंद्र यादव के रूप में की गई है।स्थानीय ग्रामीणों ने इस घटना को हत्या बताते हुए साजिश की आशंका जताई है। योगेंद्र यादव गांधारिया क्षेत्र निवासी हैं। शव मिलने की खबर फैलते ही गांव में भीड़ जुट गई। घटना की सूचना मिलते ही जिला परिषद सदस्य चंद्रदेव गोप, देवरिया मुखिया सहित कई जनप्रतिनिधि मौके पर पहुंचे। वहीं एसडीपीओ संदीप सुमन पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गए हैं। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है। फिलहाल मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

आईपीएल की चमक में 'सट्टा माफियाओं' का रामगढ़ में तांडव

ऑनलाइन रैकेट का खुला खेल, कुछ लोगों के इशारे पर करोड़ों का दांव, प्रशासन की चुप्पी पर उठ रहे तीखे सवाल

अमन कुमार मिश्रा

रामगढ़ : इंडियन प्रीमियर लीग का रोमांच जहां क्रिकेट प्रेमियों को बांध रहा है, वहीं रामगढ़ जिले में इसकी आड़ में सट्टेबाजी का संगठित और खतरनाक खेल खुलेआम परवान चढ़ रहा है। हालात ऐसे हैं कि यह अवैध कारोबार अब एक बड़े 'डिजिटल सट्टा माफिया' के रूप में उभर चुका है, जो प्रशासन के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है।

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म बना 'सट्टा हेडक्वार्टर'

सूत्रों के मुताबिक, जिले में सट्टेबाज अब पारंपरिक तरीकों को छोड़ हाईटेक सिस्टम के जरिए नेटवर्क चला रहे हैं। जेएसएस, फेयरडील, स्प्रिंटर, जेएसआर और 44 जैसी साइटों के माध्यम से पूरे जिले में सट्टा संचालित किया जा रहा है। इन प्लेटफॉर्म्स पर हर मैच के साथ लाखों-यहां तक कि करोड़ों रुपए तक का दांव लगने की चर्चा है। डिजिटल लेन-देन ने इस खेल को और भी खतरनाक और पकड़ से बाहर बना दिया है।

पांच चेहरे, पूरा खेल-'रिमोट कंट्रोल' से चल रहा नेटवर्क

जानकारी सामने आ रही है कि इस पूरे सट्टा रैकेट की कमान महज पांच लोगों के हाथ में है। यही लोग जिलेभर में अपने एजेंट और पंटर तैनात कर चुके हैं, जो गली-मोहल्लों से लेकर ऑनलाइन ग्रुप्स तक लोगों को जोड़ रहे हैं। इन 'मास्टरमाइंड' के इशारे पर ही दांव तय होते हैं और पैसों का पूरा खेल संचालित होता है।

युवाओं को बना रहे 'शिकार', भविष्य दांव पर

सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि इस नेटवर्क का सबसे आसान निशाना युवा वर्ग बन रहा है। आसान कमाई और झटपट पैसे के लालच में युवा इस जाल में फंसते जा रहे हैं, जिससे उनका भविष्य अंधकार में धकेला जा रहा है। कई परिवारों में इस कारण आर्थिक और सामाजिक तनाव बढ़ने की भी खबरें सामने आ रही हैं।

प्रशासन की साख दांव पर, कार्रवाई कब

इस पूरे मामले ने कानून-व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि पुलिस की ओर से निगरानी की बात कही जा रही है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है। सवाल यह है कि आखिर इस 'डिजिटल सट्टा साम्राज्य' पर लगाम कब लगेगी

हर बीतते दिन के साथ यह नेटवर्क और मजबूत हो रहा है। अब देखना यह है कि प्रशासन इस 'सट्टा माफिया' के खिलाफ कब निर्णायक कार्रवाई करता है, या फिर यह काला खेल यूं ही खुलेआम चलता रहेगा।

संक्षिप्त खबरें

नगर पंचायत अध्यक्ष साजिद हुसैन का स्वागत और विकास मुद्दों पर चर्चा

कोडरमा : कोडरमा बचाओ संघर्ष समिति के संयोजक धरतीपुत्र महेश भारती ने शनिवार को नगर पंचायत कोडरमा के नव निर्वाचित अध्यक्ष साजिद हुसैन उर्फ लल्लू भैया को कार्यालय में बुक्के देकर स्वागत करते हुए बहुत बहुत बधाई देते हुए चुनावी संकल्प को याद दिलाते हुए कोडरमा नगर पंचायत को स्वस्छ ,सुंदर निर्माण के साथ भारी भरकम होल्डिंग टैक्स, अव्यवहारिक ट्रेड लाइसेंस एवं नियम विरुद्ध ऐश पाउंड धुलाई पर रोक लगाने आदि अन्य मुद्दों को लेकर चर्चा हुई जिस पर अध्यक्ष साजिद हुसैन ने कहा कि कोडरमा नगर पंचायत को स्वस्छ ,सुंदर बनाने हमारा संकल्प है और इसके साथ ही आप सभी के जन सहयोग से रोड मैप तैयार करते संपूर्ण कोडरमा का विकास होगा। वही उन्होंने कहा कि 9 अप्रैल को बोर्ड की बैठक होगी जिसमें भारी भरकम होल्डिंग टैक्स, अव्यवहारिक ट्रेड लाइसेंस एवं नियम विरुद्ध ऐश पाउंड की ढुलाई के ऊपर चर्चा करेंगे और नियम संगत करवाई करते हुए जायदा से जायदा जन सुविधा मुहैया कराई जाएगी। वही श्री भारती ने कहा कि हमें पूर्ण उम्मीद है कि नप अध्यक्ष पर पूरी निष्ठा है कि जन हित में अच्छे से अच्छे कार्य होंगे। अगर इसपर खरा नहीं उतरे तो पूर्ण रूप से कोडरमा नगर पंचायत के संपूर्ण विकास को लेकर विपक्ष की भूमिका में पूरे नगर पंचायत बोर्ड को घेरने का काम करेंगे।

बाल तस्करी जगन्य अपराध, हम सभी को मिलकर रोकने की जरूरत

कोडरमा : परियोजना बालिका उच्च विद्यालय कोडरमा में शनिवार को विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख अतिथि के रूप में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव गौतम कुमार उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को जागरूक करने के साथ-साथ अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुंचना है। वही डिफेंस काउंसिल के अधिवक्ता नवल किशोर ने आईटी एक्ट एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी। वही डिफेंस काउंसिल के अधिवक्ता राजेंद्र मंडल ने , आईटी एक्ट व बाल मजदूरी पर विस्तृत रूप से जानकारी दिया। स्कूल के प्रिंसिपल ने भी बच्चों को कई कानूनी पहलुओं के बारे में बताते हुए कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी। वही अधिवक्ता अरुण कुमार ओझा ने कहा कि बाल तस्करी एक जघन्य अपराध है। इसके लिए कानून में दंड का प्रावधान है। वहीं उन्होंने बताया कि बाल विवाह एक सामाजिक समस्या है जिसे हम सभी को मिलकर दूर करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि बाल विवाह करना या कराना या उसमें शामिल होना कानूनन दंडनीय अपराध है, इसकी रोकथाम करना हम सब की नैतिक जिम्मेवारी है। इसके दोषियों को दो साल तक कि सजा एवं एक लाख रुपये तक का जुमार्ना है। इसकी रोकथाम के लिए ग्राम पंचायत, शिक्षक, आंगनवाड़ी सेविकाएं, बाल संरक्षण समिति सहित बाल विवाह निषेध पदाधिकारी की जवाबदेही सुनिश्चित की गयी है। उन्होंने कहा कि बाल विवाह की सूचना ग्राम पंचायत, पुलिस प्रशासन, बाल विवाह निषेध पदाधिकारी को कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा, रमाकांत मिश्रा सर के नेतृत्व में चलाया जा रहा है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों को जागरूक करने के साथ संस्कारीत करना है। उन्होंने कहा की बाल मजदूरी, शिक्षा का अधिकार, कन्या भ्रूण हत्या पर भी जानकारी दी। धन्यवाद ज्ञापन स्कूल के प्रिंसिपल ने किया।

रामगढ़ में सजेगा शब्दों का महाकुंभ, विराट कवि सम्मेलन से गूंजेगा शहर

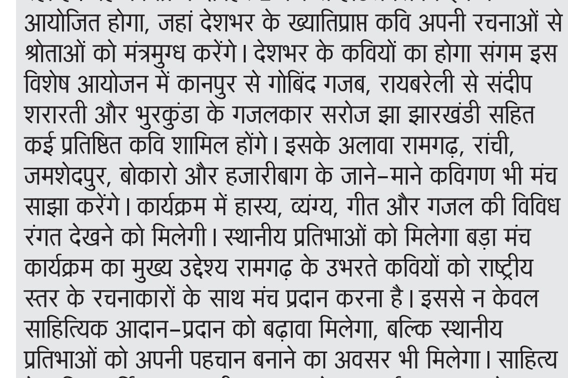

रामगढ़ : साहित्य, कला और संस्कृति को नई ऊर्जा देने के उद्देश्य से कर्णधार सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था द्वारा 5 अप्रैल 2026 को रामगढ़ में भव्य विराट कवि सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम दोपहर 2 बजे से होटल शिवम इन में आयोजित होगा, जहां देशभर के ख्यातिप्राप्त कवि अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करेंगे। देशभर के कवियों का होगा संगम इस विशेष आयोजन में कानपुर से गोबिंद गजब, रायबरेली से संदीप शरारती और भुरकुंडा के गजलकार सरोज झा झारखंडी सहित कई प्रतिष्ठित कवि शामिल होंगे। इसके अलावा रामगढ़, रांची, जमशेदपुर, बोकारो और हजारीबाग के जाने-माने कविगण भी मंच साझा करेंगे। कार्यक्रम में हास्य, व्यंग्य, गीत और गजल की विविध रंगत देखने को मिलेगी। स्थानीय प्रतिभाओं को मिलेगा बड़ा मंच कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य रामगढ़ के उभरते कवियों को राष्ट्रीय स्तर के रचनाकारों के साथ मंच प्रदान करना है। इससे न केवल साहित्यिक आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि स्थानीय प्रतिभाओं को अपनी पहचान बनाने का अवसर भी मिलेगा। साहित्य के प्रति समर्पित संस्था की पहल आयोजन कर्णधार संस्था के संस्थापक विक्रांत गुप्ता के नेतृत्व में किया जा रहा है, जबकि अध्यक्ष जयदीप सोनी के मार्गदर्शन में कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया गया है। कार्यक्रम के संयोजक वरिष्ठ कवि एवं गीतकार राकेश श्रीवास्तव 'नाजुक' हैं, जिनकी भूमिका इस आयोजन को सफल बनाने में अहम मानी जा रही है। 2015 से कला-संस्कृति को दे रहा मंच संस्था लंबे समय से क्षेत्र में साहित्य और संस्कृति के संरक्षण के लिए कार्य कर रही है। वर्ष 2015 से लगातार यह मंच कलाकारों और कवियों को अवसर प्रदान करता आ रहा है, जिससे नई प्रतिभाओं को निखरने का मौका मिलता है। साहित्यिक माहौल को मिलेगा नया आयाम संस्था का मानना है कि इस तरह के आयोजनों से न केवल साहित्यकारों को मंच मिलता है, बल्कि समाज में रचनात्मक सोच और सांस्कृतिक चेतना को भी बढ़ावा मिलता है। यह कवि सम्मेलन रामगढ़ के साहित्यिक वातावरण को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

एक नजर

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक का शव बरामद

बोकारो : गोमिया मे कल शाम घर से निकले रामू तुरी का शव आज संदिग्ध परिस्थितियों में ललपनिया रेलवे पुल के नीचे से बहने वाली नहर से बरामद हुआ। घटनास्थल की परिस्थितियां पूरी तरह संदिग्ध है क्योंकि शव को जब नहर से निकला गया तो उसका एक हाथ कटा हुआ पाया गया जो अभी तक बरामद नहीं हो सका है वहीं उसका पहना हुआ शर्ट भी गायब है। वहीं नहर के ऊपर से गुजरी रेलवे ट्रैक व पत्थरों में कई स्थानों पर खून के बड़े-बड़े धब्बे पाए गए हैं। पिता कोलेश्वर तुरी का कहना है कि कल शाम को ही वह रांची से कोदवाटांड अपने घर लौटा था और लौटने के एक घंटे बाद वह घर से घूमने के लिए ललपनिया की ओर गया फिर वापस घर नहीं लौटा। इस दौरान काफी खोजबीन की और आज शव के रूप में उसे नहर से बरामद किया गया है। साफ तौर पर देखा जा सकता है मेरे 21 वर्षीय बेटे की हत्या हुई है। घटना ललपनिया थाना क्षेत्र की है।

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को उम्रकैद की सजा

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम जिले के जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र में नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म के गंभीर मामले में अदालत ने आरोपित सुरेश सिंकु को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास (मृत्यु तक) की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने उस पर 25 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। यह मामला 08 सितंबर 2023 को दर्ज किया गया था। कंसलापोस (रुगुड़साई) निवासी सुरेश सिंकु पर आरोप था कि उसने एक नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म किया। घटना सामने आने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। जांच के दौरान पुलिस ने वैज्ञानिक और तकनीकी साक्ष्यों को एकत्र कर मजबूत केस तैयार किया। सभी आवश्यक प्रमाणों और गवाहों के आधार पर अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया गया। सुनवाई के दौरान अभियोजन और बचाव पक्ष की दलीलों को ध्यानपूर्वक सुनने के बाद अदालत ने आरोपित को दोषी करार दिया।

हथौड़े से वार कर हत्या करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

पश्चिमी सिंहभूम : जिले के टोन्टो थाना क्षेत्र अंतर्गत पदमपुर गांव में हुई हत्या की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा लिया है। शनिवार को जगन्नाथपुर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राफेल मुर्मू ने प्रेस वार्ता कर पूरे मामले का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि यह हत्या किसी साजिश का नहीं बल्कि आपसी विवाद का परिणाम थी। घटना 02 अप्रैल 2026 की है, जब पदमपुर टोला कटियाबासा निवासी दामु सिंकु (56) पर लोहे के हथौड़े से हमला किया गया था। गंभीर रूप से घायल दामु सिंकु को इलाज के लिए ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मृतक की पत्नी अनिता सिंकु के बयान पर टोन्टो थाना में मामला दर्ज किया गया, जिसमें परगना सिंकु, कुशनु सिंकु, डोबरो सिंकु और पेलोंग सिंकु को आरोपित बनाया गया था। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एसडीपीओ राफेल मुर्मू के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित कर त्वरित कार्रवाई शुरू की गई।

सुभाष बानरा हत्याकांड में शामिल दो आरोपी गिरफ्तार

पश्चिमी सिंहभूम : जिला स्थित मुफ्फसिल थाना क्षेत्र में हुए सुभाष बानरा हत्याकांड का पुलिस ने शनिवार को खुलासा कर दिया है। जांच में सामने आया है कि यह हत्या किसी बाहरी गिरोह ने नहीं, बल्कि मृतक के करीबी दोस्त ने पैसों के विवाद को लेकर साजिश रचकर करवाई थी। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है, जबकि अन्य की तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार 28 मार्च को आचू पावर ग्रिड के पास सड़क किनारे सुभाष बानरा (25) का शव बरामद हुआ था।

उपायुक्त ने ग्रामीणों के बीच रोजगार के अवसरों तथा सरकारी योजनाओं के लाभ पर की चर्चा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चास : प्रखंड के चाकुलिया पंचायत के निरीक्षण के क्रम में एक सहज और मानवीय तस्वीर उस समय देखने को मिली, जब बोकारो डीसी अजय नाथ झा ने औपचारिकता से अलग हटकर गांव के चबूतरे पर बैठकर पानी पिया और ग्रामीणों के साथ आत्मीय संवाद किया।

तेज धूप और निरीक्षण की व्यस्तता के बीच जब वे चितामी गांव के भंडारडीह टोला पहुंचे, तो एक चबूतरे पर रुके, तो स्थानीय ग्रामीणों ने उन्हें पानी पीने का आग्रह किया। उपायुक्त ने बिना किसी संकोच के आम ग्रामीण की तरह चबूतरे पर बैठकर पानी ग्रहण किया। इस दौरान वहां मौजूद लोग पहले तो आश्चर्यचकित हुए, फिर सहज होकर उनसे बातचीत करने लगे।

चबूतरे पर बैठकर पानी पिया, ग्रामीणों संग घुल-मिल गए उपायुक्त

ग्रामीणों से बातचीत के दौरान उपायुक्त ने उनकी दैनिक जीवन से जुड़ी समस्याओं, खेती-किसानी की स्थिति, रोजगार के अवसरों तथा सरकारी योजनाओं के लाभ को लेकर खुलकर चर्चा की। उन्होंने ग्रामीणों से सीधे पूछा कि योजनाओं का लाभ सही तरीके से मिल रहा है या नहीं, और कहीं कोई दिक्कत तो नहीं हो रही। इस आत्मीय संवाद ने प्रशासन और आमजन के बीच की दूरी को कम करने का काम किया। ग्रामीणों ने भी बिना झिझक अपनी बातें रखीं और कई स्थानीय समस्याओं की ओर उपायुक्त का ध्यान आकृष्ट कराया।

गांव की बेटियों ने किया स्वागत

इसी क्रम में स्नातक की छात्रा नेहा एवं इंटर की छात्रा नीतिका ने उपायुक्त अजय नाथ झा को फूलों का गुच्छा भेंट कर स्वागत किया। उन्होंने दोनों बेटियों को मन लगाकर पढ़ाई करने की सलाह दी तथा उनके अभिभावकों से बेटियों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देने और उन्हें आगे बढ़ाने का आग्रह किया।

उपायुक्त का यह सरल और मानवीय व्यवहार न केवल ग्रामीणों के बीच चर्चा का विषय बना, बल्कि यह संदेश भी गया कि प्रशासन केवल दफ्तरों तक सीमित नहीं है, बल्कि जमीन पर उतरकर लोगों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं को समझने के लिए प्रतिबद्ध है।

पीएम श्री बालिका विद्यालय सरिया पहुंचे उपायुक्त, पंजियों का किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गिरिडीह : उपायुक्त रामनिवास यादव शनिवार को सरिया स्थित पीएम श्री बालिका आवासीय विद्यालय सरिया पहुंचे। जहां उन्होंने विद्यालय में नामांकित छात्राओं के नामांकन पंजी का अवलोकन किया ।वहीं छात्राओं के हॉस्टल का निरीक्षण किया। पश्चात भोजन कक्षा जाकर वहां की व्यवस्था से संबंधित भी जानकारी ली। इस संबंध में विद्यालय की वार्डन निक्की मिश्रा ने बताई कि वर्तमान में इस विद्यालय में 339 छात्राएं अध्यनरत हैं ।इन्होंने बताई कि विद्यालय की चारदीवारी छोटी है वहीं छात्राओं के नामांकन के अनुसार छात्रावास भी कम पड़ रहे हैं। वर्तमान में जो छात्रावास है उसमें 200 छात्राओं की रहने की क्षमता है ।उक्त दो समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित

विभागीय अधिकारियों से मांग किया गया था ।जिसका अवलोकन उपायुक्त महोदय ने किया। वार्डन ने बताई कि उपायुक्त महोदय ने विद्यालय के बाउंड्री वाल को पूजा करने तथा छात्राओं के अनुकूल छात्रावास की व्यवस्था करने की बात कही है ।मौके पर जिला शिक्षा अधीक्षक मुकुल राज,बगोदर विधायक नागेंद्र महतो,अंचल पुलिस निरीक्षक अजय कुमार सहित अन्य लोग शामिल थे ।उसके पश्चात उपायुक्त रामनिवास यादव बड़की सरैया नगर पंचायत कार्यालय पहुंचे। जहां नगर अध्यक्ष शोभा देवी तथा उपाध्यक्ष सुशील मंडल से मिले ।उपाध्यक्ष का कार्यालय प्रथम तल्ला में स्थापित है। जिस पर उपाध्यक्ष श्री मंडल ने आपत्ति दर्ज करते हुए कार्यालय कक्ष को ग्राउंड फ्लोर में स्थापित करने की मांग की ।इस पर उपायुक्त ने कार्यपालक पदाधिकारी अजीत कुमार से बातचीत कर उपाध्यक्ष कार्यालय को निकले ताले में व्यवस्था दिलाने से संबंधित बात कही। इस मौके पर नगर पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, वार्ड सदस्यों में सुषमा देवी,मिलन यादव,मंजू देवी,सोनी देवी, संगीता कुमारी, समाजसेवी फागु पंडित, तारकेश्वर मोदी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

उपायुक्त ने 13 कनीय अभियंताओं को सौंपा नियुक्ति पत्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : ग्रामीण विकास योजनाओं को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में पूर्वी सिंहभूम प्रशासन ने महत्वपूर्ण पहल की है। जिला उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने शनिवार को महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत चयनित 13 कनीय अभियंताओं को नियुक्ति पत्र सौंपा।

नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वालों में अनुपम साहू, रजेश रंजन, प्रवीण कुमार महतो, आशीष कुमार सिंह, पूजा महाकुड़, शुभम महतो, अमित रितेश कुजूर, राहुल कुजूर, आनंद रोहित कुजूर, जोगेश्वर माण्डी, अखिलेख डहुरिया, मनीष कुमार और अभिजीत बेरा शामिल हैं।

समाहरणालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त ने कहा कि मनरेगा केवल ग्रामीणों

को रोजगार उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह गांवों में आधारभूत संरचना के निर्माण और स्थायी परिसंपत्तियों के सृजन का भी अहम माध्यम है। उन्होंने कहा कि कनीय अभियंताओं की भूमिका योजनाओं की तकनीकी गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने में बेहद महत्वपूर्ण है।

उन्होंने सभी नव नियुक्त अभियंताओं को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने कार्यक्षेत्र में नियमित भ्रमण करें, योजनाओं का स्थल निरीक्षण करें और निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें।

संक्षिप्त खबरें

श्रीजनी कार्निवल 2026 में बच्चों और महिलाओं ने रचनात्मकता का बिखेरा रंग

पूर्वी सिंहभूम : शहर की सामाजिक और सांस्कृतिक संस्था बनश्री सरकार और ग्रुप के तत्वावधान में दो दिवसीय श्रीजनी कार्निवल 2026 (चित्रांकन एवं नृत्य प्रतियोगिता) का शुभारंभ शनिवार को सोनारी कागल नगर स्थित काली पूजा कमेटी हॉल में धूमधाम से हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन समाजसेवी अल्पना भट्टाचार्य ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्निवल के दौरान जमशेदपुर की 20 महिलाओं ने प्रदर्शनी लगाई, जिसमें विभिन्न प्रकार के आकर्षक कपड़े, आभूषण और स्वादिष्ट खाद्य सामग्री का प्रदर्शन किया गया, जिसने आगंतुकों का मन मोह लिया। पहले दिन आयोजित चित्रांकन प्रतियोगिता में 105 बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता के निर्णायक के रूप में राजू मुखर्जी, ब्यूटी तिवारी और तापसी राय उपस्थित थे। कार्निवल के दूसरे दिन, रविवार की सुबह 08 बजे से नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा, जिसमें निर्णायक की भूमिका में देवांजली राय चौधरी रहेंगी। प्रतियोगिता के विजेताओं को रविवार संध्या में सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर बनश्री सरकार, संदीप सिन्हा चौधुरी, शिल्पी सिंह, अभिषेक सिंह, गोबिंद मुखर्जी, शम्पा गांगुली, देबश्री नाग, सोमा सेनगुप्ता, तपती दत्ता, बुलबुल घोष, मौसमी दास, प्रिया शर्मा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

सात दिवसीय शिव कथा व पार्थिव पूजन यज्ञ का समापन

पूर्वी सिंहभूम : जमशेदपुर के टेल्को थाना क्षेत्र के लक्ष्मीनगर स्थित हनुमान मंदिर में आयोजित सात दिवसीय पार्थिव पूजन यज्ञ सह शिव कथा का शनिवार को आस्था, भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा के बीच समापन हो गया। पूरे सप्ताह मंदिर परिसर शिवमय वातावरण में डूबा रहा, जहां प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना और कथा श्रवण के लिए पहुंचे। अंतिम दिन कथा व्यास आचार्य राजकुमार मिश्रा ने भगवान शिव की महिमा का विस्तार से वर्णन करते हुए बाबा बैद्यनाथ धाम की दिव्यता का भावपूर्ण बखान किया। अपने प्रवचन में आचार्य मिश्रा ने कहा कि बाबा बैद्यनाथ केवल एक तीर्थ स्थल नहीं, बल्कि समस्त जीवों के कष्टों को हरने वाले जीवंत शिव स्वरूप हैं। उन्होंने बताया कि सच्ची श्रद्धा, विश्वास और भक्ति के साथ शिव उपासना करने से जीवन के दुखों का अंत होता है और आध्यात्मिक शांति की प्राप्ति होती है। उन्होंने पार्थिव पूजन को अत्यंत पुण्यदायी बताते हुए इसे मोक्ष प्राप्ति का मार्ग बताया। कथा के दौरान उन्होंने सनातन धर्म की परंपराओं पर प्रकाश डालते हुए शिखा धारण करने के आध्यात्मिक महत्व को भी समझाया। साथ ही पारिवारिक जीवन में प्रेम, सम्मान और विशेष रूप से नारी सम्मान की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि जहां नारी का सम्मान होता है, वहीं देवताओं का वास होता है और वही घर स्वर्ग के समान बन जाता है। सात दिनों तक चले इस धार्मिक आयोजन में प्रतिदिन भजन-कीर्तन, रुद्राभिषेक और शिव पुराण कथा का आयोजन हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। समापन के अवसर पर मंदिर परिसर हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से गूंज उठा और वातावरण पूर्णतः भक्तिमय हो गया। इस आयोजन में कई प्रमुख गणमान्य लोगों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया। इनमें पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास, जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा दास साहू सहित अन्य गणमान्य लोग शामिल रहे। युवक संघ दुर्गा पूजा समिति के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के सभी सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

झारखंड अभिभावक संघ के जिलाध्यक्ष के खिलाफ राष्ट्रपति से हस्तक्षेप का आग्रह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : झारखंड अभिभावक संघ के जिलाध्यक्ष महेंद्र राय ने निजी स्कूलों के मनमानी के खिलाफ महामहिम राष्ट्रपति महोदय को ईमेल के जरिए त्राहिमाम संदेश भेज कर हस्तक्षेप करने का आग्रह किया। उन्होंने निजी स्कूलों के हर साल बढ़ती फीस,बुक परिवर्तन ,महंगी किताब की शिकायत की।

महामहिम आप झारखंड राज्य के राज्यपाल के रूप में अपना योगदान दे चुकी हैं। आप भली भांति अवगत होगी किस प्रकार झारखंड में निजी स्कूलों की मनमानी है अभिभावकों का शोषण हर साल फीस बढ़ोतरी, महंगी किताबें,हर साल किताब की परिवर्तन जिससे अभिभावक मानसिक तनाव से जूझ रहे कोई भी सुनने वाला नहीं न सरकार न जिला प्रशासन। अभिभावक कभी कभी सोचते इस शोषण से मुक्ति के लिय सुसाइट करने के लिए। अभिभावक चाहते उनके बच्चे को अच्छी शिक्षा मिले ताकि उनका भविष्य उज्जवल हो।

झारखंड में शिक्षा अधिनियम 2019 से सभी जिलों में लागू है परंतु सभी जिलों के जिला उपायुक्त उससे लागू करने में नाकाम साबित । जिसकी वजह निजी स्कूलों की मनमानी हर साल बढ़ती जा रही। शिक्षा की मंदिर की जगह लुट का मंदिर बन चुका झारखंड का निजी विद्यालय।

झारखंड के अभिभावक सरकार से उम्मीद खत्म हो चुकी हैं।

आखिरी उम्मीद आपसे है राष्ट्रपति महोदय हम अभिभावकों को इस शोषण से मुक्ति दिलाए । आप हस्तक्षेप करने का आग्रह हम झारखंड के अभिभावक करते हैं।

सेल के स्वदेशी स्पेशल स्टील से 'आई एन एस तारागिरी' को मिली मजबूती

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : इस्पात मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र की सबसे बड़ी स्टील उत्पादक महारत्न कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने नीलगिरी-श्रेणी (प्रोजेक्ट 17अ) के चौथे स्टील्थ फ्रिगेट, आईएनएस तारागिरी (क्ठर ळ४१) को भारतीय नौसेना में शामिल किए जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस युद्धपोत को 03 अप्रैल, 2026 को नौसेना में शामिल किया गया।

इस युद्धपोत का निर्माण मझगाँव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड द्वारा किया गया है, जिसमें सेल द्वारा आपूर्ति किए गए लगभग 4,000 टन विशेष ग्रेड के स्टील प्लेटों की पूरी जरूरत का उपयोग किया गया है। इस विशेष इस्पात का उत्पादन सेल के बोकारो, भिलाई और

राउरकेला स्थित एकीकृत इस्पात संयंत्रों में किया गया है, जो कंपनी की उन्नत धातुकर्म क्षमताओं और निरंतर गुणवत्ता मानकों को प्रदर्शित करता है।

सेल भारत के रक्षा स्वदेशीकरण प्रयासों में प्रमुख रूप से अपनी भूमिका निभा रहा है और सरकार के 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' मिशन को लगातार मजबूती प्रदान कर रहा है। कंपनी ने इससे पहले भी कई महत्वपूर्ण नौसैनिक प्लेटफार्मों के लिए स्पेशल स्टील की आपूर्ति की है, जिसमें स्वदेशी विमान वाहक आईएनएस विक्रांत और प्रोजेक्ट 17अ श्रेणी के पहले तीन जहाज- आईएनएस नीलगिरी, आईएनएस हिमगिरि और आईएनएस उदयगिरि शामिल हैं।

आईएनएस तारागिरी का नौसेना में शामिल होना रक्षा विनिर्माण के क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता का एक बड़ा प्रमाण है और यह दिखाता है कि देश की समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने में घरेलू इस्पात उद्योग का कितना बड़ा योगदान है।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER ROAD CONSTRUCTION DEPARTMENT ROAD DIVISION, KHUNTI

e-Procurement Notice

E_Tender Reference No. RCD/KHUNTI/136 Date :- 02/04/2026

1.	Name of the work	Construction of H.L. Bridge over Banai River at 8th KM of Khunti – Torpa – Kolebira Road.
2.	Estimated Cost (Rs.)	Rs. 6,04,88,737.88 Rs. Six Crore Four Lakh Eighty Eight Thousand Seven Hundred thirty Seven and paise Eighty Eight Only.
3.	Bid Security (Rs.)	Rs. 6,05,000.00 Rs. Six Lakh Five Thousand Only.
4.	Cost of Document (Rs.)	Rs. 10,000.00 Rs. Ten Thousand Only.
5.	Time of Completion	24 Months
6.	Last date / Time for receipt of bids	04.05.2026 up to 12:00 Noon
7.	Date of Publication of Tender on website	09.04.2026 at 10:30 A.M.
8.	Name & Address of office Inviting tender	Executive Engineer, Road Construction Department, Road Division, Khunti
9.	Contact no. of Procurement Officer	06528-221215
10.	Helpline number of e-Procurement Cell	0651-2401010

Note :- Estimated cost of tender can be increased or decreased Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in

Executive Engineer, R.C.D., Road Division, Khunti

PR 376677 (Road) 26-27 (D)

ब्लास्ट फर्नेस विभाग में लागत नियंत्रण, उत्पादन वृद्धि एवं सुरक्षा हेतु 'सुझाव मेला' का आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : इस्पात संयंत्र के ब्लास्ट फर्नेस विभाग में आज दिनांक 04 अप्रैल 2026 को सुझाव मेला का सफल आयोजन किया गया। इस मेले का मुख्य विषय लागत नियंत्रण, उत्पादन में वृद्धि और सुरक्षा रहा, जिसका उद्देश्य विभाग की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने हेतु कर्मियों के रचनात्मक विचारों को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम का संयुक्त रूप से शुभारंभ महाप्रबंधक (ब्लास्ट फर्नेस) श्री श्याम सुंदर तथा महाप्रबंधक (ब्लास्ट फर्नेस) श्री जे। जोदार द्वारा किया गया।

इस अवसर पर विभाग के अधिकारियों एवं कर्मियों ने लागत

कम करने, परिचालन दक्षता बढ़ाने और कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों को सुदृढ़ करने की दिशा में कई महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए। कार्यक्रम के दौरान महाप्रबंधक (आईईडी) श्री धीरज चौधरी, महाप्रबंधक (ब्लास्ट फर्नेस-विद्युत) श्री विनय कुमार, महाप्रबंधक (ब्लास्ट फर्नेस-ऑपरेशन्स) श्री अशोक राय, महाप्रबंधक (ब्लास्ट फर्नेस-ऑपरेशन्स) श्री एस। के। महंत तथा उप महाप्रबंधक (ब्लास्ट फर्नेस-यांत्रिकी) श्री आर। एन। साहू उपस्थित थे।

समारोह का कुशल संचालन एवं अंत में धन्यवाद ज्ञापन महाप्रबंधक (ब्लास्ट फर्नेस-ऑपरेशन्स) श्री धनंजय कुमार द्वारा किया गया। उन्होंने प्रतिभागियों द्वारा दिए गए सुझावों की सराहना की और उन्हें विभाग की उन्नति के लिए आवश्यक बताया।

यह सुझाव मेला ब्लास्ट फर्नेस विभाग की उत्पादकता बढ़ाने और परिचालन लागत को अनुकूलित करने की दिशा में बोकारो इस्पात संयंत्र की एक सराहनीय पहल है। सुरक्षा और नवाचार के प्रति कर्मियों की यह सक्रिय भागीदारी न केवल उत्पादन लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायक होगी, बल्कि संगठन में निरंतर सुधार और व्यावसायिक उत्कृष्टता की संस्कृति को भी और अधिक सुदृढ़ करेगी।

झारखण्ड सरकार

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल,गोंदा,राँची

अतिअल्प कालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं०-61/2025-26

PR No. 369813 Drinking Water and Sanitation(25-26) D

द्वितीय आमंत्रण

Email Id – eedwsd.gonda@gmail.com

1.	विभाग का नाम	:-	पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखंड, राँची।
2.	विज्ञापनदाता का नाम	:-	कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोन्दा, राँची।
3.	परिमाण विपत्र की बिक्री की अंतिम तिथि एंव समय	:-	11.04.2026 को अपराह्न 1.00 बजे तक।
4.	निविदा प्राप्ति की तिथि एंव समय	:-	13.04.2026 को अपराह्न 3.00 बजे तक।
5.	निविदा खोलने की तिथि एंव समय	:-	13.04.2026 को अपराह्न 3.30 बजे ।
6.	परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान	:-	1) कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोन्दा,राँची। 2) अधीक्षण अभियन्ता, पेयजल एवं स्वच्छता नागरिक अंचल, राँची।
7.	निविदा प्राप्ति एंव खोलने का स्थानः-	:-	कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोन्दा, राँची।
8.	कार्यो की विवरणी	:-	

क	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	B.O.Q. का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि।
1.	Emergent repair work of the approach road from the Water Treatment Plant (W.T.P.) to the Intake Well at Gonda Dam, under , D.W. & S. Division, Gonda, Ranchi.	22,85,772.00	46,000.00	5000.00	15 दिन
2.	Emergent work for Interconnection 350mm to 500mm by MS pipe & its fittings and Others Miscellaneous Wok at Ratu Road and Piska More Water Supply pipe Line Under D.W.&S. Division Gonda Ranchi	17,47,330.00	35,000.00	5000.00	15 दिन

नियम एवं शर्तें सूचनापट् पर देखा जा सकता हैं।

कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोन्दा, राँची

PR 376670 Drinking Water and Sanitation(26-27).D

देश में गिरता शिक्षा का स्तर

अभी मेडिकल पीजी में शून्य (0) पर्सेंटाइल पर प्रवेश का मुद्दा पुराना भी नहीं हुआ है कि राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा स्कूल लेक्चरर के लिए आयोजित प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम ने देश की शिक्षा के हालातों के पोल खोलकर ही रख दी है। शिक्षा के मंदिर में बच्चों को पढ़ाने के लिए लेक्चरर के पद पर नियुक्ति के लिए आयोजित प्रतियोगिता परीक्षा में राजनीति विज्ञान के लेक्चरर के पद के लिए हजारों युवाओं ने परीक्षा दी और 225 पद होने के बावजूद केवल छह परीक्षार्थी चयन के योग्य पाये गये। मजे की बात है कि परीक्षा देने वाले हजारों युवाओं में मात्र 219 युवा भी न्यूनतम प्राप्तांक 40 प्रतिशत अंक भी प्राप्त नहीं कर पाए। हालात की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि फिजिकल एजुकेशन के 37 पदों के लिए एक भी नहीं और होम साइंस जैसे विषय के लेक्चरर के पद के लिए केवल एक परीक्षार्थी ही सफल हो सका। अब एक ओर देश में प्रतिपक्ष बेरोजगारी की समस्या को गंभीरता से उठा रहा है तो तो दूसरी और भर्ती वाले पदों के लिए न्यूनतम अहर्ता अंक प्राप्त करने में भी आज के युवा सफल नहीं हो पा रहे हैं। यह कोई राजस्थान की ही बात नहीं है अपितु यह समूचे देश की शिक्षा के स्तर की बानगी है। क्योंकि निश्चित रुप से राजस्थान लोक सेवा आयोग की परीक्षा में अन्य प्रदेशों के युवा भी परीक्षार्थी रहे होंगे। बेरोजगारी की समस्या अपनी जगह पर है पर दूसरी ओर स्नातक, स्नातकोत्तर और तकनीकी शिक्षा प्राप्त युवाओं के ज्ञान के स्तर को इससे आंका जा सकता है। यही कारण है कि आज मल्टी टास्क सर्विस जिसे परंपरागत शब्दों में कहा जाए तो चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पद या शहरी निकायों में सफाई कर्मचारी के कुछ पदों के लिए ही हजारों लाखों युवा आवेदन करने लगे हैं और तस्वीर का एक पहलू यह है कि इन युवाओं में उच्च और तकनीकी शिक्षा यहां तक की इंजीनियर, डॉक्टर, एमबीए तक आवेदन कर रहे हैं। यह हमारे शैक्षणिक संस्थानों के लिए किसी तमाचे से कम नहीं होना चाहिए। राजनीतिक विज्ञान के स्कूल लेक्चरर के लिए परीक्षा देने वाले युवाओं ने निश्चित रूप से राजनीति विज्ञान की उच्च पढ़ाई की होगी। उनका न्यूनतम 40 प्रतिशत अंक भी प्राप्त नहीं करना चिंताजनक है। वैसे देखा जाए तो 40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर चयनित होने वाले स्कूल लेक्चरर से आप बच्चों को अच्छी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने की अपेक्षा करेंगे तो बेमानी होगी। हालात वास्तव में गंभीर है और यही कारण है कि नौकरी के लिए आयोजित परीक्षाओं में नकल, गलत प्रयोग और पेपर आउट व डमी कैंडिडेट द्वारा परीक्षाएं देने के लिए माफिया की बन पड़ी है। मेडिकल पीजी में जीरो पर्सेंटाइल पर प्रवेश के निर्णय पर यह अवश्य संतोष की बात है कि फैडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन ने सरकार के इस निर्णय की खिलाफत करने की हिम्मत दिखाई है। इसमें कोई दोराय नहीं कि देश में शिक्षण संस्थाओं का जाल बिछा कर सबके लिए शिक्षा की सुविधा उपलब्ध हो सकी। अब तो डीम्ड यूनिवर्सिटी सहित यूनिवर्सिटी नित नई खुलती जा रही है। इसे अच्छा भी माना जा सकता है पर सौ टके का सवाल यह है कि क्या शिक्षण संस्थान केवल डिग्री देने के माध्यम ही बन कर रह गए हैं। राजनीति विज्ञान तो उदाहरण मात्र है, सवाल यह है कि परीक्षा देने वाले हजारों प्रतियोगियों ने किसी एक संस्थान से तो डिग्री प्राप्त की नहीं होगी। यह सोचने का वक्त है कि आखिर हम जा कहां रहे हैं। शिक्षण संस्थानों की स्तरीयता पर ही सवाल खड़े हो जाते हैं। इसके अलावा जिस तरह से कोचिंग संस्थानों और पुस्तकालयों की बाढ़ आई हुई है उसके परिणाम भी इन परिणामों में कहीं दूर-दूर तक लक्षित नहीं हो रहे। सरकार और तकनीकी शिक्षण संस्थानों को कम से कम अपने स्तर का तो ध्यान रखना ही होगा। शिक्षा की गुणवत्ता और तकनीकी अध्ययन की वैश्विक पहचान बनाना सरकार और अध्ययन केन्द्रों की पहली और अंतिम प्राथमिकता होनी चाहिए, पर यहां तो स्थानीय स्तर पर ही खरे नहीं उतर पा रहे हैं। कल्पना कीजिए कि जीरो पर्सेंटाइल वालों को विशेषज्ञ बनाकर इलाज का लाइसेंस देंगे तो इसे आम नागरिकों की जिंदगी से खिलवाड़ और शिक्षा पद्धति के साथ मजाक बनाना ही है।

सूडोकु नवताल- 7755

★★★✫✩ मध्यम

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7754 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

दंड से सुधार की ओर विश्वास आधारित न्यायिक यात्रा

ललित गर्ग

भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था में कानून का उद्देश्य केवल दंड देना नहीं, बल्कि व्यवस्था, अनुशासन, सुधार और विश्वास का वातावरण बनाना भी होता है। इसी दृष्टि से भारत सरकार द्वारा लाया गया जन विश्वास विधेयक 2026 पहले लोकसभा के बाद अब राज्यसभा से भी पारित होने से इसके कानून के रूप में अमल का रास्ता साफ हो गया। इसके माध्यम से उस व्यवस्था को विदा देने का जतन किया गया है, जिसमें छोटी-छोटी गलतियों या सामान्य नियम-कानूनों के उल्लंघन पर जेल की सजा का प्रविधान था, अब ऐसा होने पर आर्थिक दंड लगेगा। निश्चित ही इस विधेयक का पारित होना एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम है, भारतीय कानूनी परिवेश की एक उजली भोर है। निश्चित तौर यह कानून दंडात्मक व्यवस्था से सुधारात्मक व्यवस्था की ओर बढ़ने का संकेत देता है। इसमें लगभग 79 केंद्रीय कानूनों में संशोधन कर 784 प्रविधानों में संशोधन किये गये हैं और 700 से अधिक छोटे अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर किया गया है। इससे अदालतों में मुकदमों का बोझ और न्यायिक तंत्र पर दबाव कम होगा। अब ड्राइविंग लाइसेंस की अवधि खत्म होने पर भी वह 30 दिन तक वैध रहेगा और राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम लगाने पर सजा के स्थान पर जुमार्ने का प्रविधान होगा। इसी तरह अन्य अनेक मामलों में ऐसा होगा। इनमें से कई मामले कारोबारियों से भी जुड़े हैं, जैसे पहले ड्रग्स एवं कास्मेटिक नियमों के उल्लंघन पर जेल हो सकती थी, लेकिन अब केवल जुमार्ना लगेगा। जो छोटे कारोबारी प्रायः जटिल नियम-कानूनों के अनचाहे उल्लंघन के कारण दंडित होने के दबाव में भयभीत रहते थे, वे अब भयमुक्त होंगे।

भाजपा सरकार एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रमुख लक्ष्यों में से एक है भारत की व्यवस्था एवं कानूनों का सरल एवं सुगम बनाना, यह कानून उसी दिशा में एक रचनात्मक एवं सृजनात्मक उपक्रम है। इस विधेयक से न केवल न्यायिक प्रणाली पर बोझ कम होगा बल्कि नागरिकों, उद्यमियों और निवेशकों में सरकार के प्रति विश्वास भी बढ़ेगा। इसे "न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन" की अवधारणा को व्यवहार में उतारने वाला कानून भी कहा जा सकता है। दंड नहीं, सुधार की भावना को बल देते हुए इस कानून से आम-जनता को कानून की जटिल प्रक्रियाओं एवं भ्रष्टाचार की व्यवस्था से मुक्ति मिलेगी। भारतीय न्याय व्यवस्था लंबे समय तक दंड आधारित रही है, जिसमें छोटे-छोटे उल्लंघनों के लिए भी आपराधिक मुकदमे चल जाते थे। इससे अदालतों में मुकदमों का ढेर लग जाता था और आम नागरिक अनावश्यक कानूनी प्रक्रियाओं में उलझ जाते थे। जन विश्वास विधेयक ने इस सोच को बदलने का प्रयास किया है। इससे कानून का उद्देश्य दंड देना नहीं, बल्कि सुधार करना और व्यवस्था बनाए रखना होगा। अपराध की गंभीरता के अनुसार दंड तय करना न्याय के मूल सिद्धांतों के अधिक अनुरूप है।

इस कानून से न्यायिक प्रक्रिया तेज होगी और गंभीर अपराधों पर अधिक ध्यान दिया जा सकेगा। यह कानून न्यायिक सुधार की दिशा में भी एक बड़ा ऐतिहासिक कदम है, क्योंकि इससे न्यायालयों का समय और संसाधन बचेंगे और न्याय प्रणाली अधिक प्रभावी बनेगी। इस कानून का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य व्यापार और उद्योग जगत में विश्वास का वातावरण बनाना भी है। पहले कई छोटे नियमों के उल्लंघन पर आपराधिक मुकदमे दर्ज हो जाते थे, जिससे उद्यमियों और निवेशकों में भय का वातावरण रहता था। अब आर्थिक दंड के प्रावधान से अनुपालन का बोझ कम होगा और व्यापार करने में आसानी होगी। इससे छोटे उद्यमियों, स्टार्टअप और उद्योगों को प्रोत्साहन मिलेगा तथा भारत में निवेश का वातावरण और बेहतर बनेगा। वैश्विक स्तर पर भी भारत की छवि एक सरल और निवेश अनुकूल देश के रूप में मजबूत होगी।

इस कानून की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसकी भावना भारतीय संस्कृति के बहुत निकट दिखाई देती है। भारतीय संस्कृति में दंड से अधिक सुधार, प्रतिशोध से अधिक क्षमा और अपराध से अधिक परिमार्जन की परंपरा रही है। हमारे शास्त्रों और परंपराओं में कहा गया है कि मनुष्य से गलती होना स्वाभाविक है, लेकिन उसे सुधार का अवसर मिलना चाहिए। छोटी-छोटी गलतियों के लिए कठोर दंड देना न्याय नहीं, बल्कि अन्याय की श्रेणी में आ सकता है। इस दृष्टि से यदि कानून व्यवस्था में क्षमा, सुधार और परिमार्जन की व्यवस्था हो, तो समाज अधिक मानवीय और संवेदनशील बन सकता है। भारत की संस्कृति दंडात्मक नहीं, बल्कि सुधारात्मक और समन्वयवादी रही है। जन विश्वास विधेयक इसी भावना को आधुनिक कानूनी व्यवस्था में स्थापित करने का प्रयास प्रतीत होता है। यह कानून विश्वास आधारित शासन की ओर अग्रसर होने के साथ मेरा भारत महान का उद्घोष है। यह कानून सरकार और नागरिकों के बीच विश्वास को मजबूत करने वाला भी है। जब सरकार नागरिकों को अपराधी मानने की बजाय जिम्मेदार नागरिक मानकर कानून बनाएगी, तो नागरिकों में भी कानून के प्रति सम्मान और पालन की भावना बढ़ेगी। विश्वास आधारित शासन किसी भी लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति होता है। भय आधारित शासन में नागरिक कानून से बचने की कोशिश करते हैं, जिससे समाज में भ्रष्टाचार को पनपने का मौका मिलता है जबकि विश्वास आधारित शासन में नागरिक कानून का पालन स्वयं करते हैं। देश एवं समाज के प्रति जिम्मेदारी का अहसास स्वतः जागता है।

भारत ने 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य रखा है। विकसित राष्ट्र बनने के लिए केवल आर्थिक विकास ही नहीं, बल्कि न्यायिक, प्रशासनिक और कानूनी सुधार भी आवश्यक हैं। जन विश्वास विधेयक इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा सकता है। सरल कानून, कम सरकारी हस्तक्षेप, तेज न्याय प्रणाली और व्यापार के लिए अनुकूल वातावरण-ये सभी विकसित राष्ट्र की पहचान होते हैं। इस दृष्टि से यह कानून भारत को आधुनिक और विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में सहायक सिद्ध होगा। यह भी स्वीकार करना होगा कि इस प्रकार के बड़े कानूनी सुधार राजनीतिक इच्छाशक्ति के बिना संभव नहीं होते। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने कई प्रशासनिक और कानूनी सुधार किए हैं, जिनका उद्देश्य शासन को सरल, पारदर्शी और जनहितकारी बनाना है, न्याय व्यवस्था को ज्यादा मानवीय एवं व्यावहारिक बनाना है। इसी कारण प्रधानमंत्री ने इस विधेयक के पारित होने पर यह आशा व्यक्त की कि इसके जरिये भरोसे पर आधारित व्यवस्था का निर्माण होने के साथ आम नागरिक सशक्त बनेंगे। जन विश्वास विधेयक उसी श्रृंखला का एक महत्वपूर्ण कदम है, जो यह दशार्ता है कि सरकार नागरिकों को दंडित करने की बजाय उनके साथ विश्वास का संबंध स्थापित करना चाहती है। यह कानून शासन और जनता के बीच विश्वास का पुल बनाने का एक सराहनीय एवं सूझबूझभरा प्रयास है।

वास्तव में कानून का शासन ऐसा होना चाहिए, जिसमें मामूली गलती या किसी गफलत या अनजाने में की गई भूल कठोर सजा का कारण नहीं बननी चाहिए। अब जब जन विश्वास विधेयक से हालात में व्यापक बदलाव की उम्मीद की जा रही है, तब यह आवश्यक हो जाता है कि इस विधेयक के प्रविधानों से आम जनता को अवगत कराया जाए, ताकि वह अधिकतम लाभ उठा सके और शोषण एवं भ्रष्टाचार से भी बच सके। ध्यान रहे आम लोग सशक्त तब होते हैं, जब वे नियम-कानूनों से भली तरह अवगत होते हैं। जनता को बदले हुए नियम-कानूनों से परिचित कराने का काम सरकार को करना चाहिए। इसी के साथ उसे इसे लेकर सावधान रहना होगा कि छोटे अपराधों में जेल भेजने वाले प्रविधानों की जगह चेतावनी देने और जुमार्ना लगाने वाली नई व्यवस्था से समाज में ऐसा कोई संदेश न जाए कि नियम-कानूनों के उल्लंघन पर जुर्माना देकर बचा जा सकता है। यदि जुर्माना देकर नियम-कानूनों को हल्के में लेने की प्रवृत्ति बढ़ी तो इस विधेयक का उद्देश्य ही व्यर्थ हो जाएगा।

भय से विश्वास तकः एक युगांतकारी परिवर्तन

बृजमोहन अग्रवाल

छह दशकों तक भारत की आंतरिक सुरक्षा, लोकतांत्रिक व्यवस्था और विकास यात्रा को चुनौती देता रहा नक्सलवाद आज अपने निर्णायक अवसान की अवस्था में पहुँच चुका है। यह केवल एक सुरक्षा सफलता नहीं, बल्कि उस राष्ट्रीय संकल्प की विजय है, जिसमें स्पष्ट नीति, अटूट राजनीतिक इच्छाशक्ति और केंद्र-राज्य के अभूतपूर्व समन्वय ने मिलकर एक जटिल और दीर्घकालिक समस्या का समाधान किया है। नक्सलवाद का यह अवसान इस सत्य को पुनः स्थापित करता है कि भारत में बंदूक की शक्ति अंततः लोकतंत्र की सामूहिक शक्ति के आगे टिक नहीं सकती। यह परिवर्तन अचानक नहीं आया- इसके पीछे दशकों का संघर्ष, अनगिनत बलिदान और एक ऐसी रणनीतिक निरंतरता रही है, जिसने अंततः इस चुनौती को निर्णायक रूप से परास्त किया।

नक्सलबाड़ी से रेड कॉरिडोर तकः एक वैचारिक आंदोलन का हिंसक विस्तार

भारत में नक्सलवाद का उदय वर्ष 1967 में पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी से हुआ, जिसकी वैचारिक जड़ें तत्कालीन सोवियत संघ और चीन की उग्र वामपंथी विचारधारा में थीं। अपनी विकास विरोधी छवि के कारण जब बंगाल में इस विचारधारा के प्रति विरोध पनपने लगा तो अपने विस्तार के लिए नक्सलवाद ने "सॉफ्ट टारगेट्स" की तलाश शुरू की- ऐसे क्षेत्र जहाँ शासन की पहुँच सीमित हो, सामाजिक-आर्थिक चुनौतियाँ अधिक हों और जनजागरूकता कम हो। देश के वनांचल, आदिवासी और खनिज संपदा से समृद्ध क्षेत्र इस दृष्टि से सबसे आसान लक्ष्य थे। नक्सलवाद विस्तार की इसी रणनीति के तहत तथाकथित "रेड कॉरिडोर" विकसित हुआ, जो तिरुपति से पशुपति तक फैले विशाल भूभाग में फैल गया।

तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, झारखंड, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों से घिरा छत्तीसगढ़, जिसका लगभग 42 प्रतिशत क्षेत्र वनाच्छादित है, इस रेड कॉरिडोर का रणनीतिक केंद्र बन गया। पड़ोसी राज्यों से अपनी गतिविधियाँ सीमित रखने का अघोषित समझौता कर नक्सली अबूझमाड़ क्षेत्र में संगठित होते चले गए। अपनी दुर्गम भौगोलिक स्थिति के कारण दशकों तक प्रशासनिक सर्वेक्षण से दूर रहा अबूझमाड़ नक्सलियों का सुरक्षित शेल्टर बन गया।

विचारधारा से विचलनः माओवाद से मनीवाद तक

समय के साथ नक्सलवाद ने अपनी मूल वैचारिक पहचान खो दी और एक हिंसक आर्थिक उगाही तंत्र में परिवर्तित हो गया। बस्तर और सरगुजा जैसे वनाच्छादित जनजातीय क्षेत्रों में नक्सलियों ने समानांतर सत्ता संरचना स्थापित कर दी, जहाँ तथाकथित "जन अदालतों" के माध्यम से भय आधारित नियंत्रण कायम किया गया। छत्तीसगढ़ के खनिज सम्पन्न क्षेत्रों की खदानें, विद्युत परियोजनाएँ, तेंदूपत्ता व्यापार- सभी उनके लिए उगाही के स्रोत बन गए। सरकारी कर्मचारियों, व्यापारियों, ठेकेदारों और यहाँ तक कि पुलिस बलों से भी जबरन वसूली की जाने लगी। यह उगाही धीरे-धीरे इतनी बढ़ी कि छत्तीसगढ़ में इसका वार्षिक आंकड़ा हजारों करोड़ रुपये तक पहुँचने की चर्चा होने लगी।

सोवियत संघ के विघटन के बाद रूस में यह विचारधारा समाप्त हो गई। चीन ने भी माओवाद की सशस्त्र संरचना को छोड़कर आर्थिक सुधारों पर आधारित पूंजीवादी कम्युनिज्म मॉडल को अपना लिया, लेकिन भारत में नक्सलवाद अपने मूल उद्देश्यों से भटककर लेवी वसूली और हिंसा फैलाने का टूल बन गया। नक्सलवाद के झंडाबरदारों ने विचारधारा को त्यागकर इसे अपने आर्थिक हितों की पूर्ति और आतंक फैलाने का साधन बना लिया।

नक्सलवाद के वैचारिक समर्थन की राजनीतिक पृष्ठभूमि

दुर्भाग्य से, कांग्रेस नीत सरकारों के लंबे शासनकाल में नक्सलवाद के प्रति स्पष्ट और कठोर नीति का अभाव रहा क्योंकि उस दौर में केंद्र और कई राज्यों में भी वामपंथी पार्टियां कांग्रेस के सहयोगी की भूमिका में थीं। सत्ता के लिए वामपंथ के साथ कांग्रेस की राजनीतिक निकटता का परिणाम यह हुआ कि नक्सलवाद पर निर्णायक प्रहार करने की बजाय इसे सामाजिक-आर्थिक संघर्ष के रूप में प्रस्तुत कर वैधता प्रदान करने की नीति हावी हो गई।

उस दौर में प्रशासनिक तंत्र के भीतर भी यह वैचारिक भ्रम दिखाई देता था। नक्सलवाद को सामाजिक समता पाने का वर्ग संघर्ष ठहराने के दृष्टिकोण से प्रशिक्षित किए गए आईएएस और आईपीएस अधिकारियों की नीतियाँ भी नक्सलवाद के विरुद्ध कठोर होने के बजाय सहानुभूतिपूर्ण हो गई थीं। इस ढुलमुल नीति का परिणाम यह हुआ कि नक्सलवाद देश के 12 राज्यों के लगभग 180 जिलों में फैल गया और छत्तीसगढ़ के गठन के बाद से ही प्रदेश के समग्र विकास की राह में सबसे बड़ा रोड़ा बन गया।

राष्ट्रीय चेतना का उदयः मेरे प्रारंभिक अनुभव

छात्र जीवन में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े रहते हुए मुझे बस्तर क्षेत्र में काम करने का अवसर मिला जहां नक्सलवाद रूपी दैत्य से मेरा प्रथम साक्षात्कार हुआ और यह आभास भी हुआ कि दंडकारण्य में इस दैत्य का दमन केवल हथियारों से नहीं किया जा सकता। नक्सलवाद के विरुद्ध संघर्ष की भूमि तैयार करने के लिए इस क्षेत्र में वैचारिक जनजागरण की नितांत आवश्यकता थी और इसलिए जनजातीय समाज के बीच राष्ट्रीयता का अलख जगाने के प्रकल्प में मैंने भी अपनी भागीदारी निभाई।

1990 के दशक में स्वर्गीय सुंदरलाल पटवा जी के नेतृत्व में रायपुर के पुराने कमिश्नर कार्यालय के बीटीआई कम्युनिटी परिसर में आयोजित बैठक में पहली बार यह निर्णय लिया गया कि नक्सलवाद के विरुद्ध संघर्ष को राष्ट्रीयता के व्यापक संदर्भ में लड़ा जाएगा। यही वह निर्णायक मोड़ था जब नक्सलवाद की समस्या को केवल कानून-व्यवस्था के दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि राष्ट्र की एकता और अखंडता के परिप्रेक्ष्य में देखा गया।

जब हुई छत्तीसगढ़ विधानसभा की गोपनीय बैठक

वर्ष 2003 से 2006 के बीच जब मुझे मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह की सरकार में छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री के रूप में कार्य करने का उत्तरदायित्व मिला, तब प्रदेश में पहली बार नक्सलवाद के विरुद्ध एक ठोस, नीतिगत और समन्वित अभियान प्रारंभ किया गया। "ज्वाइंट एफर्ट, ज्वाइंट कमांड और ज्वाइंट पॉलिसी" के सिद्धांत पर केंद्र और राज्य के बीच समन्वय स्थापित करने के प्रयास किए गए। तत्कालीन केंद्रीय गृहमंत्री शिवराज पाटिल के साथ इस विषय पर मेरी कई गंभीर और विस्तृत मंत्रणाएँ हुई थीं। उस दौर में इस विषय की संवेदनशीलता को देखते हुए देश के इतिहास में पहली बार विधानसभा में गोपनीय बैठकों का आयोजन किया गया, ताकि लोग बिना किसी भय के खुलकर अपनी बात रख सकें। तात्कालीन स्पीकर प्रेम प्रकाश पांडेय की अध्यक्षता में आयोजित की जाने वाली इन बैठकों से अधिकारियों और पत्रकार को भी दूर रखना जरूरी हो गया था। इन मंत्रणाओं के परिणामस्वरूप बनी रणनीति के तहत तात्कालीन डीजीपी ओपी राठौड़ के नेतृत्व में कई अभियान चलाए गए और इसी क्रम में सलवा जुडूम जैसे जनअभियान की शुरूआत हुई।

सलवा जुडूमः जनभागीदारी का ऐतिहासिक अध्याय

हमारे समक्ष सबसे बड़ी चुनौती यह थी कि अशिक्षा, अज्ञानता और दुष्प्रचार के कारण स्थानीय समाज का बड़ा हिस्सा नक्सलवाद के प्रति सहानुभूति रखता था। इस स्थिति को बदलने के लिए व्यापक जनजागरण अभियान चलाया गया। स्कूलों, महाविद्यालयों और छात्रावासों में पर्चे और साहित्य वितरित किए गए। घर-घर जाकर नक्सलवाद की वास्तविकता को उजागर किया गया।

घुमंतू समाज की पहचान का आधार बनेगी जनगणना

डॉ. सत्यवान सौरभ

देश में कुछ समुदाय ऐसे भी हैं, जिन्हें आज तक ठीक से गिना ही नहीं गया—न आंकड़ों में, ना नीतियों में, और ना ही संवेदनाओं में। ये वे लोग हैं, जिन्हें कभी अंग्रेजों ने "जन्मजात अपराधी" घोषित कर दिया था और आजादी के 78 साल बाद भी जिनकी पहचान उसी कलंक के बोझ तले दबी हुई है। यह विमुक्त, घुमंतू और अर्द्ध-घुमंतू जनजातियां हैं। यह आज भी भारत के विकास के नक्शे में अदृश्य बनी हुई हैं। ऐसे में 2027 की जनगणना केवल एक सांख्यिकीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि ऐतिहासिक न्याय का एक सुनहरा अवसर है। ब्रिटिश शासन के दौरान 1871 का आपराधिक जनजाति अधिनियम इन समुदायों के जीवन पर एक अमिट दाग बनकर चिपक गया। इस कानून ने उन्हें जन्म से ही अपराधी घोषित कर दिया, जिससे उनके जीवन का हर पहलू संदेह और निगरानी के घेरे में आ गया। यह केवल एक कानूनी प्रावधान नहीं था, बल्कि सामाजिक बहिष्कार की एक संगठित व्यवस्था थी। स्वतंत्रता के बाद 1952 में इस अधिनियम को समाप्त कर इन समुदायों को "विमुक्त" तो कर दिया गया, लेकिन समाज की मानसिकता आज भी उस औपनिवेशिक सोच से पूरी तरह मुक्त नहीं हो पाई। परिणामस्वरूप, ये समुदाय आज भी पुलिस के संदेह, सामाजिक तिरस्कार और सरकारी उपेक्षा का शिकार बने हुए हैं।

सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जिन लोगों को आजादी के बाद मुख्यधारा में शामिल किया जाना चाहिए था, वे आज भी पहचान के संकट से जूझ रहे हैं। स्थायी निवास का अभाव, लगातार प्रवास और दस्तावेजों की कमी इनके जीवन की सबसे बड़ी बाधाएं हैं। आधार कार्ड, राशन कार्ड, वोटर आईडी जैसे सामान्य दस्तावेज, जो किसी भी नागरिक के अधिकारों का आधार होते हैं, इन समुदायों के लिए एक सपना बनकर रह जाते हैं। जब पहचान ही नहीं होगी, तो अधिकार कैसे मिलेंगे? यही कारण है कि ये समुदाय सरकारी योजनाओं, आरक्षण और कल्याणकारी कार्यक्रमों से लगातार बाहर रह जाते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में स्थिति और भी चिंताजनक है। घुमंतू जीवनशैली के कारण बच्चों की पढ़ाई लगातार बाधित होती है। एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाते रहने के कारण स्कूलों में नामांकन और निरंतरता दोनों ही मुश्किल हो जाते हैं। परिणामस्वरूप, इन समुदायों में ड्रॉपआउट दर अत्यधिक है और साक्षरता का स्तर बेहद निम्न। शिक्षा से वंचित रहना केवल एक व्यक्तिगत नुकसान नहीं, बल्कि पूरे समुदाय के भविष्य को अंधकार में धकेल देना है। स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति भी इससे अलग नहीं है। स्थायी स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच न होने के कारण ये लोग कुपोषण, संक्रमण और अन्य बीमारियों से जूझते रहते हैं। सरकारी अस्पतालों तक पहुंच की कमी और जागरूकता का अभाव उनकी समस्याओं को और गंभीर बना देता है।

इन सबके बीच सबसे ज्यादा कठिनाई महिलाओं को झेलनी पड़ती है। एक ओर वे सामाजिक और आर्थिक पिछड़ेपन से जूझती हैं, तो दूसरी ओर लैंगिक भेदभाव और असुरक्षा की मार भी सहती हैं। शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित रहने के कारण उनकी स्थिति और भी कमजोर हो जाती है। कई मामलों में वे राजनीतिक प्रतिनिधित्व से भी दूर रहती हैं, जिससे उनकी आवाज नीति-निर्माण तक पहुंच ही नहीं पाती। नीतिगत स्तर पर भी इन समुदायों के साथ लंबे समय तक न्याय नहीं हो पाया है। 2019 में विकास एवं कल्याण बोर्ड का गठन और सीड जैसी योजनाएं शुरू करना सकारात्मक कदम जरूर हैं, लेकिन उनका प्रभाव सीमित रहा है। बजट की कमी, कमजोर कार्यान्वयन और निगरानी तंत्र की अनुपस्थिति इन योजनाओं को प्रभावी बनने से रोकती है। सबसे महत्वपूर्ण समस्या यह है कि इन समुदायों के बारे में सटीक और विश्वसनीय आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं। जब तक किसी समूह की वास्तविक संख्या, स्थिति और आवश्यकताओं का स्पष्ट आकलन नहीं होगा, तब तक उसके लिए प्रभावी नीतियां बनाना संभव नहीं है।

यही वह बिंदु है, जहां 2027 की जनगणना एक निर्णायक भूमिका निभा सकती है। अगर इस जनगणना में विमुक्त, घुमंतू और अर्द्ध-घुमंतू जनजातियों के लिए अलग कॉलम और कोड शामिल किया जाता है, तो यह उनके अस्तित्व को औपचारिक मान्यता देने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। यह केवल आंकड़ों का खेल नहीं है, बल्कि यह पहचान, सम्मान और अधिकारों की बहाली का प्रश्न है। हालांकि, इस दिशा में कई चुनौतियां भी सामने आ सकती हैं। जाति जनगणना को लेकर पहले से ही राजनीतिक बहस जारी है और ऐसे में एक नई श्रेणी जोड़ना विवाद को और बढ़ा सकता है। लेकिन यह समझना जरूरी है कि यह मुद्दा केवल राजनीति का नहीं, बल्कि मानवाधिकार और सामाजिक न्याय का है। अगर सरकार और समाज इस दिशा में ईमानदारी से प्रयास करें, तो इन चुनौतियों को पार किया जा सकता है।

इसके लिए आवश्यक है कि केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर एक समन्वित रणनीति तैयार करें। स्थानीय स्तर पर सर्वेक्षण और डेटा संग्रह की व्यवस्था को मजबूत किया जाए, ताकि घुमंतू समुदायों को सही तरीके से गिना जा सके। आधुनिक तकनीक—जैसे डिजिटल जनगणना और जीपीएस ट्रैकिंग—का उपयोग कर उनकी गतिशील जीवनशैली को ध्यान में रखते हुए डेटा एकत्र किया जा सकता है। साथ ही, गैर-सरकारी संगठनों और सामुदायिक समूहों को इस प्रक्रिया में शामिल करना भी महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि वे इन समुदायों के साथ सीधे जुड़े होते हैं और उनकी वास्तविक स्थिति को बेहतर समझते हैं।

दैनिक पंचांग

5 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

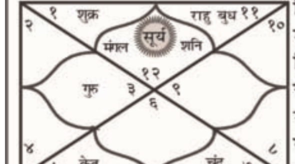

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.20 बजे से
चंद्र	तुला में	वृष	08.00 बजे से
मंगल	मीन में	मिथुन	09.58 बजे से
बुध	कुंभ में	कर्क	12.12 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	14.28 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	16.40 बजे से
शनि	मीन में	तुला	18.51 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	21.05 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	23.21 बजे से
राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक		मकर	01.26 बजे से
		कुंभ	03.13 बजे से
		मीन	04.46 बजे से

रविवार 2026 वर्ष का 95 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि तृतीया 12.00 बजे को समाप्त।
नक्षत्र विशाखा 00.08 बजे रात्र को समाप्त।
योग वज्र 14.44 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 12.00 बजे तदनन्तर बव 01.04 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 16.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 06° 00'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872670
जूलियन दिन 2461135.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सव्वाल **तारीख** 16
विशेष गणेश चतुर्थी व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक
चर	07.23 से	08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक	चर	08.41 से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक	रोग	10.14 से	11.46 बजे तक
काल	11.46 से	01.14 बजे तक	काल	11.46 से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

ट्रैक्टर-टोटो की टक्कर में दो घायल, महिला रेफर

साहिबगंज: जिले के राधानगर थाना क्षेत्र के मोहनपुर के समीप उधवा-बरहरवा निर्माणाधीन फोरलेन सड़क पर गिट्टी लदे ट्रैक्टर और टोटो की टक्कर में दो गंभीर रूप से घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार मोहनपुर निवासी प्रियंका देवी (25), सफरुद्दीन शेख (टोटो चालक) के साथ उधवा से अपने घर लौट रही थीं। इसी दौरान मोहनपुर मोड़ के पास एक ट्रैक्टर ने टोटो में टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को एंबुलेंस के जरिए अनुमंडल अस्पताल लाया गया, जहां ड्यूटी पर तैनात डॉ. उदय टुडू ने प्रारंभिक ईलाज के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए प्रियंका देवी को बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही राजमहल थाना के एएसआई महादेव उरांव अस्पताल पहुंचे और मामले की जानकारी ली।

वृद्ध का शव मिलने से सनसनी

साहिबगंज: राजमहल थाना क्षेत्र अंतर्गत वार्ड 2 स्थित में शनिवार को एक 72 वर्षीय वृद्ध का शव संदिग्ध अवस्था में घर के मुख्य गेट के पास बरामद किया गया। मृतक की पहचान अर्धेंदु शेखर घोष के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार वे बीमार चल रहे थे। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया और परिजनों को सौंप दिया। थाना प्रभारी हसनैन अंसारी ने बताया कि यूडी केस दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

एकता मंच ने धूमधाम से मनाई गई वीर शिरोमणि बाबा चौहरमल जयंती

कोडरमा : पासवान एकता मंच की ओर शनिवार को जिला मुख्यालय स्थित पुरनानगर गांव में वीर शिरोमणि बाबा चौहरमल की जयंती समारोह बड़े ही धूमधाम, श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं गणमान्य लोग बरकट्ठा, चलकुशा प्रखंड क्षेत्र से पासवान समाज के लोग शामिल हुए। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सीडी प्रसाद, जिप सदस्य शांति प्रिया,पूर्व जयनगर प्रमुख जयप्रकाश राम, बालालाखेद्र पासवान, राजकुमार पासवान, संजय पासवान, कॉग्रेस जिलाध्यक्ष प्रकाश रजक,मनोज सोनी, राजबल्लभ पासवान, दिनेश रविदास,पासवान एकता मंच के जिलाध्यक्ष विजय पासवान, महासचिव प्रेमप्रकाश पासवान,भुनेश्वर पासवान, सहदेव राम समेत कई लोगों ने वीर चौहरमल के चित्र व डॉ भीमराव अम्बेडकर की चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम की शुरूवात की गयी । इस अवसर पर कार्यक्रम में समाज के लोगों ने बाबा चौहरमल के पदचिन्हों पर चलने का संकल्प लिया और उनके आदर्शो व समाज सेवा के कार्यों को याद किया।जहां सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस दौरान बिहार से आये मशहूर भोजपुरी गायक कुंदन पासवान उर्फ छोटा चिराग व झारखण्ड के मशहूर खोरठा गायक प्रदीप बेचारा की ओर से वीर शिरोमणि बाबा चौहरमल पर एवं डॉ भीमराव अम्बेडकर की जीवंत पर कई भक्ति गीत एवं संगीत प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया एवं झूमने पर लोग मजबूर गये। मंच की संचालन की जिम्मेवारी रवि पासवान ने बखूबी निभाई। मौके पर बीरेंद्र पासवान, भुनेश्वर पासवान, धीरज पासवान समेत सैकड़ो लोग मौजूद होकर कार्यक्रम को सफल बनाये।

बच्चों के निवाले पर तस्करों की नजर, झारखंड का 31 क्विंटल सरकारी पोषाहार बंगाल में जब्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड के नौनिहालों और गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वाला एक बड़ा रैकेट सामने आया है।आंगनवाड़ी केंद्रों से वितरित होने वाले सरकारी टेक होम राशन की तस्करी का भंडाफोड़ करते हुए पश्चिम बंगाल की फरक्का पुलिस ने 31 क्विंटल पोषाहार से लदा एक पिकअप वैन जब्त किया है। मिली जानकारी अनुसार मुर्शिदाबाद जिले के फरक्का थाना अंतर्गत एनटीपीसी पुलिस आउटपोस्ट को गुप्त सूचना मिली थी कि झारखंड से सरकारी पोषाहार की एक बड़ी खेप अवैध रूप से पश्चिम बंगाल में खपाने के लिए लाई जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी की और बरहरवा प्रखंड से कोटालपोखर होते हुए खोसालपुर के रास्ते बंगाल में प्रवेश कर रहे पिकअप वैन को धर दबोचा।

31 क्विंटल राशन बरामद, चालक गिरफ्तार

वाहन की तलाशी लेने पर पुलिस की आंखें फटी रह गई। वैन में आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों, गर्भवती और धात्री महिलाओं को दिए जाने वाले पौष्टिक मीठा और नमकीन दलिया के कुल 206 बोरे लदे थे। जब्त राशन की कुल मात्रा 31 क्विंटल बताई जा रही है जिसकी अनुमानित बाजार कीमत लगभग 82 हजार रुपये है। पुलिस ने वाहन चालक बरहरवा के बंगालीपाड़ा निवासी अख्तर शेख को हिरासत में लेकर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

जरूरतमंदों का हक मार रहे हैं बिचौलिए

झारखंड सरकार की ओर से आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से 6 माह से 6 वर्ष तक के बच्चों और कुपोषित महिलाओं को कुपोषण से बचाने के लिए यह आहार मुफ्त मुहैया कराया जाता है। सूत्रों का कहना है कि एक टीएचआर बोरे की कीमत अवैध बाजार में करीब 400 रुपये है। कई महीनों तक यह राशन केंद्रों तक नहीं पहुंच पाता और बिचौलिए इसे बंगाल के बाजारों में बेचकर मुनाफा कमाते हैं।

जांच के घेरे में कई सफेदपोश

फरक्का पुलिस आउटपोस्ट के ओसी प्रियोतोष सिंह ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और गहन जांच जारी है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि इतनी भारी मात्रा में सरकारी राशन प्रखंड मुख्यालय या गोदाम से तस्करों तक कैसे पहुँचा इस सिंडिकेट में आंगनवाड़ी विभाग के कुछ स्थानीय कर्मचारियों और बड़े बिचौलियों की मिलीभगत की आशंका जताई जा रही है। इस कार्रवाई के बाद साहिबगंज और बरहरवा के प्रशासनिक हलकों में हड़कंप मच गया है। अब देखना यह होगा कि क्या पुलिस इस तस्करी के मास्टरमाइंड तक पहुँच पाती है या यह मामला केवल छोटे मोहरों की गिरफ्तारी तक ही सिमट कर रह जाएगा।

पुलिस लाइन में तीन दिवसीय मेडिटेशन कैंप शुरू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : जिले के चंदवारा स्थित पुलिस लाइन में पुलिसकर्मियों एवं उनके परिवारजनों के मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से तीन दिवसीय मेडिटेशन कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यह कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह के निर्देशन में आयोजित हो रहा है। मेडिटेशन कैंप का आयोजन प्रतिदिन दो पालियों में किया जा रहा है, जिसमें पहली पाली सुबह 10:30 बजे से 11:30 बजे तक एवं दूसरी पाली दोपहर 3:30 बजे से 4:30 बजे तक निर्धारित है। कार्यक्रम के प्रथम दिन योग एवं ध्यान विशेषज्ञ राजेन्द्र प्रसाद एवं अनुज कुमार वैद्य ने उपस्थित पुलिसकर्मियों और उनके परिजनों को ध्यान, प्राणायाम और तनाव प्रबंधन की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पुलिस सेवा एक जिम्मेदारी भरा कार्य है, जिसमें निरंतर तनाव और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में मानसिक शांति, संतुलन और सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि योग और ध्यान से न केवल तनाव कम होता है, बल्कि निर्णय क्षमता, धैर्य और कार्यक्षमता में भी वृद्धि होती है। कार्यक्रम के अंत में प्रशिक्षकों को उनके योगदान के लिए शॉल एवं बुके देकर सम्मानित किया गया। साथ ही भविष्य में भी इस तरह के स्वास्थ्य संवर्धन कार्यक्रमों के नियमित आयोजन की बात कही गई।

आगामी लोक अदालत और एनआई एक्ट हेतु विशेष लोक अदालत का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेशानुसार एवं माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज द्वारा आगामी 25 अप्रैल 2026 को मासिक लोक अदालत के साथ एनआई एक्ट हेतु विशेष लोक अदालत तथा 9 मई 2026 को राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन को लेकर प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत ने जिले के प्रशासनिक, बैंक एवं वित्तीय संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की। बैठक में बताया गया कि लोक अदालतों में एनआई एक्ट से संबंधित मामलों सहित धन वसूली, बिजली-पानी बिल, भरण-पोषण, श्रम, आपराधिक शमनीय अपराध, मोटर दुर्घटना, वैवाहिक, भूमि अधिग्रहण, उपभोक्ता एवं बीमा विवादों का निपटारा किया जाएगा। वहीं, स्थायी लोक अदालत में परिवहन, संचार, चिकित्सा एवं बीमा जैसी सार्वजनिक उपयोगिता सेवाओं से जुड़े मामलों का आपसी समझौते के आधार पर समाधान किया जाएगा। प्राधिकार द्वारा विभिन्न न्यायालयों में लंबित समझौता योग्य मामलों की पहचान कर पक्षकारों को नोटिस भेजे जा रहे हैं। साथ ही शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जन-जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है। मामलों के सौहार्दपूर्ण समाधान हेतु मध्यस्थों की सेवाएं ली जा रही हैं तथा पैरा लीगल वॉलंटियर्स-न्याय मित्र सक्रिय रूप से सहयोग कर रहे हैं। प्राधिकार के सचिव ने बताया कि इच्छुक पक्षकार अपने मामलों के समाधान हेतु सीधे व्यवहार न्यायालय, साहेबगंज एवं अनुमंडल व्यवहार न्यायालय, राजमहल स्थित विधिक सेवा प्राधिकार कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

संघर्ष से स्वावलंबन तकः सुहागिनी दीदी बनीं प्रेरणा की मिसाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

महेशपुर : जिले के महेशपुर प्रखंड के सीतारामपुर गांव की रहने वाली सुहागिनी दीदी आज संघर्ष, मेहनत और आत्मविश्वास की जीती-जागती मिसाल बन चुकी हैं। कभी रोजगार की तलाश में पलायन करने को मजबूर रहने वाली सुहागिनी आज अपने क्षेत्र के किसानों के लिए प्रेरणा स्रोत बन गई हैं। उनकी सफलता की कहानी वर्ष 2016 में 'सूरजमुखी आजीविका स्वयं सहायता समूह' से जुड़ने के साथ शुरू हुई। इसके बाद JICA परियोजना के तहत उन्हें आधुनिक खेती की उन्नत तकनीकों का प्रशिक्षण मिला, जिसने उनके जीवन को नई दिशा दी।

आधुनिक तकनीक से बदली तस्वीर

परियोजना के अंतर्गत सुहागिनी दीदी को सूक्ष्म टपक सिंचाई, वर्मी कंपोस्ट यूनिट और पॉली नर्सरी हाउस जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। इन संसाधनों की मदद से उन्होंने कम लागत में अधिक उत्पादन का सफल मॉडल तैयार किया।

बैंगन की खेती से पहली सफलता

टपक सिंचाई तकनीक अपनाकर उन्होंने बैंगन की खेती शुरू की, जिससे उन्हें लगभग 30,000 की आय हुई। यह उनकी सफलता की पहली बड़ी उपलब्धि साबित हुई। साथ ही रांची के प्रगतिशील किसानों के भ्रमण ने उनके आत्मविश्वास को और मजबूती दी।

केले की खेती से बढ़ी आय

इसके बाद सुहागिनी दीदी ने 25 डिसमिल भूमि पर G9 किस्म के केले की खेती की। इस खेती से उन्हें 24 क्विंटल उत्पादन प्राप्त हुआ, जिसे मुरारई एवं स्थानीय बाजार में बेचकर करीब 67,200 की आय अर्जित की। यह उनके आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

सिविल सर्जन के चाय पर श्रमिकों के बीच स्वास्थ्य सम्बंधित चर्चा में सैकड़ों लोगों का हुआ जांच

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत चौक बाजार धर्मशाला चौक समीप शनिवार सुबह को सिविल सर्जन डॉ रामदेव पासवान के नेतृत्व मे प्रातः चौपाल सिविल सर्जन के चाय पर श्रमिकों के बीच स्वास्थ्य सम्बंधित चर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सिविल सर्जन डॉ रामदेव पासवान व डॉ मुकेश कुमार सहित अन्य डॉक्टरों व स्वास्थ्य विभाग की टीम ने दर्जनों श्रमिकों सहित सैकड़ों महिला पुरुष बच्चों का बीपी, शुगर, टीबी स्क्रीनिंग जांच सहित स्वास्थ्य की जांच करके आवश्यकता अनुसार दवाई दी गई। सिविल सर्जन ने खुद से चाय बनाकर सभी लोगों को कुल्हड़ वाली चाय पिलाकर स्वास्थ्य संबंधी जानकारी ली और जांच कराया। वही सीएस ने कहा कि जिला को टीबी मुक्त जिला बनाना है, सभी लोग आगे आकर अपना जांच कराए और टीबी मुक्त जिला बनाए। वही श्रमिकों व आम जन ने कहा कि आज से पहले कभी नहीं ऐसा चाय पर चर्चा देखे जिसमे स्वास्थ्य विभाग के मुखिया खुद चाय बनाकर सबको पिला भी रहे ओर आला लगाकर स्वास्थ्य जांच भी कर रहे है। धर्मशाला चौक में रहने वाले श्रमिकों ने बढ़ चढ़कर अपना स्वास्थ्य जांच कराया। सिविल सर्जन डॉ रामदेव पासवान ने बताया कि रविवार को गोराबाड़ी हटिया परिसर में स्वास्थ्य जांच सह चाय पर चर्चा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

साहिबगंज में 'सोना साफ करने' के नाम पर ठगी का जाल, पुलिस ने जारी किया हाई अलर्ट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के बरहरवा, उधवा और राजमहल समेत आसपास के इलाकों में इन दिनों एक शातिर ठगी गिरोह के सक्रिय होने से लोगों में दहशत का माहौल है। यह गिरोह "सोना चमकाने" या "जेवर साफ करने" का झांसा देकर भोली-भाली जनता को निशाना बना रहा है और देखते ही देखते उनकी कीमती जेवरात लेकर फरार हो जा रहा है। हाल के दिनों में इस तरह की कई घटनाएं सामने आने के बाद स्थानीय प्रशासन भी सतर्क हो गया है और आम लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। क्षेत्र में सोना चमकाने के बहाने ठगी का मामला बहुत गंभीर और सक्रिय है, जहाँ ठग 'नाइट्रिक एसिड' जैसे रसायनों का उपयोग करके कीमती गहनों का वजन कम कर रहे हैं या उन्हें लेकर भाग रहे हैं। आपको बता दें झारखंड और बिहार के विभिन्न इलाकों में ऐसे मामले सामने आ रहे हैं जहाँ शातिर गिरोह महिलाओं को निशाना बना रहे हैं।

ऐसे देते हैं ठगी को अंजाम

मिली जानकारी के अनुसार, गिरोह के सदस्य खुद को जेवर साफ करने वाले केमिकल एक्सपर्ट बताकर घर-घर पहुंचते हैं या रास्ते में लोगों को रोकते हैं। वे पहले डेमो दिखाकर लोगों का भरोसा जीतते हैं। इसके बाद जैसे ही कोई व्यक्ति अपने सोने के जेवर उन्हें देता है, वे चालाकी से असली जेवर बदल देते हैं या लेकर फरार हो जाते हैं।

वारदात के बाद ऐसे होते हैं फरार प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुछ संदिग्ध युवक बाइक पर सवार होकर बरहरवा से रांगा की दिशा में तेजी से भागते देखे गए हैं। आशंका जताई जा रही है कि वारदात को अंजाम देने के बाद ये अपराधी ग्रामीण रास्तों का इस्तेमाल कर पुलिस की पकड़ से बच निकलते हैं।

पुलिस की सख्त अपील

राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज ने लोगों से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि कोई भी सरकारी संस्था या भरोसेमंद कंपनी घर-घर जाकर जेवर साफ नहीं करती। अनजान लोगों पर भरोसा करना खतरनाक हो सकता है।

क्या करें, क्या न करें......

किसी भी अनजान व्यक्ति को घर के अंदर न आने दें, जेवर साफ कराने के नाम पर किसी को सामान न दें, लालच या जल्दी में कोई फैसला न लें, संदिग्ध व्यक्ति दिखे तो तुरंत नजदीकी थाना को सूचना दें।

संक्षिप्त खबरें

खाना बनाने के दौरान घर में लगी आग, हजारों रुपये की क्षति

साहिबगंज : राजमहल थाना क्षेत्र के मोकिमपुर पंचायत के चंडीपुर गांव में आग लगने से एक घर जलकर राख हो गया। घटना में हजारों रुपये का नुकसान बताया जा रहा है। शनिवार सुबह लगभग 10 .30 बजे अरुण मंडल की पत्नी किरण देवी खाना बना रही थी। इसी दौरान अचानक घर में आग लग गई। परिजनों ने बच्चों को लेकर घर से बाहर निकलकर अपनी जान बचायी। शोर सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे। विकास पांड़े, पंकज कर्मकार, अंकित, निकल कर्मकार, बादल मंडल और अन्य ग्रामीणों ने बोरिंग, कुएं और चापानल से पानी लाकर आग पर काबू पाया। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि घर में रखा चौकी, बर्तन, अनाज और अन्य सामान जलकर खाक हो गया। पीड़िता किरण देवी ने बताया कि खाना बनाने के दौरान आग लगी और लगभग 50 हजार रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। समय रहते परिजन बच्चों को लेकर बाहर निकल गए, जिससे बड़ी दुर्घटना टल गयी। घटना में किसी की जान नहीं गयी।

मालदा डिवीजन ने साहिबगंज-तिनपहाड़ खंड में विशेष टिकट जांच अभियान चलाया

साहिबगंज: मालदा डिवीजन ने वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, मालदा, कार्तिक सिंह की देखरेख में साहिबगंज-पीरपैंती-साहिबगंज-तालझारी-तिनपहाड़ खंड पर गहन टिकट जांच अभियान चलाया। इस अभियान में 63431 साहिबगंज-जमालपुर पैसेंजर, 13409 मालदा टाउन-किउल इंटरसिटी एक्सप्रेस, 15658 ब्रह्मपुत्र मेल, 13403 वनांचल एक्सप्रेस और 13032 जयनगर-हावड़ा एक्सप्रेस सहित प्रमुख ट्रेनें शामिल थीं। वाणिज्यिक कर्मचारियों ने रेलवे सुरक्षा बल कर्मियों के साथ मिलकर जांच की, जिसके परिणामस्वरूप अवैध यात्रा के 45 मामले पकड़े गए और उन पर 15,000 का जुमार्ना लगाया गया। यात्रियों को आरक्षित और अनारक्षित दोनों प्रकार के टिकटों के लिए रेलवन ऐप का उपयोग करने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया ताकि सुविधाजनक और कागज रहित यात्रा सुनिश्चित हो सके। मालदा विभाग सभी यात्रियों से आग्रह करता है कि वे असुविधा और जुमार्ने से बचने के लिए वैध टिकटों के साथ यात्रा करें।

राजकीय आयुर्वेदिक औषधालय मोतीपहाड़ी अक्सर रहता बंद

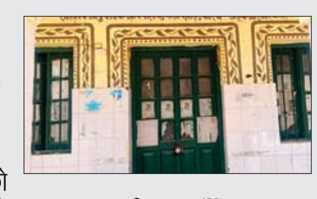

साहिबगंज: जिले के बोरियो सीएचसी परिसर में संचालित राजकीय आयुर्वेदिक औषधालय मोतीपहाड़ी शनिवार को पूर्वाहन 11:00 बजे बंद पाया गया। औषधालय बंद रहने से लोगों को निराश लौटना पड़ा। जानकारी के अनुसार राजकीय आयुर्वेदिक औषधालय पूर्व में मोतीपहाड़ी में संचालित था। लेकिन मोतीपहाड़ी में भवन जर्जर होने से आयुष विभाग ने मोतीपहाड़ी से हटा कर इसे बोरियो सीएचसी परिसर में शिफ्ट कर दिया। राजकीय आयुर्वेदिक औषधालय मोतीपहाड़ी के आयुष चिकित्सक के रूप में बरहेट औषधालय में पदस्थापित डॉ. एकरामूल को बोरियो के मोतीपहाड़ी औषधालय का भी प्रभार है। यहां सप्ताह में दो दिन गुरूवार एवं शनिवार को खुलने का समय है। लेकिन शनिवार को औषधालय 11:00 बजे बंद पाया गया। वहीं चतुर्थ वर्गीय कर्मी नबो कुमार ने बताया कि यहां पदस्थापित डॉक्टर शनिवार को जिला में बैठक में गए हैं।

सांप काटने से अंधविश्वास के कारण स्वास्थ्य संकट

साहिबगंज: जिले में ऐसे गांव भी है जहां लोग आज भी अंधविश्वास पर जी रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग की ओर से लगातार गांव से लेकर शहर तक आए दिन जागरूकता अभियान चला कर लोगों को जागरुक भी कर रहे हैं। जहां एक महिला को शुक्रवार को सांप काटने से मूर्छित हो गई मूर्छित महिला को परिजनों ने झाड़ फुक व जड़ी बूटी से इलाज किया जब महिला की हालत गंभीर हो गई तो परिजनों ने उसे शनिवार को सदर अस्पताल में भर्ती कराया, बताया जा रहा है कि करणपुरातो गांव निवासी राजेंद्र रिखियाशन की पत्नी राचो देवी (53) है। जहां शुक्रवार को अपने गांव में गेहू काटने के लिए गई थी। उसी दौरान किसी सांप ने पांव में काट लिया और महिला मूर्छित हो गई। परिजनों ने झाड़ फूंक व जड़ी बूटी से इलाज किया लेकिन स्थिति को गंभीर देखते हुए परिजनों ने फौरन इलाज के लिए शनिवार को सदर अस्पताल में भर्ती कराया। बरहाल मूर्छित महिला का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है।

विधायक डॉ नीरा यादव ने प्रिकास्ट बाउंड्री वाल निर्माण का किया शिलान्यास

कोडरमा: जिले के डोमचांच प्रखंड के मौजा मसनोडीह, फुलवरिया, बीघा और धरगांव में करीब 45 लाख रुपये की लागत से 2 किलोमीटर प्रिकास्ट बाउंड्री वाल निर्माण कार्य का शिलान्यास हुआ। स्थानीय विधायक डॉ नीरा यादव ने इस निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इस काम के शिलान्यास से स्थानीय लोगों में खुशी है। ज्ञात हो कि इन गांवों में लोग जंगली जानवर से परेशान हैं। फसल को लगातार नष्ट किए जाने के कारण लोगों ने विधायक से इसके लिए समुचित उपाय किए जाने और बाउंड्री वाल का निर्माण कराने की मांग की थी। लगातार प्रयास के बाद बाउंड्री वाल के निर्माण कार्य की स्वीकृति मिली और निविदा के बाद अब निर्माण कार्य की शुरूआत होनी है। शिलान्यास के मौके पर विधायक डॉ नीरा यादव के अलावा जिला परिषद अध्यक्ष रामधन यादव के अलावा अन्य लोग मौजूद थे।

युद्ध के असर से कमो डिटी बाजारों में भारी गिरावट, ऊर्जा संकट ने बढ़ाई चिंता

– एफपीआई बिकवाली और महंगाई के खतरे से निवेशकों में सतर्कता

नई दिल्ली ।

वैश्विक तनाव और ऊर्जा संकट के चलते वित्तीय बाजारों में उथल-पुथल तेज हो गई है। कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की कीमतों में तेजी से भारत जैसे आयातक देशों की अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ने की आशंका गहरा गई है। युद्ध के चलते वैश्विक कमोडिटी बाजारों में तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है, जिसका सीधा असर भारतीय शेयर बाजार पर पड़ा है। मार्च महीने में प्रमुख सूचकांक में दो अंकों की गिरावट दर्ज की गई, जिसकी बड़ी वजह विदेशी निवेशकों की भारी बिकवाली रही। कैलेंडर वर्ष 2026 की पहली तिमाही बाजार के लिए कई वर्षों में सबसे कमजोर साबित हुई है। ऊर्जा कीमतों में उछाल से कंपनियों की लागत बढ़ने की आशंका है, जिससे उनके मुनाफे पर दबाव पड़ सकता है। विशेष रूप से उन सेक्टरों पर असर अधिक दिख सकता है, जो कच्चे माल और ईंधन पर ज्यादा निर्भर हैं। इसके अलावा, होर्मुज स्ट्रेट में बाधा के कारण उर्वरकों की वैश्विक आपूर्ति प्रभावित हुई है, जिससे आने वाले बुवाई सीजन और खाद्यान्न उत्पादन पर असर पड़ सकता है। इससे महंगाई बढ़ने का खतरा भी पैदा हो गया है। हालांकि, इस नकारात्मक माहौल के बावजूद ब्रोकरेज हाउस और विश्लेषक पूरी तरह निराश नहीं हैं। उनका मानना है कि मौजूदा संकट अस्थायी है और हालात सामान्य होने पर बाजार में सुधार संभव है। अगले एक साल के लिए बाजार के अनुमानित लक्ष्य में बहुत मामूली कटौती की गई है, जो निवेशकों के भरोसे को दर्शाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, मौजूदा गिरावट के बीच चुनिंदा सेक्टरों और मजबूत कंपनियों में निवेश के अवसर भी उभर सकते हैं,

खासकर वे जो कमोडिटी कीमतों में बढ़ोतरी से लाभान्वित हो सकती हैं।

विदेशी मुद्रा भंडार 10.29 अरब डॉलर घटा, 688 अरब डॉलर पर आया

मुंबई।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार लगातार चौथे सप्ताह घटकर 688 अरब डॉलर पर आ गया है। रिजर्व बैंक के ताजा आंकड़ों के अनुसार 27 मार्च को समाप्त सप्ताह में भंडार में 10.29 अरब डॉलर की कमी दर्ज की गई। इससे पहले यह 728.49 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर था। विशेषज्ञों का मानना है कि रुपये में कमजोरी को थामने के लिए बाजार में डॉलर की बिक्री की गई, जिसके चलते भंडार में गिरावट आई। साथ ही गोल्ड रिजर्व में भी कमी दर्ज की गई है। हालांकि अर्थशास्त्रियों के मुताबिक मौजूदा भंडार आयात कवर के लिहाज से अब भी संतोषजनक स्थिति में है।

भारतीय शेयर बाजार में तीन दिन रहा बड़ा उतार-चढ़ाव

- पश्चिम एशिया में अमेरिका-ईरान संघर्ष की वजह से निवेशकों का मनोबल कमजोर रहा

मुंबई ।

इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। महावीर जयंती 31 मार्च और गुड फ्राइडे 3 अप्रैल के अवसर पर बाजार बंद रहने के कारण केवल तीन दिन ही कारोबार हुआ। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और पश्चिम एशिया में अमेरिका-ईरान संघर्ष की वजह से निवेशकों का मनोबल कमजोर रहा, जबकि सप्ताह के मध्य में सुधार की उम्मीदों ने बाजार को हरा निशान दिखाने में मदद की। विदेशी निवेशकों की निकासी और घरेलू शेयर बाजार की कमजोर शुरुआत ने सप्ताह की शुरुआत में गिरावट का माहौल बनाया, लेकिन ब्लू-चिप शेयरों में खरीदारी और वैश्विक बाजारों में तेजी से बाजार ने रिकवरी दिखाई। सोमवार को सेंसेक्स और निफ्टी में शुरुआती कारोबार में ही बड़ी गिरावट दर्ज की गई।

बीएसई सेंसेक्स 1,191.24 अंक गिरकर 72,391.98 पर आ गया, जबकि एनएसई निफ्टी 349.45 अंक गिरकर 22,470.15 के स्तर पर था। दिन के अंत में गिरावट और तेज़ हुई और सेंसेक्स 1,635.67 अंक गिरकर 71,947

.55 पर, निफ्टी 488.20 अंक गिरकर 22,331.40 पर बंद हुआ। विदेशी निधियों की निकासी ने इस कमजोरी को और बढ़ाया। बुधवार को बाजार ने मजबूत शुरुआत की। वैश्विक बाजारों में तेजी और अमेरिका-ईरान संघर्ष के जल्द समाधान की उम्मीद से निवेशकों का भरोसा बढ़ा। सेंसेक्स ने शुरुआती कारोबार में 1,899.53 अंक की तेजी दिखाई और 73,847.08 पर पहुंचा, जबकि निफ्टी 572.55 अंक बढ़कर 22,903.95 पर रहा। दिन के अंत में सेंसेक्स 1,186.77 अंक बढ़कर 73,134.32 पर, और निफ्टी 348.00 अंक बढ़कर 22,679.40 पर बंद हुआ। गुरुवार को शुरुआती बिकवाली के बाद दिन के सत्र में बाजार ने रिकवरी दिखाई। सेंसेक्स अपने निचले स्तर से लगभग 950 अंकों की रिकवरी कर पाया और निफ्टी 22,450 का स्तर पार करने में सफल रहा। दोपहर 1 बजकर 43 मिनट पर सेंसेक्स 72,661.06 पर और निफ्टी 22,533.30 पर कारोबार कर रहे थे, जिससे स्पष्ट हुआ कि निवेशक निचले स्तर पर ब्लू-चिप शेयरों में खरीदारी कर रहे हैं। इस दौरान रुपया भी डॉलर के मुकाबले मजबूत हुआ।

पीएनबी अधिकारियों ने बड़े पैमाने पर तबादलों पर पुनर्विचार की मांग की

– अधिकारियों के स्थानांतरण से बैंक के प्रदर्शन पर नकारात्मक प्रभाव का खतरा

नई दिल्ली ।

पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के वरिष्ठ अधिकारियों के संगठन ने बैंक प्रबंधन से बड़े पैमाने पर किए गए तबादलों पर पुनर्विचार की मांग की है। संगठन का कहना है कि ऐसे अचानक और व्यापक स्थानांतरण बैंक के संचालन और प्रदर्शन को प्रभावित कर सकते हैं। ऑल इंडिया पंजाब नेशनल बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन ने प्रबंध निदेशक एवं सीईओ अशोक चंद्रा को पत्र लिखकर बताया कि 1,142 स्केल-4 अधिकारियों के तबादले किए गए हैं, जो कुल इस स्तर के अधिकारियों का लगभग 25 प्रतिशत हैं। संघ ने आरोप लगाया कि यह कदम नीति का पालन किए बिना मनमाने ढंग से उठाया गया और इसमें महिलाओं को भी राहत नहीं दी गई। संगठन ने प्रबंधन से आग्रह किया है कि वह संतुलित और मानवीय नीति अपनाए, ताकि बैंक की तरक्की और कर्मचारियों का मनोबल बना रहे। पीएनबी में लगभग एक लाख कर्मचारी हैं, जिनमें स्केल-4 स्तर के करीब 4,000 अधिकारी शामिल हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इतने बड़े पैमाने पर तबादले बैंक के संचालन और ग्राहक सेवा पर असर डाल सकते हैं।

प्याज का निर्यात 90 फीसदी घटा

-2200 रुपए क्विटल की प्याज, 800 रुपए क्विंटल पर आई

-बाजार में मांग कम, किसान परेशान

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख प्याज मंडियों में इस समय हालात चिंताजनक बने हुए हैं। निर्यात में करीब 90 फीसदी गिरावट आने से किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। पिछले साल जिस प्याज का भाव 2200 रुपए प्रति क्विंटल तक पहुंच गया था, वही अब घटकर करीब 800 रुपए प्रति क्विंटल पर बिक रही है। मांग में कमी और अंतरराष्ट्रीय बाजार में सुस्ती का सीधा असर घरेलू कीमतों पर पड़ा है।व्यापारियों का कहना है कि विदेशों में ऑर्डर कम मिलने और परिवहन लागत बढ़ने से निर्यात प्रभावित हुआ है। वहीं स्थानीय बाजारों में भी खपत घटने से कीमतों में लगातार गिरावट देखी जा रही है। इसका सबसे ज्यादा असर किसानों पर पड़ा है, जिन्हें लागत निकालना भी मुश्किल हो रहा है। कई किसान सरकार से राहत पैकेज और निर्यात प्रोत्साहन की मांग कर रहे हैं, ताकि उन्हें आर्थिक संकट से उबारा जा सके।

बीते डेढ़ महीने में सोना 41 हजार और चांदी 1.5 लाख रुपए टूटी

– डॉलर की मजबूती और वैश्विक आर्थिक अस्थिरता के कारण हो रही गिरावट

मुंबई ।

भारत में बीते डेढ़ महीने में सोने और चांदी की कीमतों में तेज गिरावट दर्ज की गई है। इंडियन बुलियन ज्वैलर्स लिमिटेड के आंकड़ों के अनुसार 29 जनवरी 2026 को 24 कैरेट सोना 1,75,340 रुपए प्रति 10 ग्राम था, जो 2 अप्रैल 2026 को घटकर 1,34,293 रुपए हो गया। इसी अवधि में चांदी की कीमत भी 3,79,888 से घटकर 2,27,813 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई। इस तरह केवल डेढ़ महीने में सोने में 41,047 और चांदी में 1,52,075 रुपए की गिरावट दर्ज की गई। पिछले एक महीने की बात करें तो 2 मार्च 2026 को सोना 1,67,471 और चांदी 2,89,848 रुपए पर थी। तब से अब तक सोने में 33,178 रुपए और चांदी में 62,035 रुपए की कमी आई है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह गिरावट मुख्य रूप से डॉलर की मजबूती और वैश्विक आर्थिक अस्थिरता के कारण हो रही है।

युद्ध जैसी वैश्विक घटनाओं और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने निवेशकों को सुरक्षित निवेश के लिए डॉलर की ओर आकर्षित किया है, जिससे कीमती धातुओं की मांग घट रही है। विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि सोने और चांदी में निवेश जोखिम से मुक्त नहीं है और कीमतों की अस्थिरता अभी भी जारी रह सकती है।

इसलिए निवेशकों को बाजार की स्थिति और अंतरराष्ट्रीय रुझानों पर ध्यान देते हुए निवेश करने की सलाह दी जाती है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि लंबी अवधि में सोना और चांदी फिर से सुरक्षित निवेश विकल्प बन सकते हैं, लेकिन वर्तमान दौर में तेजी से उतार-चढ़ाव के कारण सतर्कता जरूरी है।

ट्रंप के टैरिफ का भारत पर संभा वित असर

नई दिल्ली ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रांडेड और पेटेंटेड दवाओं तथा उनके एक्टिव इंग्रेडिएंट्स पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने का फैसला किया है। इसका भारत पर संभावित असर रहेगा, क्योंकि देश की फार्मा कंपनियों का अमेरिका में बड़ा निर्यात बाजार है। फिलहाल जेनेरिक, बायोसिमिलर और आवश्यक दवाएं टैरिफ से बाहर हैं, जिससे कई कंपनियों की निर्यात गतिविधियां सुरक्षित हैं। हालांकि, पेटेंटेड दवाओं और एपीआई पर बढ़ते टैरिफ से भारतीय कंपनियों की लागत बढ़ सकती है और उनका प्रतिस्पर्धात्मक लाभ घट सकता है। टैरिफ से अमेरिका में उत्पादन और रिसर्च को बढ़ावा मिलेगा। लंबे समय में इससे भारत में निवेश, उत्पादन और वैश्विक सप्लाई चेन पर दबाव पड़ सकता है, जबकि अमेरिकी बाजार में भारतीय फार्मा कंपनियों की हिस्सेदारी सीमित होने की संभावना है।

नए हफ्ते आईपीओ बाजार रहेगा सुस्त, केवल 2 नए इश्यू खुलेंगे

मुंबई ।

6 अप्रैल से शुरू हो रहे सप्ताह में प्राइमरी मार्केट में ज्यादा गतिविधि नहीं रहने की संभावना है। इस दौरान केवल दो नए आईपीओ निवेशकों के लिए खुले रहेंगे, जबकि एक पहले से खुला आईपीओ भी जारी रहेगा। वहीं ``` वि विध इलेक्ट्रोमेक के शेयर बाजार में डेब्यू करेंगे। सेफ्टी कंट्रोल एंड` डिवाइस का 48 करोड़ रुपए का आईपीओ 6 अप्रैल से खुलकर 8 अप्रैल को बंद होगा। प्राइस बैंड 75-80 रुपए प्रति शेयर और लॉट साइज 1,600 शेयर है।

यह एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होगा और संभावित लिस्टिंग 13 अप्रैल को बीएसई एसएमई पर होगी। प्रोस्फेयर सेलेस्टा का आईपीओ 10 अप्रैल से 16 अप्रैल तक निवेशकों के लिए खुलेगा। कंपनी 244.65 करोड़ रुपए जुटाने का लक्ष्य रख रही है। प्राइस बैंड 10 लाख से 10.5 लाख रुपए प्रति शेयर तय किया गया है। संभावित लिस्टिंग 24 अप्रैल को बीएसई पर हो सकती है।

27 मार्च को खुला इमाइक टेक्नोलॉजी का आईपीओ 8 अप्रैल तक खुलेगा। इसे अब तक करीब 35 फीसदी सब्सक्रिप्शन मिला है।

वहीं` विविध इलेक्ट्रोमेक के 130.54 करोड़ के शेयर 7 अप्रैल को एनएसई एसएमई पर लिस्ट होंगे, जो पूरी तरह सब्सक्राइब हो चुके हैं।

वेदांता का मार्च तिमाही में एल्युमिनियम, जिंक का उत्पादन बढ़ा, लौह अयस्क का घटा

– वित्त वर्ष 2025-26 की अंतिम तिमाही में कंपनी का उत्पादन क्षेत्रवार मिला-जुला रहा

नई दिल्ली।

खनन और ऊर्जा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी वेदांता लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025-26 की अंतिम तिमाही का परिचालन परिणाम जारी कर` दिया है। रिपोर्ट में एल्युमिनियम और जस्ता उत्पादन में वृद्धि दर्ज की गई, जबकि तेल, लौह अयस्क और इस्पात उत्पादन में गिरावट देखने को मिली। कंपनी के अनुसार मार्च तिमाही में कुल एल्युमिनियम उत्पादन में 2 फीसदी वृद्धि हुई। इसके साथ ही जिंक इंडिया के खनन धातु उत्पादन में भी 2 फीसदी का इजाफा हुआ। यह संकेत है कि धातु खंडों में मांग और परिचालन क्षमता अपेक्षाकृत मजबूत बनी हुई है। हालांकि, तेल एवं गैस खंड में कंपनी का औसत दैनिक सकल उत्पादन 15 फीसदी घटकर 81,500 बैरल प्रति दिन रह गया। वहीं बिक्री-योग्य लौह अयस्क उत्पादन में 3 फीसदी और इस्पात उत्पादन में 1 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। कंपनी ने बयान में कहा कि वह कुशलता बढ़ाने, परिचालन पैमाने का विस्तार करने और दीर्घकालिक मूल्य सृजन पर ध्यान केंद्रित कर रही है। वेदांता का व्यवसाय वैश्विक प्राकृतिक संसाधन और प्रौद्योगिकी समूह के तहत खनिज, ऊर्जा संक्रमण धातुएं, तेल एवं गैस और बिजली जैसे प्रमुख क्षेत्रों में फैला हुआ है।

विश्लेषकों का मानना है कि यह मिला-जुला प्रदर्शन वैश्विक कच्चे माल की कीमतों, मांग में उतार-चढ़ाव और ऊर्जा क्षेत्र की चुनौतियों को दर्शाता है। एल्युमिनियम और जस्ता में वृद्धि कंपनी की कुछ मजबूत धातु लाइन को उजागर करती है

, जबकि तेल, लौह अयस्क और इस्पात में गिरावट उद्योग में अस्थिरता और बाहरी दबाव का संकेत देती है।

इनॉक्सएपी ने होसुर में नया शुद्ध तरल ऑक्सीजन प्लांट शुरू किया

नई दिल्ली ।

औद्योगिक, इलेक्ट्रॉनिक और मेडिकल गैस निर्माता इनॉक्स एयर प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (इनॉक्सएपी) ने तमिलनाडु के होसुर में नया अति शुद्ध (यूपीएच) तरल ऑक्सीजन प्लांट सफलतापूर्वक चालू किया है। कंपनी का कहना है कि यह कदम देश के उन्नत विनिर्माण इकोसिस्टम को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। कंपनी ने बताया कि नया प्लांट विशेष रूप से सेमीकंडक्टर और सोलर सेल निर्माण जैसे उभरते क्षेत्रों को समर्थन देगा। इससे उच्च गुणवत्ता वाली तरल ऑक्सीजन की उपलब्धता बढ़ेगी और घरेलू विनिर्माण क्षमता मजबूत होगी। इनॉक्सएपी का यह कदम तकनीकी नवाचार और उन्नत विनिर्माण इकोसिस्टम को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। इससे देश में औद्योगिक और मेडिकल गैस के क्षेत्र में मजबूती आएगी।

संक्षिप्त डायरी

बिहार में रविवार तक रहेगी ज्यादा गर्मी

पटना (एजेंसी) बिहार में अभी तपिश वाली गर्मी लोगों को झेलनी पड़ रही है. मौसम विभाग की माने तो, रविवार (5 अप्रैल) तक इसी तरह की गर्मी लोगों को सताएगी. तापमान में कुछ खास बदलाव की संभावना नहीं है. लेकिन 6 अप्रैल से मौसम यू-टर्न ले सकता है. बिहार में अगले दो से तीन दिनों के दौरान अधिकतम और न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है. लेकिन इसके बाद गिरावट हो सकती है. मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, बिहार के अधिकांश इलाकों में रविवार तक गर्मी अधिक महसूस होगी और रात का तापमान बढ़ा रहेगा. दिन में तेज धूप के साथ हल्की धूल भरी हवा भी कहीं-कहीं चलने की संभावना है.6 अप्रैल को मौसम लेगा यू-टर्न मौसम विभाग की माने तो, 6 अप्रैल से मौसम यू-टर्न लेगा और तेज आंधी बारिश की संभावना जताई गई है. मौसम विभाग के मुताबिक, 6 अप्रैल को बक्सर, भोजपुर, अरवल, कैमूर, रोहतास और औरंगाबाद में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है. इसके अलावा पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, सीतामढ़ी, शिवहर, मधुबनी, गोपालगंज, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, सिवान, सारण, वैशाली, समस्तीपुर, पटना, बेगूसराय, जहानाबाद, नालंदा, शेखपुरा, लखीसराय, गया और नवादा जिले में येलो अलर्ट जारी किया गया है. इन जिलों में तेज बारिश, ठनका गिरने और 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की भी संभावना जताई गई है. 6 अप्रैल के बाद तीन से चार दिनों तक बिहार में मौसम का मिजाज इसी तरह का बना हुआ रहेगा. पिछले 24 घंटे में कैसा रहा मौसम? बिहार में पिछले 24 घंटों के दौरान मौसम आमतौर पर शुष्क बना रहा. सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान 38.4 डिग्री सेल्सियस डेहरी (रोहतास), शेखपुरा और कैमूर (भभुआ) में दर्ज किया गया. राज्य का अधिकतम तापमान 30.3 से 38.4 डिग्री के बीच रहा. पिछले 24 घंटों के दौरान अधिकांश जगहों पर अधिकतम तापमान में एक से तीन डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई. सबसे कम न्यूनतम तापमान 18.4 डिग्री सुखेत (मधुबनी) में दर्ज किया गया. राज्य का न्यूनतम तापमान 18.4 से 26.6 डिग्री के बीच रहा. साथ ही पिछले 24 घंटों में बिहार के अनेक जगहों के न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव दर्ज नहीं किया गया. अप्रैल में ही गिर रहा भूजल स्तर बिहार में अचानक से बढ़ी गर्मी के कारण लगभग 21 जिलों के भूजल नीचे जाने लगा है. अप्रैल महीने की शुरूआत में ही राज्य में 126 ऐसी पंचायतें हैं, जहां दो से पांच फुट तक गिरावट दर्ज की गई है. पीएचईडी से मिली जानकारी के मुताबिक पटना, बिहारशरीफ, गया, नवादा, औरंगाबाद, अरवल, भभुआ, जमुई, भागलपुर पूर्व और पश्चिम, बांका, सीतामढ़ी, दरभंगा, भोजपुर, गोपालगंज, मधुबनी, सहरसा, जहानाबाद, शेखपुरा, लखीसराय, खगड़िया, समस्तीपुर में भूजल में गिरावट मार्च से ही शुरू हो गई है. विभाग ने इन जिलों में निगरानी बढ़ाने का निर्देश दिया है. साथ ही 11 अप्रैल को पटना में भूजल को स्थिर रखने और भूजल में हो रही गिरावट को लेकर बैठक बुलाई गई है.

महिला आरक्षण बिल: संजय सरावगी बोले 30 साल में जो न हुआ मोदी ने 2 मिनट में किया

पटना (एजेंसी) बिहार भाजपा अध्यक्ष संजय सरावगी ने महिला आरक्षण बिल को लेकर कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है; उन्होंने कहा कि जो काम कांग्रेस 30 साल में नहीं कर सकी, उसे पीएम मोदी ने दो दिन में पूरा कर इतिहास रच दिया. महिला आरक्षण विधेयक यानी नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर देश की राजनीति एक बार फिर गर्म है. बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने इस मुद्दे पर कांग्रेस पर सीधा अटैक किया है. सरावगी ने कांग्रेस को टारगेट करते हुए कहा बड़ा हमला बोला उन्होंने पत्रकारों से बातचीत कहा, जो काम कांग्रेस 30 साल में नहीं कर पाई उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2 मिनट में कर डाला. संजय सरावगी ने महिला आरक्षण विधेयक को पारित करने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ की. साथ ही उन्होंने इसे कांग्रेस की राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी करार दिया. कांग्रेस पर सीधा हमला संजय सरावगी ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा महिलाओं के राजनीतिक अधिकारों से वचिंत रखने का प्रयास करती रही है. इसी अनदेखी का नतीजा है कि कांग्रेस 3 दशकों का लगातार सत्ता में बनी रही बावजूद उसने महिलाओं के अधिकारो के लिए, उनकी सशक्तिकरण के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया. उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी ने महिला सशक्तिकरण के नाम पर सिर्फ राजनीति की. कांग्रेस पूरी तरह से असफल भाजपा नेता संजय सरावगी ने कहा कि महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में उचित प्रतिनिधित्व देना सिर्फ भारतीय जनता पार्टी का एक वादा नहीं है बल्कि यह लोकतंत्र की मजबूती के लिए जरूरी भी है. उन्होंने कहा, कांग्रेस इस जिम्मेदारी को निभाने में पूरी तरह असफल रही. महिला सशक्तिकरण का नया दौर शुरू भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि 2014 के बाद से देश में महिला सशक्तिकरण का नया दौर शुरू हो गया है. महिलाओं को मजबूती देने की दिशा में बड़े काम हुए हैं. जो देश के लिए निर्णायक रहे हैं. संजय सरावगी ने कहा कि केंद्र सरकार की प्राथमिकता महिलाओं को केवल सामाजिक ही नहीं, बल्कि आर्थिक रूप से भी आत्मनिर्भर बनाना चाहती है. उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियमह्न इसी सोच का परिणाम है. अब देश की आधी आबादी को नेतृत्व की मुख्यधारा में लाने का रास्ता तैयार हो गया है. 2029 चुनाव पर नजर? सरावगी ने यह भी संकेत दिया कि आने वाले समय में इस कानून का बड़ा राजनीतिक असर देखने को मिलेगा. उन्होंने कहा कि 2029 के चुनावों में महिलाओं की भागीदारी ऐतिहासिक रूप से बढ़ेगी और इससे भारतीय लोकतंत्र और मजबूत होगा. इधर, राजनीतिक जानकारों का यह भी मानना है कि बीजेपी की ओर से नारी शक्ति वंदन अधिनियम बंगाल चुनाव को ध्यान में रख कर पारित किया गया. इसका असर बंगाल चुनाव पर पड़ना लाजमी है. बंगाल में महिलाएं निर्णाय स्थिति में हैं. ऐसे में बिहार की तरह ही बंगाल में भी महिलाओं का वोट बीजेपी के खाते में जाने का प्लेट फॉर्म तैयार हो गया है

टीआरई 1 से 3 तक के 4000 शिक्षकों की कुंडली खंगाल रहा विभाग

पटना (एजेंसी) सहरसा जिले में बिहार लोक सेवा आयोग के माध्यम से नियुक्त हुए शिक्षकों के दस्तावेजों में बड़ी गड़बड़ी मिली है. टीआरई 1 से 3 के बीच नियुक्त करीब 4000 शिक्षकों के प्रमाणपत्रों के वेरिफिकेशन के दौरान कई फर्जी पाए गए हैं. इससे शिक्षा विभाग में खलबली मची हुई है. बिहार के सहरसा जिले में कुछ शिक्षक जांच में फर्जी पाए गए हैं. जांच में उनके प्रमाण पत्रों में गड़बड़ी पाई गई है. इससे उनकी नौकरी पर खतरा मंडरा रहा है. पिछले तीन-चार साल में बीपीएससी के जरिए टीआरई-1, टीआरई-2 और टीआरई-3 के तहत करीब चार हजार से ज्यादा शिक्षकों की नियुक्ति हुई थी. इन सभी शिक्षकों के डाक्यूमेंट्स की जांच की जा रही है. इसी दौरान कई ऐसे मामले सामने आए हैं, माना जा रहा है कि शिक्षा माफिया का जाल इतना मजबूत है कि उसकी पहुंच हाई लेवल तक है. ऐसे में विभाग अब और सख्ती से जांच कर रहा है. बिहार की ताजा खबरों के लिए क्लिक करें पहले भी पकड़े गए फर्जी टीचर यह पहला मामला नहीं है. इससे पहले भी 2012 से 2015 के बीच पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर शिक्षक भर्ती में कई फर्जी लोग पकड़े गए थे. उस समय भी कई लोगों की नौकरी चली गई थी. अब एक बार फिर वैसी ही स्थिति बनती दिख रही है. फिलहाल शिक्षा विभाग लगातार सभी शिक्षकों के प्रमाण पत्रों का वेरिफिकेशन कर रहा है. जिन लोगों के कागज सही नहीं पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई तय मानी जा रही है.

बिहार में नई सरकार का काउंटडाउन: नीतीश के इस्तीफे के बाद कौन बनेगा मुख्यमंत्री दिल्ली से पटना तक मंथन तेज

भाजपा का मुख्यमंत्री और जदयू के दो डिप्टी सीएम जानिए क्या है 2026 का नया 'पावर गेम'

पटना (एजेंसी) बिहार में नई सरकार का खाका अब तक पूरी तरह तैयार नहीं हो पाया है। दिल्ली और पटना में बैठे अलाकमान मंथन कर रहे हैं। मंत्रिमंडल में किसे शामिल किया जाएगा? किसे दोबारा मौका नहीं दिया जाएगा? कौन सा दल क्या चाह रहा है? आइये सबकुछ जानते हैं... बिहार का मुख्यमत्री कौन होगा? यह अब तक तय नहीं हुआ है। 10 अप्रैल को सीएम नीतीश कुमार राज्यसभा में शपथ लेंगे। इसके बाद वह कभी भी मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे सकते हैं। संभावन है कि खरमास के बाद नई सरकार का गठन कर दिया जाएगा। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान समेत कुछ नेताओं ने स्पष्ट कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के बीच मुख्यमंत्री पद को लेकर चर्चा चल रही है। दिल्ली में बैठे आलाकामन ने कुछ नामों पर चर्चा कर रही है। अंतिम मुहर अब तक नहीं लग पाई है। इधर, सोशल मीडिया पर नई सरकार के मंत्रिमंडल का गठन भी रोज हो रहा है। ऐसे में क्या है बिहार में सत्तारूढ़ दलों का मंत्रिमंडल जदयू के वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि नई सरकार बनाने में भी नीतीश कुमार की अहम भूमिका होगी। निशांत कुमार को बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। वहीं भाजपा नेताओं का कहना है कि संगठन जिसे भी मुख्यमंत्री के रूप में चुनेगा, वह हमलोगों को सर्वमान्य होगा। वरिष्ठ पत्रकार प्रवीण बागी ने कहा कि भाजपा इस बार सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। 89 विधायक भाजपा के पास है। सीएम नीतीश कुमार के इस्तीफा देने के बाद यह तो तय है कि अगला मुख्यमंत्री भाजपा का ही होगा। इसके लिए दिल्ली दरबार में मंथन चल जारी है। इस स्थिति में डिप्टी सीएम का पद जनता दल यूनाईटेड के पास जाएगा। फिलहाल भाजपा कोटे से दो डिप्टी सीएम हैं। जदयू की ओर से भी दो डिप्टी सीएम का दावा किया जा सकता है। नई कुछ ऐसे नए चेहरों को मौका मिला सकता है। हालांकि, मौजूदा सरकार में बड़े चेहरे हैं उन्हें सरकार रिपीट जरूर करेगी। हाल के दिनों में विपक्ष ने जिन मंत्रियों पर सवाल उठाया है, उनपर दोबारा विचार कर रहा है। जदयू अपने पास गृह और विधानसभा अध्यक्ष का पद चाह रहा राजनीतिक गलियारे से यह बात सामने आ रहे हैं कि इस बार जदयू अपने पास गृह और विधानसभा अध्यक्ष का पद चाह रहा है। कई वर्षों तक सीएम नीतीश कुमार ने अपने पास गृह विभाग रखा था। साथ ही कई विभागों में बदलाव भी चाह रहा है। हालांकि, मंत्रिमंडल में भी भाजपा बड़े भाई की भूमिका में नजर आ सकते हैं। यानी भाजपा के मंत्रियों की संख्या जदयू की तुलना में अधिक रहेंगे। बाकी दलों के मंत्रियों की संख्या जस की तस रहेगी। सूत्र बता रहे हैं डिप्टी सीएम के लिए निशांत कुमार का नाम सबसे पहले नंबर पर है। इसके बाद विजय चौधरी का नाम सामने आ रहा है। विजय चौधरी सीएम नीतीश कुमार के सबसे करीबी नेताओं में से एक हैं। पार्टी में इन दोनों के नाम पर किसी को ऐतराज भी नहीं है। चिराग, उपेंद्र और मांझी के पार्टी से कितने मंत्री बनेंगे? 2025 के विधानसभा चुनाव के बाद जो सरकार बनी, उसमें 26 मंत्रियों ने शपथ ली थी।

बिहार में अप्रैल के अंत तक जीविका दीदियों के खाते में ट्रांसफर होंगे 20-20 हजार, तैयारी शुरू

पटना (एजेंसी) बिहार में अप्रैल महीने के अंत तक जीविका दीदियों के खाते में 20-20 हजार रुपए ट्रांसफर किए जा सकते हैं. मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत अब महिलाओं को दूसरी किस्त देने की तैयारी की गई है. अब तक लगभग 19 लाख जीविका दीदियों ने आवेदन किया है. मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत महिलाओं को इंडिपेंडेंट बनाने की पहल बिहार सरकार की ओर से की गई. पहले जीविका दीदियों को 10-10 हजार रुपए सहायता राशि दी गई. अब उन्हें 20-20 हजार रुपए दिए जाने की तैयारी की जा रही है. यह दूसरी किस्त के रूप में जीविका दीदियों को दी जायेगी. अप्रैल के अंत तक मिल सकती है राशि संभावना जताई जा रही है कि अप्रैल महीने के अंत तक ही जीविका दीदियों के खाते में यह अमाउंट ट्रांसफर कर दिया जा सकता है. जीविका दीदियों की ओर से विकसित किए गए ऐप के जरिए ही चयन प्रक्रिया शुरू की गई है. जानकारी के मुताबिक, अब तक जिन महिलाओं ने अपना रोजगार शुरू किया है, उन्हें प्रायोरिटी लिस्ट में प्रीफरेंस देने का प्रावधान किया गया है. सिर्फ इन जीविका दीदियों को मिलेंगे 20-20 हजार पहली किस्त के रूप में 10-10 हजार रुपए दिए जाने के बाद कितनी महिलाओं ने अपना रोजगार शुरू किया, इसकी पहले मैपिंग की जाएगी. इसी दौरान महिलाओं को चिह्नित किया जाएगा और उन जीविका दीदियों को 20-20 हजार रुपए दिए जायेंगे. इसमें खुद के 5 हजार रुपए और लगाकर जीविका दीदियां रोजगार को बढ़ा सकतीं हैं. अब तक इस योजना के तहत लगभग 1.81 करोड़ महिलाओं को दस-दस हजार रुपए दिए गए हैं. 5 फेज में कितनी-कितनी राशि होंगे ट्रांसफर जानकारी के मुताबिक, जीविका दीदियों को 5 फेज में 2 लाख रुपए की सहायता राशि दी जाएगी. दूसरी में किस्त में 20 हजार, तीसरी में 40 हजार, चौथी में 80 हजार और पांचवीं में 60 हजार रुपए की राशि दी जाएगी. इसके साथ ही हर फेज में जीविका दीदियों को दी गई राशि कहां-कहां खर्च की गई, इसके बारे में जानकारी देनी पड़ेगी. सत्यापन होने के बाद ही अगले फेज की राशि उन्हें दी जाएगी.

बिहार के कृषि मंत्री के समधी के घर दनादन फायरिंग, 3 घायल, मौके से खोखा बरामद

पटना (एजेंसी) बिहार के कृषि मंत्री रामकृपाल यादव के समधी के घर पर ताबड़तोड़ फायरिंग की गई. इतना ही नहीं, इस दौरान हिंसक झड़प भी हुई, जिसमें 3 लोग घायल हो गए. पुलिस ने मौके से गोली का खोखा भी बरामद किया है. पटना के मनेर थाना इलाके के व्यापुर पूर्वी गली में शुक्रवार की देर रात उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब बिहार सरकार के कृषि मंत्री रामकृपाल यादव के समधी के घर पर हमला कर दिया गया. बताया जा रहा है कि हमलावरों ने फायरिंग के साथ-साथ तलवार, लाठी और रोड़ेबाजी भी जमकर की. इस हिंसक घटना में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. ये सभी घटना में हुए घायल घायलों में समधी राजेंद्र प्रसाद के बेटे राजेश कुमार उर्फ पप्पू, स्वर्गीय भूपेंद्र सिंह के बेटे मनीष उर्फ गुड्डू और नितीश उर्फ बबलू शामिल हैं. मनीष और नितीश का इलाज में चल रहा है, जबकि पप्पू को दानापुर के एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया है. इन सभी लोगों पर लगा आरोप परिजनों के अनुसार, मुकेश, दीपक (स्व. सतेंद्र का बेटा) और प्रिंस समेत चार लोगों पर हमले का आरोप है. आरोप है कि हमलावरों ने करीब 15 राउंड फायरिंग की और उसके बाद तलवार और लाठी-डंडों से हमला किया. घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें फायरिंग की आवाजें सुनी जा सकती हैं. घटना की जांच में जुटी पुलिस घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल से गोली के खोखे बरामद किए. पटना पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है. घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है. एहतियात के तौर पर पुलिस बल की तैनाती बढ़ा दी गई है.

जे. डी. यू. ऑफिस के बाहर लगा पोस्टर, निशांत कुमार को फिर बताया फ्यूचर सीएम ऑफ बिहार

पटना (एजेंसी) पटना में जेडीयू ऑफिस के बाहर एक बार फिर पोस्टर लगाया गया है, जिसमें सीएम नीतीश के बेटे निशांत कुमार को फ्यूचर सीएम बताया गया. जेडीयू की ओर से दोबारा निशांत कुमार को फ्यूचर सीएम बताने के बाद सियासी पारा चढ़ गया है. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 10 अप्रैल को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेंगे. इसके बाद वे जल्द ही सीएम पद से इस्तीफा भी देंगे. ऐसे में बिहार के अगले सीएम फेस पर सस्पेंस बरकरार है. इस बीच जेडीयू ने एक बार फिर जेडीयू ऑफिस और पटना के अलग-अलग चौक चौराहों पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनके बेटे निशांत कुमार को लेकर पोस्टर लगाया गया है. इससे सियासी हलचल तेज हो गई है. पोस्टर में क्या-क्या लिखा? इस पोस्टर के जरिए निशांत कुमार को फिर से फ्यूचर सीएम बताया गया है. पोस्टर में लिखा गया, नीतीश सेवक, मांगे निशांत. अब नए चेहरे पर क्यों करें विचार, जब क्लाइमेट लीडर के संकल्पों को पूरा करने के लिए तैयार हैं, भाई निशांत कुमार. इस पोस्टर में सीएम नीतीश और निशांत कुमार की तस्वीर भी है. जेडीयू की तरफ से लगातार निशांत कुमार को ही अगला मुख्यमंत्री बनाए जाने की मांग की जा रही है. ससे पहले लगे पोस्टर में क्या-क्या लिखा गया था? इससे पहले जो पोस्टर लगाया गया था, उसमें भी निशांत कुमार की फोटो के नीचे फ्यूचर उट ऑफ बिहार लिखा था. साथ ही सीएम नीतीश कुमार के लिए लिखा था, क्यों कर रहे हैं आप ऐसा विचार, जब बिहार वासियों को स्वीकार नहीं कि आप मुख्यमंत्री पद छोड़ जाएं बिहार.ह्न इस तरह से सीएम नीतीश कुमार से राज्यसभा नहीं जाने की अपील की गई थी. लेकिन मुख्यमंत्री अब जल्द ही शपथ लेने वाले हैं. सीएम फेस को लेकर चर्चा तेज जेडीयू के विधायक अनंत सिंह, जेडीयू नेता आनंद मोहन समेत पार्टी के कई कार्यकर्ता निशांत कुमार को ही मुख्यमंत्री बनाने की अपील कर रहे हैं. इसके अलावा जेडीयू ज्वाइन करने जब निशांत कुमार ऑफिस पहुंचे थे, उस दिन भी पार्टी के कार्यकताओं ने उन्हें ही सीएम फेस बताया था. जबकि बीजेपी की ओर से डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी को सपोर्ट किया जा रहा है. लेकिन अब तक एनडीए की तरफ से सीएम फेस को लेकर आधिकारिक तौर पर फैसला नहीं लिया गया है कि या जा रहा है.

बांका में देवघर से लौट रहे कार और बाइक की जबरदस्त टक्कर, 3 लोगों की मौत

पटना (एजेंसी) बिहार के बांका जिले में भयंकर रोड एक्सीडेंट में तीन लोगों की मौत हो गई. देखते ही देखते मौके पर चिख पुकार मच गई. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और आगे की जांच में जुट गई है. बिहार के बांका जिले में दर्दनाक घटना घटना घटी. जिले के जिलेबियामोड़ थाना इलाके में देवघर-सुल्तानगंज मुख्य मार्ग पर बिज्जीखरबा जिलेबिया मोड़ के बीच शनिवार की सुबह कार और बाइक की जबरदस्त टक्कर हो गई. इस जोरदार टक्कर से बाइक सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई. जबकि इस घटना में कार सवार चार व्यक्ति जख्मी हो गए हैं. मौके से कार का ड्राइवर फरार हादसे में घायल लोगों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है. घटना के बाद कार का ड्राइवर मौके से फरार हो गया. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस आनन-फानन में मौके पर पहुंची और हादसे की पूरी जानकारी ली. पुलिस ने सभी मृतकों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है. इस तरह से हुई बांका में घटना जानकारी के अनुसार, फुल्लीडूमर थाना इलाके के बैनरझोप गांव के सुरेंद्र साह(46 साल), रूपेश कुमार साह(28 साल) और बालेश्वर साह (59 साल) एक बाइक पर सवार होकर निजी काम से साहबगंज के मटिहानी गांव जा रहे थे. इसी दौरान झारखंड के गढ़वा जिला के मोरवे गांव के कुछ लोग कार से सुल्तानगंज से जल भरकर देवघर पूजा करने जा रहा थे. तभी घटनास्थल पर कार और बाइक की आपस में टक्कर हो गई. घटना में बाइक चकनाचूर हो गया है. थानाध्यक्ष राजू कुमार ठाकुर ने क्या बताया? जबकि कार दुर्घटनाग्रस्त होकर सड़क के किनारे एक गड्ढे में जा गिरा. कार में सवार लोगों में प्रवीण कुमार गुप्ता, पुष्पा कुमारी, प्रिया कुमारी और खुशबू कुमारी जख्मी हुई है. थानाध्यक्ष राजू कुमार ठाकुर ने बताया कि कार के जोरदार टक्कर से बाइक सवार तीन व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई है. जिसे पोस्टमार्टम के लिए बांका भेज दिया

समस्तीपुर तक सप्तक्रांति एक्सप्रेस के विस्तार का विरोध, जानिए क्या है मामला

पटना (एजेंसी) समस्तीपुर तक सप्तक्रांति एक्सप्रेस के विस्तार का विरोध किया जा रहा है. इसे रेल यात्रियों के हित के खिलाफ बताया जा रहा है. खासकर चंपारण के लोगों के लिए नुकसान बताया गया. बगहा मंडल रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति के सदस्य राकेश सिंह ने सप्तक्रांति एक्सप्रेस को समस्तीपुर तक विस्तारित करने की किसी भी पहल का कड़ा विरोध किया है. उन्होंने कहा कि यह प्रस्ताव अव्यावहारिक है और चंपारण के रेल यात्रियों के हितों के खिलाफ है. मीडिया से बातचीत में राकेश सिंह ने बताया कि समस्तीपुर की सांसद शांभवी कुमारी की ओर से ट्रेन को समस्तीपुर तक बढ़ाने की मांग की गई है. उन्होंने कहा कि जब इस ट्रेन की शुरूआत हुई थी, तब तत्कालीन रेल मंत्री नीतीश कुमार ने इसे विशेष रूप से चंपारण के यात्रियों के लिए शुरू किया था. राकेश सिंह ने और क्या बताया? उन्होंने बताया कि समस्तीपुर से हाजीपुर होते हुए दिल्ली के लिए पहले से ही सम्पर्क क्रांति एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनें उपलब्ध हैं . इसके अलावा समस्तीपुर से राजधानी, वैशाली, स्वतंत्रता सेनानी, आम्रपाली, हमसफर, अवध असम, गरीब रथ और उदयपुर सिटी एक्सप्रेस जैसी कई गाड़ियां संचालित होती हैं. साथ ही नरकटियागंज रूट से हर रोज केवल सप्तक्रांति एक्सप्रेस और सत्याग्रह एक्सप्रेस ही चलती हैं, जिनमें यात्रियों को टिकट मिलने में काफी परेशानी होती है. चंपारण के लोगों को होगा नुकसान राकेश सिंह ने यह भी कहा कि अगर सप्तक्रांति एक्सप्रेस का विस्तार समस्तीपुर तक किया गया, तो चंपारण के यात्रियों के लिए सीट उपलब्धता और अधिक कठिन हो जाएगी. उन्होंने कहा कि यह इस रूट की एकमात्र सुपरफास्ट ट्रेन है, इसलिए इसके विस्तार से स्थानीय यात्रियों को नुकसान होगा. इस रूट पर ट्रेन चलाने की मांग उन्होंने सुझाव दिया कि समस्तीपुर के जनप्रतिनिधियों को पहले हाजीपुर रूट से चलने वाली सम्पर्क क्रांति और वैशाली एक्सप्रेस को नरकटियागंज रूट से चलाने की मांग करनी चाहिए. इसके बाद ही किसी विस्तार पर विचार होना चाहिए. अंत में राकेश सिंह ने कहा कि यदि इस ट्रेन के विस्तार की पहल की गई, तो चंपारण के यात्री आंदोलन के लिए बाध्य होंगे. उन्होंने वाल्मीकिनगर, बेतिया और मोतिहारी के सांसदों से भी इस मुद्दे पर सजग रहने की अपील की है .

डिप्टी सीएम विजय सिन्हा की चेतावनी, दाखिल-खारिज में अब नहीं चलेगी बहानेबाजी

पटना (एजेंसी) जमीन से जुड़े मामले जल्द ही निपटाने को लेकर डिप्टी सीएम विजय सिन्हा कई सख्त कदम उठा रहे हैं. इस बीच उन्होंने एक बार फिर चेतावनी देते हुए यह कह दिया है कि जमीन के दाखिल-खारिज में अब बहानेबाजी नहीं चलेगी. बिहार में दाखिल-खारिज मामलों में होने वाली देरी को खत्म करने के लिए राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने बड़ा कदम उठाया है. उपमुख्यमंत्री सह राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा है कि अब सक्षम न्यायालय और लंबित शब्द की स्पष्ट परिभाषा तय कर दी गई है. इससे दाखिल-खारिज मामलों को बेवजह लंबित रखने की प्रवृत्ति समाप्त होगी. साथ ही उनका जल्द ही समाधान सुनिश्चित किया जाएगा. राजस्व अधिकारियों को आदेश जारी विजय सिन्हा ने कहा कि बिहार भूमि दाखिल-खारिज अधिनियम, 2011 की धारा 6 (12) में प्रयुक्त सक्षम न्यायालय में लंबित शब्द की अलग-अलग व्याख्या के कारण कई अंचलों में दाखिल-खारिज वादों के निपटारे में देरी हो रही थी. इस समस्या को दूर करने के लिए विभाग ने समीक्षा कर सभी स्तर के राजस्व अधिकारियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए हैं. नए निर्देशों के अनुसार, सक्षम न्यायालय में दिवानी/व्यवहार न्यायालय, पटना उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय शामिल होंगे. इसके अलावा डीसीएलआर, एडीएम, डीएम, कमिश्नर कोर्ट, विधि विभाग की ओर से ऑफिशियल न्यायालय और बिहार भूमि न्यायाधिकरण को भी सक्षम न्यायालय की कैटेगरी में रखा गया है.

लंबित की परिभाषा की गई तय उपमुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि लंबित का अर्थ केवल वही विवाद होगा जो विधिवत दायर होकर कोर्ट में अंडर प्रोसेस हो, जिसमें न्यायालय की ओर से संज्ञान लिया गया हो, नोटिस जारी हुआ हो या स्थगन/अंतरिम आदेश जैसे स्टे ऑर्डर, अस्थायी या स्थायी निषेधाज्ञा या फिर स्टेटस को प्रभावी हो. केवल किसी आवेदन, आपत्ति या आवेदन का दायर होना ह्यसक्षम न्यायालय में लंबित नहीं माना जाएगा. विजय सिन्हा ने कहा कि यदि किसी सक्षम न्यायालय की ओर से स्पष्ट स्थगनादेश या अंतरिम आदेश प्रभावी नहीं है, तो राजस्व अधिकारी नियमानुसार अपनी कार्रवाई जारी रखेंगे. यदि दायर वाद की अभिप्रमाणित प्रति में स्पष्ट रूप से एडमिशन अंकित नहीं है, तो उसे भी लंबित नहीं माना जाएगा.

बच्चों को नुकसान पहुंचाने वाले खिलोने न दें

घर में छोटे बच्चे हो तो हर सदस्य का ध्यान उसकी तरफ ही रहता है। बच्चे के लिए घर में कई तरह के खिलौने भी लाए जाते हैं। उसके लिए साइकिल,वॉकर,छोटे-छोटे खिलौने ला कर रख दिये जाते हैं। कई बार बच्चे के प्यार में जाने-अनजाने अभिभावक कुछ ऐसी गलतियां कर बैठते हैं,जिससे बच्चे की सेहत को नुकसान पहुंच सकता है। आपके घर में भी छोटा बच्चा है। तो इन बातों पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। आपके लिए जानना जरूरी है कि कौन से बच्चों के उत्पाद नुकसान पहुंचा रहे हैं।

टीथर

बच्चे रंग-बिरंगे खिलौने देखकर बहुत खुश होते हैं और हर चीज को मुंह में डालते हैं। आप शायद इस बात को नजरअंदाज कर रहे हैं कि इस खिलौने से बच्चे को संक्रमण होने का डर रहता है। बच्चे को यह खिलौने देने से पहले इस पर धूल मिट्टी के कण पड़े होते हैं। जिसे बहुत से लोग बार-बार साफ नहीं करते और कई बार तो बडे लोगों के हाथ के कीटाणु भी इस पर लग जाते हैं। जिससे बच्चे को उल्टी, पेटदर्द, दस्त जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

वाकर

बच्चा जल्दी चलना सीख लें इसलिए ज्यादातर लोग बच्चे को वॉकर लाकर दे देते हैं। माना जाता है कि इसमें बैठकर वह जल्दी चलना सीख जाते हैं और मांसपेशियां भी मजबूत होती हैं। एक शोध में यह बात सामने आई है कि इससे बच्चे को खुद का बैलेंस बनाने में परेशानी होने लगती है। वह डर-डर कर जमीन पर अपने पांव रखता है।

दूध की बोतल

छोटे बच्चे के लिए मां का दूध ही सही आहार है। कुछ कामकाजी औरतें बच्चे बोतल से दूध पिलाती हैं। इससे बच्चे के पेट में हवा भर जाती है,जिससे उसे पेट गैस की परेशानी हो सकती है। अगर बोतल में दूध पिला रहे हैं तो साफ-सफाई का भी बहुत ध्यान रखने की जरूरत है। दूध पिलाने से पहले बोतल को जरूर उबाल लें।

बच्चों के लिए बेहद जरूरी है कैल्शियम

कैल्शियम बच्चों के लिए बेहद जरूरी है। इसकी कमी से हड्डियां कमजोर हो जाती है। ऐसे में बच्चों के लिए भी ये काफी जरुरी होता है। इसकी कमी से उनके शरीर पर विपरीत प्रभावि पड़ता है। । ये उनकी हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाने में मदद करता है। जैसे-जैसे बच्चे बड़े होते हैं, उनकी कैल्शियम की जरूरत भी बढ़ जाती है। अगर बच्चों को सही मात्रा में कैल्शियम नहीं मिलता, तो उनके शारीरिक और मानसिक विकास पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।

कमी के हैं ये संकेत

कैल्शियम की कमी से बच्चों की हड्डियां कमजोर हो जाती हैं। इसके कारण बच्चों को चलने-फिरने में परेशानी हो सकती है और वे दर्द महसूस कर सकते हैं। इससे शिशु को उठने और बैठने में भी मुश्किल हो सकती है ।दांतों की समस्याएं : नवजात शिशुओं में दांतों का देर से आना, दांत कमजोर होना या दांतों में कैविटी की समस्या कैल्शियम की कमी के संकेत होत हैं। मांसपेशियों में दर्द : कैल्शियम की कमी से बच्चों की मांसपेशियों में ऐंठन और दर्द हो सकता है। यह एक सामान्य लक्षण है जिसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

शारीरिक विकास की धीमी गति : अगर बच्चे की लंबाई और वजन अपेक्षित दर से कम बढ़ रहे हैं, तो यह भी कैल्शियम की कमी का संकेत हो सकता है। ऐसे में डॉक्टर से बच्चों की शारीरिक विकास की ट्रैकिंग के लिए सलाह लें।

चिड़चिड़ापन : बच्चों का चिड़चिड़ा होना सामान्य हो सकता है, लेकिन अगर बच्चा हमेशा चिड़चिड़ा रहता है और छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा करता है, तो यह कैल्शियम की कमी का एक संकेत हो सकता है।

इस प्रकार कमी दूर करे

कैल्शियम युक्त आहार : बच्चों की डाइट में कैल्शियम से भरपूर खाद्य पदार्थों को शामिल करें। दूध, पनीर, दही और छाछ जैसे खाद्य पदार्थ बच्चों के शरीर में कैल्शियम की कमी को पूरा कर सकते हैं।

ड्राई फ्रूट्स का सेवन : बच्चों को रोजाना 4 बादाम और 1 अंजीर खिलाएं। इन दोनों में कैल्शियम और विटामिन्स की भरपूर मात्रा पाई जाती है। हमेशा बादाम और अंजीर को पानी में भिगोकर दें।

विटामिन डी की प्राप्ति : विटामिन डी कैल्शियम के अवशोषण में मदद करता है। बच्चों को सूरज की रोशनी में बैठने के लिए प्रेरित करें। रोजाना कम से कम आधे घंटे के लिए उन्हें धूप में खेलने का समय दें।

नियमित स्वास्थ्य जांच : कैल्शियम की कमी का पता लगाने के लिए बच्चों की नियमित मेडिकल जांच कराना बहुत जरूरी है। डॉक्टर से सलाह लेकर हर 3 महीने में बच्चे की जांच करवाएं।

बच्चों को सुंदर लेखन के लिए प्रेरित करें

लिखना भी एक कला है, लेकिन बच्चों को लिखना सिखाना तो यह और भी बड़ी कला है। बच्चों को लिखना सिखाने के लिए माता-पिता, अध्यापक तथा घर के अन्य बड़े सदस्यों का सहयोग बहुत ही आवश्यक है। बहुत से माता-पिता को यह समस्या होती है कि बच्चों को लिखना कैसे सिखाया जाए? जिस प्रकार बच्चों को पढ़ाने के लिए लगातार अभ्यास कराना पड़ता है, उसी प्रकार लिखने का भी निरन्तर प्रयास कराना आवश्यक है। पढ़ने की तुलना में लिखना ज्यादा कठिन है। ऐसा देखा गया है कि जो जल्दी पढ़ना सीख जाते हैं वे लिखना देर से सीखते हैं। कुछ बच्चों को पढ़ना-लिखना साथ-साथ सिखाया जाता है। बच्चों को लिखना सिखाने के लिए माता-पिता, अध्यापक तथा घर के अन्य बड़े सदस्यों का सहयोग बहुत ही आवश्यक है।

यदि बच्चे ने मेहनत करके लिखा है तो बड़ों को चाहिए कि वह उसे देखें तथा उन्हें पढ़ कर सुनाने के लिए कहें। समान्यत : बच्चे वही लिखते हैं, जो सरल पाते हैं। बच्चे लिखने-पढ़ने में जल्दबाजी नहीं करते। कुछ बच्चे लिखना पढ़ना एक साथ सीख जाते हैं।

प्रारम्भ में बच्चों को लिखने की शिक्षा माता-पिता तथा घर के अन्य बड़े सदस्यों द्वारा घर पर ही दी जाती है। बाद में जब बच्चा स्कूल जाने लगता है तो यह ज़िम्मेदारी शिक्षकों पर आ जाती है, लेकिन स्कूल जाना प्रारम्भ करने के बाद भी माता-पिता की ज़िम्मेदारी बनी ही रहती है कि बच्चा स्पष्ट व सुंदर लिखे।

शिक्षकों का कहना है कि बच्चों को सर्वप्रथम छपे हुए अलग-अलग वर्णमाला पढ़ना सिखाना चाहिए, जिससे अक्षरों को पढ़ने व पहचानने की क्षमता जागृत हो। आमतौर पर वे बेहद एकाग्र होकर कसकर पैंसिल पकड़ कर लिखते हैं, जिससे उनकी आंखों पर जोर पड़ने की सम्भावना होती है। परिणामस्वरूप शीघ्र ही उसे चश्मा पहनना पड़ता है। माता-पिता को बच्चों की इस आदत पर नियंत्रण प्रारम्भ से ही रखना चाहिए।

आज की पीढ़ी में देखा गया है कि बच्चे काफी कम उम्र में लिखने-पढ़ने के प्रति रुचि दिखाने लगते हैं। विशेषकर दूरदर्शन, रेडियो आदि के प्रभाव से जल्द समझदार हो जाते हैं। उनमें बड़ों को देख कर लिखने की इच्छा जागती है। वे अपना, अपने मित्रों तथा माता-पिता का नाम लिखने का प्रयास करते हैं। माता-पिता या बड़ों को चाहिए कि वे ऐसे मौके का पूरा फायदा उठाएं, बच्चों में सही व सुन्दर लिखने को प्रोत्साहित करें। सीखने की रुचि बच्चों में स्वयं ही होती है। अत : वह बड़ों के कहने को बहुत ही गम्भीरता से लेते हैं, जिससे उनके लिखने की योग्यता विकसित होती है।

बच्चे को जो लिखवाया जा रहा है, उसे जोर-जोर से बोलना चाहिए ताकि वह शब्द बच्चा अच्छी तरह से सुने। बच्चे जैसा सुनेंगे वैसा लिखेंगे। अगर बच्चा अशुद्ध और अस्पष्ट लिख रहा है तो उसे डांटने फटकारने के बजाय प्यार से बताना चाहिए। यदि उसे डांटा-फटकारा गया तो उसमें हीन भावना आ जाएगी और वह यही समझेगा कि मैं सुन्दर और शुद्ध लिख ही नहीं सकता। बच्चे को ऐसा लगना चाहिए कि मैं जो कुछ लिख रहा हूं, उस पर माता-पिता खुश हो रहे हैं। यह बहुत आवश्यक है, इससे बच्चे का उत्साह बढ़ता है। बच्चे किसी एक काम से बहुत जल्दी ऊब जाते हैं, इसलिए लिखने का काम भी उनसे जबरदस्ती नहीं करवाना चाहिए। बच्चे से ऐसी चीजें लिखवाएं जिससे उसमें रुचि पैदा हो।

नाखून चबाने की आदत सेहत के लिए होती है नुकसानदेह

बच्चों को कई बार नाखून चबाने की आदत पड़ जाती है जो उनके स्वास्थ के लिए भी नुकसानदेह होती है। बचपन में इसपर अभिभावक ध्यान नहीं देते पर ये स्वास्थ्य अलावा कई प्रकार के नुकसान का कारण बन सकती है। बच्चों के लिए यह आदत न केवल शारीरिक रूप से बल्कि मानसिक रूप से भी हानिकारक हो सकती है। इससे होने वाले नुकसान इस प्रकार हैं।

दांतों और मसूड़े होते हैं खराब

नाखून चबाने से बच्चों के दांतों और मसूड़ों पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। इस आदत से दांतों की संरचना बिगड़ सकती है, जिससे दांतों में असंतुलन, दांतों का टेढ़ा होना या मसूड़ों में सूजन जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इससे बच्चों को दांतों की समस्याएँ बढ़ सकती हैं।

संक्रमण का खतरा

नाखून चबाने से बच्चों के हाथों से बैक्टीरिया मुंह में जा सकते हैं। यदि बच्चे अपनी उंगलियों को मुंह में डालते हैं और नाखून चबाते हैं, तो यह बैक्टीरिया उनके शरीर में प्रवेश कर सकते हैं और विभिन्न प्रकार के संक्रमण का कारण बन सकते हैं। इससे गले में इंफेक्शन, मौखिक रोग, या पेट में समस्याएँ हो सकती हैं। खासकर अगर बच्चा गंदे हाथों से नाखून चबाता है तो यह और भी खतरनाक हो सकता है।

पाचन तंत्र पर प्रभाव

नाखून चबाने से कुछ बच्चे नाखूनों को निगलने की भी आदत डाल सकते हैं। यदि यह नाखून अंदर पेट में चले जाते हैं, तो यह पाचन तंत्र में अड़चन पैदा कर सकते हैं। इससे पेट की समस्याएँ, जैसे गैस, कब्ज, या आंतों की समस्याएँ हो सकती हैं।

मानसिक तनाव और चिंता

नाखून चबाना कभी-कभी मानसिक तनाव या चिंता का संकेत भी हो सकता है। कई बार बच्चे तब नाखून चबाते हैं जब वे किसी समस्या या चिंता से जूझ रहे होते हैं। यदि यह आदत लगातार बनी रहती है, तो यह मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं का संकेत हो सकता है। ऐसे में बच्चे को मानसिक शांति और समर्थन की आवश्यकता होती है, ताकि वह इस आदत से छुटकारा पा सके।

कैसे छुड़ाएं आदत

1 बच्चों को नाखून चबाने से रोकने के लिए सबसे पहले माता-पिता को सकारात्मक वातावरण और प्यार देना चाहिए। बच्चों को समझाना और शांतिपूर्वक बताना कि यह आदत कितनी हानिकारक हो सकती है, उनके लिए सहायक हो सकता है।

2 यदि बच्चे की नाखून चबाने की आदत मानसिक तनाव या चिंता के कारण हो रही है, तो एक अच्छे मनोचिकित्सक से सलाह लेना चाहिए। बच्चे को मानसिक शांति देने के लिए ध्यान, योग, और अन्य तरीके अपनाए जा सकते हैं।

3 बच्चों को हमेशा साफ हाथों से भोजन करना और मुंह की सफाई पर ध्यान देने की सलाह दें। साथ ही, बच्चों के नाखूनों की सफाई और नियमित काटने का ध्यान रखें।

4 बच्चों को अन्य गतिविधियों में व्यस्त रखना भी उनकी नाखून चबाने की आदत को कम कर सकता है। जैसे कि खेलकूद, चित्रकला, संगीत आदि।

आईपीएल 2026: रिजवी ने खेली 90 रन की तूफानी पारी, एमआई को हराकर टॉप पर डीसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 04 अप्रैल (वेब वार्ता)। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने शनिवार को अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 8वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाफ 6 विकेट से जीत दर्ज की। सीजन की लगातार दूसरी जीत के साथ डीसी ने प्वाइंट्स टेबल में शीर्ष स्थान अपने नाम कर लिया है।

मुकाबले में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई इंडियंस ने खराब शुरुआत के बावजूद 6 विकेट खोकर 162 रन बनाए। इस टीम ने तीसरे ओवर में रयान रिकलटन (9) और तिलक वर्मा (0) के विकेट खो दिए थे। उस समय तक टीम के खाते में सिर्फ 18 ही रन जुड़ सके थे। हार्दिक पंड्या के स्थान पर डीसी की कमान संभाल रहे सूर्यकुमार यादव ने यहां से रोहित शर्मा के साथ तीसरे विकेट के लिए 40 गेंदों में 53 रन की साझेदारी करते हुए टीम को मजबूती दी।

रोहित 26 गेंदों में 1 छक्के और 5 चौकों के साथ 35 रन बनाकर आउट हुए, जबकि सूर्या ने 36 गेंदों में 2 छक्कों और 3 चौकों के साथ 51 रन टीम के खाते में जोड़े। इनके अलावा, नमन धीर ने 28 रन और मिचेल सेंटनर ने नाबाद 18 रन का योगदान टीम के खाते में दिया।

विपक्षी खेमे से मुकेश कुमार ने 2 विकेट हासिल किए, जबकि लुंगी एनगिडी, अक्षर पटेल, विपराज निगम और टी नटराजन ने एक-एक विकेट हासिल किया।

इसके जवाब में दिल्ली कैपिटल्स ने 18.1 ओवरों में जीत हासिल कर ली। मेजबान टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। डीसी ने 1.4 ओवरों में महज 7 के स्कोर तक अपने 2 विकेट गंवा दिए थे। यहां से पथुम निसांका ने समीर रिजवी के साथ तीसरे विकेट के लिए 49 गेंदों में 66 रन जुटाते हुए टीम को 73 के स्कोर तक पहुंचाया।

निसांका 30 गेंदों में 1 छक्के और 6 चौकों के साथ 44 रन बनाकर आउट हुए। यहां से रिजवी ने डेविड मिलर के साथ मोर्चा संभाला। दोनों खिलाड़ियों ने चौथे विकेट के लिए 39 गेंदों में 78 रन की साझेदारी करते हुए डीसी को जीत की दहलीज पर ला दिया।

इस बीच, रिजवी अपने आईपीएल करियर का पहला शतक चूक गए। उन्होंने 51 गेंदों में 7 छक्कों और इतने ही चौकों के साथ 90 रन की पारी खेली। मिलर ने नाबाद 21 रन बनाकर टीम को 11 गेंदें शेष रहते जीत दिलाई। विपक्षी खेमे से दीपक चाहर, मिचेल सेंटनर और कॉर्बिन बॉश ने 1-1 विकेट हासिल किया।

आईपीएल 2026: रोहित शर्मा के नाम जुड़ी बड़ी उपलब्धि, धोनी का तोड़ा रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के 8वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस की भिड़ंत शनिवार को अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स से हो रही है। मुंबई के स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा ने 26 गेंदों में 35 रन बनाए। रोहित ने अपनी इस पारी के दौरान एमएस धोनी का रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

रोहित शर्मा आईपीएल में एक टीम के खिलाफ सर्वाधिक छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में अब तीसरे नंबर पर आ गए हैं। इसके साथ ही वह आईपीएल में एक टीम के खिलाफ सर्वाधिक छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज भी बन गए हैं। दिल्ली के खिलाफ 35 रनों की अपनी पारी में रोहित ने एक छक्का लगाया। रोहित दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 51 छक्के लगा चुके हैं। उन्होंने इस मामले में एमएस धोनी को पीछे छोड़ दिया है। धोनी ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ 50 छक्के लगाए हैं। वहीं, इस लिस्ट में पहले नंबर पर क्रिस गेल का नाम है। गेल ने पंजाब किंग्स के खिलाफ 61 छक्के लगाए हैं।

टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई इंडियंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही। रयान रिकेल्टन बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 11 गेंदों का सामना करने के बाद महज 9 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने उतरे तिलक वर्मा को मुकेश कुमार ने बिना खाता खोले पवेलियन भेजा। हालांकि, इसके बाद हार्दिक पांड्या की गैरमौजूदगी में कप्तानी की जिम्मेदारी संभाल रहे सूर्यकुमार यादव ने तीसरे विकेट के लिए रोहित शर्मा के साथ मिलकर 53 रन जोड़े। रोहित 26 गेंदों में 5 चौके और एक छक्के की मदद से 35 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, सूर्यकुमार ने 36 गेंदों में 141 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 51 रन बनाए। मुंबई इंडियंस ने इस मुकाबले के लिए अपनी प्लेइंग इलेवन में तीन बदलाव किए हैं। पूरी तरह से फिट ना होने की वजह से हार्दिक पांड्या यह मुकाबला नहीं खेल रहे हैं और उनकी जगह पर दीपक चाहर को शामिल किया गया है। वहीं, ट्रेंट बोल्ट के स्थान पर कॉर्बिन बॉश और अल्लाह गजनफर की जगह पर मिचेल सैंटनर को टीम में शामिल किया गया है।

स्लो ओवर रेट पर फिर फंसे श्रेयस अय्यर, बीसीसीआई ने जुर्माना किया दोगुना

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर एक बार फिर स्लो ओवर रेट के कारण चर्चा में हैं। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में शानदार शुरुआत करने वाली पंजाब टीम को इस बार अपने कप्तान की गलती का खामियाजा भुगतना पड़ा है। गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में पहले ही स्लो ओवर रेट के दोषी पाए जाने के बाद अब चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मुकाबले में भी टीम ने तय समय में ओवर पूरे नहीं किए, जिसके चलते बीसीसीआई ने सख्त कार्रवाई की है। आईपीएल की आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, यह इस सीजन में पंजाब किंग्स का दूसरा उल्लंघन है। ऐसे में श्रेयस अय्यर पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है, जो पिछले मैच में लगे 12 लाख रुपये के जुर्माने से दोगुना है। इसके साथ ही प्लेइंग इलेवन और इम्पैक्ट प्लेयर सहित टीम के बाकी खिलाड़ियों पर भी जुर्माना लगाया गया है। खिलाड़ियों को या तो 6 लाख रुपये या उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत, जो भी कम हो, भुगतान करना होगा।

हालांकि, बार-बार गलती के बावजूद अय्यर पर किसी तरह के बैन का खतरा फिलहाल नहीं है। आईपीएल में 2025 से पहले तक नियम था कि एक ही सीजन में तीन बार स्लो ओवर रेट के दोषी पाए जाने पर कप्तान को एक मैच का प्रतिबंध झेलना पड़ता था। लेकिन अब नियमों में बदलाव कर दिया गया है, जिसके तहत कप्तानों और टीमों पर डिमेरिट पॉइंट्स और जुर्माने का प्रावधान लागू किया गया है। नए नियमों के अनुसार, लेवल-1 के अपराध पर मैच फीस का 25 से 75 प्रतिशत तक जुर्माना और डिमेरिट पॉइंट दिए जाते हैं, जो तीन साल तक रिकॉर्ड में रहते हैं। वहीं गंभीर मामलों में लेवल-2 के तहत चार डिमेरिट पॉइंट दिए जा सकते हैं। हर चार डिमेरिट पॉइंट पर अतिरिक्त जुर्माना या कड़ी सजा दी जा सकती है। हालांकि, सिर्फ स्लो ओवर रेट के आधार पर तत्काल मैच बैन नहीं लगाया जाएगा। इस तरह, पंजाब किंग्स को जीत के बावजूद अनुशासन के मोर्चे पर सतर्क रहने की जरूरत है, ताकि आगे ऐसे नुकसान से बचा जा सके।

टी20 क्रिकेट में सफल होने सकारात्मक होने के साथ ही गति भी जरुरी : नरेन

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मिस्ट्री स्पिनर के तौर पर लोकप्रिय सुनील नरेन ने कहा है कि टी20 क्रिकेट में सफलता के लिए सकारात्मक रहते हुए निडर होकर खेलना जरुरी है। इसी से वह गति और लय मिलती है जो जीत के लिए सबसे जरुरी है। साथ ही कहा कि खेल में निरंतरता की भी जरुरत रहती है ताकि लगातार प्रदर्शन किया जा सके। साथ ही कहा कि उनकी टीम का भी लक्ष्य जीत हासिल करने का है जिससे लिए वह प्रयासरत हैं हालांकि उसे अभी तक अपने शुरुआती मैचों में सफलता नहीं मिली है। टीम अब अगले मैच में जीत के साथ ही अंक तालिका में अपना अपना खाता खोलना चाहेगी। उन्होंने कहा कि जब प्रशंसक साथ देते हैं तब भी टीम का हौंसला बढ़ता है। उन्होंने कहा कि आईपीएल में सही समय पर लय हासिल करना, सीनियर खिलाड़ियों का जूनियर खिलाड़ियों के साथ मिलकर काम करना ही सबसे जरूरी होता है।

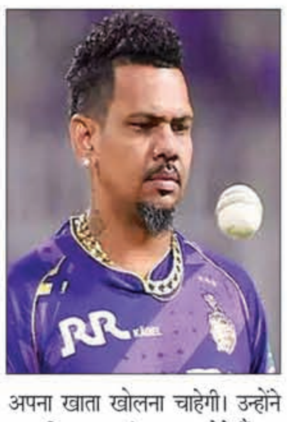

नरेन ने कहा, टी20 क्रिकेट में गति ही सब कुछ होती है। मैच जितनी तेजी से आपके हाथ में आता है उतनी ही तेजी से फिसल भी जाता है। इसलिए सकारात्क बने रहना जरुरी है। इसके साथ ही बिना डरे लगातार अच्छा खेलना होता है। नरेन ने आगे कहा कि लीग में आने वाले युवा खिलाड़ी अब आने वाले मैच में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए पहले से कहीं ज्यादा तैयार हैं। उन्होंने कहा, आजकल, खिलाड़ी बहुत सारा टी20 क्रिकेट खेलकर लीग में आ रहे हैं। इसलिए यह पहले के मुकाबले काफी आसान हो गया है। खिलाड़ी इसमें काफी उत्साहित रहते हैं और वे किसी भी चीज को कम नहीं आंकते। उन्हें पता है कि आईपीलए कितना कठिन है इसलिए वे हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करते हैं।

टीम में अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए नरेन ने कहा कि वह टीम की जरूरतों के अनुसार खेलने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं, खासकर बल्लेबाजी में। उन्होंने कहा, मैं ऐसा खिलाड़ी हूं जो टीम की हर जरूरत को पूरा करने के लिए तैयार रहता है। चाहे पारी की शुरुआत हो या पारी का अंत, मैं वही करता हूं जिसकी टीम को जरूरत होती है।

आईपीएल 2026 में ऑरेंज-पर्पल कैप की रेस में उलटफेर, पंजाब किंग्स का दबदबा कायम

नई दिल्ली(।इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के सातवें मुकाबले के बाद टूर्नामेंट में ऑरेंज कैप और पर्पल कैप की दौड़ में बड़ा बदलाव देखने को मिला है।पंजाब किंग्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच हुए मुकाबले के बाद दोनों ही कैप पर पंजाब किंग्स के खिलाड़ियों ने कब्जा जमा लिया है, जिससे टीम का दबदबा साफ नजर आ रहा है।ऑरेंज कैप की रेस में कूपर कोनोली ने बढ़त बना ली है।उन्होंने चेन्नई के खिलाफ 22 गेंदों में 36 रन की अहम पारी खेलते हुए इस सीजन में कुल 108 रन पूरे कर लिए हैं और सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं।इस सूची में अंगकृष रघुवंशी 103 रन के साथ दूसरे स्थान पर हैं।इसके अलावा ईशान किशन (94 रन), हेनरिक क्लासेन (83 रन) और रयान रिकेल्टन (81 रन) भी टॉप बल्लेबाजों में शामिल हैं।पंजाब किंग्स के प्रभसिमरन सिंह ने 43 रन की पारी खेलकर कुल 80 रन के साथ छठे स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत की है।वहीं रोहित शर्मा 78 रन के साथ सातवें स्थान पर हैं।चेन्नई सुपर किंग्स के युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 73 रन बनाए और टॉप-10 बल्लेबाजों की सूची में जगह बना ली है।वहीं विराट कोहली और श्रेयस अय्यर भी मध्यक्रम में अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं।

उद्घाटन समारोह से पहले ही शुरु हो जाएंगे ओलंपिक में फुटबॉल मुकाबले : आईओसी

एथेंस ।अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अनुसार साल 2028 में होने वाले लॉस एंजिलिस ओलंपिक खेलों में फुटबॉल मुकाबले उद्घाटन समारोह से चार दिन पहले ही शुरू हो जाएंगे।आईओसी के अनुसार पुरुष और महिला दोनों ही वर्गों के मुकाबले 10 जुलाई से शुरु होंगे।ये ये मुकाबले अमेरिका के सात शहरों में होंगे।वहीं ग्रुप स्तर और क्वार्टर फाइनल मुकाबले न्यूयॉर्क, कोलंबस, नैशविले और सेंट लुई में रखे गये हैं जबकि नॉकआउट मुकाबले कैलिफोर्निया के सैन जोस, सैन डिएगो और पासाडेना में आयोजित होंगे।इन शहरों को उपलब्ध विश्वस्तरीय सुविधाएं होने के कारण ही बड़े मुकाबलों के आयोजन का अवसर मिला है।वहीं फुटबॉल का खिताबी मुकाबला ऐतिहासिक रोज़ बाउल स्टेडियम में खेला जाएगा।इस स्टेडियम में ही साल1994 पुरुष फुटबॉल विश्व कप, 1999 महिला विश्व कप और 1984 ओलंपिक का फाइनल भी खेला गया था।आईओसीके नए कार्यक्रम के अनुसार टीमों को पिछले ओलंपिक के मुकाबले आराम के लिए दो दिन और मिलेंगे।इससे खिलाड़ियों को हालातों से उबरने का अच्छा अवसर मिलेगा।फुटबॉल टूर्नामेंट का अंतिम शेड्यूल इस साल के अंत तक जारी किया जाएगा।

नीलामी में गेंदबाजों को मिस करना पड़ा भारी, फ्लेमिंग

नई दिल्ली ।चेन्नई सुपर किंग्स को इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में लगातार दूसरी हार के बाद टीम की रणनीति पर सवाल उठने लगे हैं। पंजाब किंग्स के खिलाफ 210 रन जैसा बड़ा स्कोर खड़ा करने के बावजूद चेन्नई इसे बचा नहीं सकी।इस हार के बाद टीम के हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने माना कि नीलामी के दौरान कुछ अहम गेंदबाजों को टीम में शामिल न कर पाना अब भारी पड़ रहा है।फ्लेमिंग ने कहा कि टीम मैनेजमेंट ने ऑक्शन के दौरान कई गेंदबाजों पर गंभीरता से विचार किया था, लेकिन परिस्थितियों के चलते वे उन्हें खरीद नहीं सके। उन्होंने स्वीकार किया कि जिन खिलाड़ियों को उस समय नजरअंदाज किया गया, वे अब शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। उनके मुताबिक, टीम ने हर विकल्प पर चर्चा की थी, लेकिन अंत में कुछ खिलाड़ियों को मिस कर दिया गया। चेन्नई की हार ने एक बार फिर गेंदबाजी विभाग की कमजोरियों को उजागर किया है।पंजाब के खिलाफ मैच में बल्लेबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 209 रन बनाए, लेकिन गेंदबाज विपक्षी टीम पर दबाव बनाने में नाकाम रहे।इस कारण बड़ा स्कोर भी टीम के काम नहीं आ सका।टी20 क्रिकेट के बदलते स्वरूप पर बात करते हुए फ्लेमिंग ने कहा कि अब पारंपरिक ऋफिनिशरऋ की भूमिका पहले जैसी नहीं रही। उनके अनुसार, आज के खेल में बल्लेबाज शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाते हैं और हर ओवर में तेजी से रन बनाने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा कि पहले टीम 16वें ओवर तक पारी संभालती थी, लेकिन अब हर ओवर में 10-12 रन बनाना जरूरी हो गया है।इसके बावजूद फ्लेमिंग ने टीम की बल्लेबाजी पर भरोसा जताया।उन्होंने कहा कि चेन्नई के पास डेवाल्ड ब्रेविस जैसे आक्रामक बल्लेबाज और एमएस धोनी जैसे अनुभवी खिलाड़ी मौजूद हैं, जो मैच का रुख बदल सकते हैं।उनके अनुसार, टीम के पास तेज रन बनाने की क्षमता है और बल्लेबाजी में कोई बड़ी चिंता नहीं है। लगातार दो हार के बाद चेन्नई सुपर किंग्स पर दबाव बढ़ गया है।अब टीम का अगला मुकाबला रॉयल्स चेलेंजर बेंगलुरुसे है, जहां जीत हासिल कर वापसी करना उसके लिए बेहद जरूरी होगा।

आईपीएल 2026 अर्जुन तेंदुलकर के लिए 'करो या मरो' का मौका, बोले- खेल का मजा लेने पर है फोकस

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 युवा तेज गेंदबाज अर्जुन तेंडुलकर के लिए बेहद अहम साबित हो सकता है। दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंडुलकर के बेटे अर्जुन अब तक आइपीएल में कोई खास पहचान नहीं बना पाए हैं, ऐसे में यह सीजन उनके करियर के लिए निर्णायक माना जा रहा है। वह इस बार लखनऊ सुपर जाइन्टस की ओर से खेलते हुए अपनी छाप छोड़ने के इरादे से उतरेंगे। घरेलू क्रिकेट में मुंबई से गोवा शिफ्ट होने के बाद अर्जुन ने अपनी गेंदबाजी में सुधार दिखाया है और कई मौकों पर टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई है। हालांकि, उन्होंने खुद स्वीकार किया है कि वह अब भी अपने ÷कम्फर्ट जोन÷ से पूरी तरह बाहर नहीं निकल पाए हैं। एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान अर्जुन ने कहा कि वह फिलहाल अपने खेल को एंजॉय कर रहे हैं और उसी पर ध्यान दे रहे हैं।

अर्जुन के करियर में दबाव की बात भी अक्सर उठती रही है, खासकर उनके पिता की विरासत के कारण। इस पर उन्होंने साफ कहा कि वह बाहरी अपेक्षाओं के बजाय अपने खेल पर फोकस करते हैं। उनके मुताबिक, वह क्रिकेट किसी को कुछ साबित करने के लिए नहीं, बल्कि अपने जुनून के चलते खेलते हैं। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता मेहनत करना और खेल का आनंद लेना है। अर्जुन से जुड़ा एक पुराना किस्सा भी चर्चा में रहा, जब 2016 में कांगा लीग के दौरान एक साथी खिलाड़ी ने उनके पिता के मशहूर 'बूस्ट' विज्ञापन को लेकर मजाक किया था। हालांकि, अर्जुन ने ऐसे अनुभवों को हल्के में लेते हुए हमेशा अपने प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित रखा है।

अब आईपीएल 2026 उनके लिए बड़ा मंच है, जहां अच्छा प्रदर्शन उन्हें नई पहचान दिला सकता है। लगातार मौके मिलने के बावजूद अब तक प्रभाव छोड़ने में असफल रहे अर्जुन के सामने इस बार खुद को साबित करने की चुनौती है। यदि वह इस सीजन में बेहतर प्रदर्शन करते हैं, तो न केवल टीम में अपनी जगह पक्की कर सकते हैं, बल्कि भारतीय क्रिकेट में भी एक मजबूत पहचान बना सकते हैं।

तनाव से बचने क्रिकेट खिलाड़ी गोल्फ भी खेलें : युवराज

नई दिल्ली ।पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने क्रिकेटरों को सलाह दी है कि वे मानसिक थकान से राहत पाने के लिए गोल्फ खेलने का भी आनंद लें।युवराज के अनुसार क्रिकेटरों को तनाव से बचने के लिए कम उम्र से ही गोल्फ खेलना चाहिए।युवराज ने कहा है कि उन्होंने संन्यास के बाद गोल्फ खेलना शुरु किया था।युवराज अब दूसरी इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग (आईजीपीएल) के ब्रांड एंबेसडर भी हैं।उनका कहना है कि क्रिकेटरों को अपने करियर के दौरान ही गोल्फ भी खेलना भी जारी रखना चाहिये।साथ ही कहा कि मुझे भी पहले ही गोल्फ खेलना शुरू कर देना चाहिए था, इससे मुझे क्रिकेट में भी सहायता मिलती।गोल्फ खेलने का फायदा ये होता है कि शरीर को आराम मिलने के साथ ही तनाव भी कम होता है।युवराज ने कहा, इसी कारण अधिकतर विदेशी क्रिकेटर शुरुआत से ही गोल्फ खेलते आ रहे हैं।युवराज ने कहा कि गोल्फ के बारे में माना जाता है कि ये बड़े लोगों का खेल है जो सही नहीं है।वास्तविकता है कि यह एक ऐसा खेल है जो सभी के लिए उपलब्ध है।उन्होंने कहा, हम गोल्फ को एक एलीट खेल के तौर पर देखते हैं पर हमें ये देखना चाहिये कि देश का हर बच्चा गोल्फ खेले।हम गोल्फ को स्कूलों तक ले जाने का प्रयास करेंगे। मेरा मानना ??है कि हर बच्चे को हर खेल आजमाना चाहिए।उन्होंने कहा, मुझे क्रिकेट हमारे देख में सबसे लोकप्रिय है पर गोल्फ भी एक मजेदार खेल है, जिसे हर किसी को आजमाना चाहिए। भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके एक खिलाड़ी के तौर पर मैं दूसरे खेलों में भी सहायता करना चाहता हूं।गोल्फ लीग इस खेल को और भी रोमांचक बनाएगी और इस खेल को बच्चों की पहुंच में लाने का प्रयास करेगी।हमें उम्मीद है कि ज्यादा बच्चे इस खेल को अपनाएंगे, इसे टीवी पर देखेंगे और इसे खेलने के लिए प्रेरित होंगे।

सऊदी प्रो लीग में चोट से वापसी पर रोनाल्डो ने दो गोल किए

रियाद।क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने एक महीने की चोट के बाद वापसी करते हुए दो गोल किए, जिससे अल-नासर ने सऊदी प्रो लीग में सबसे नीचे चल रही टीम अल-नजमा को हरा दिया।41 साल के पुर्तगाली फॉरवर्ड ने दूसरे हाफ में दो गोल किए, जिससे इस सीजन में अपने क्लब के लिए उतने ही लीग मैचों में उनके कुल गोलों की संख्या 23 हो गई।रोनाल्डो को फरवरी के आखिर में हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी और पिछले महीने जब पता चला कि चोट शुरू में सोची गई चोट से ज्यादा गंभीर है, तो वह इलाज के लिए स्पेन चले गए थे।रियल मैड्रिड और मैनचेस्टर यूनाइटेड के इस पूर्व स्टार ने दो लीग मैच और पुर्तगाल के मेक्सिको और संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ होने वाले अंतरराष्ट्रीय फ्रेंडली मैच नहीं खेले।अल-नजमा ने हैरानी भरी बढ़त बना ली, जबकि वह 27 लीग मैचों में सिर्फ एक बार ही जीत पाई थी।लेकिन लिवरपूल के पूर्व फॉरवर्ड सादियो माने और अब्दुल्ला अल हमदान ने पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में गोल करके अल-नासर को हाफ-टाइम तक बढ़त दिला दी।मेहमान टीम के बराबरी करने के बाद, रोनाल्डो ने 56वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदलकर अपनी टीम की बढ़त फिर से कायम कर दी; इसके बाद उन्होंने और माने दोनों ने अपना दूसरा गोल करके जीत पक्की कर दी। अल-नासर की लगातार 13वीं लीग जीत ने तालिका में शीर्ष पर उसकी बढ़त को दूसरे स्थान पर काबिज़ अल-हिलाल से छह अंकों तक बढ़ा दिया है; अल-हिलाल शनिवार को अल-तावून के खिलाफ खेलेगा।

इस माह 24 अप्रैल से शुरु होगा थॉमस और उबर कप, लक्ष्य और सिंधु पुरुष और महिला टीम की कमान संभालेंगे

नई दिल्ली ।भारतीय बैडमिटंन स्टार लक्ष्य सेन इस माह होने वाले थॉमस कप बैडमिंटन टूर्नामेंट में पुरुष टीम की कमान संभालेंगे।वहीं ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और उभरती खिलाड़ी उन्नति हुड्डा उबर कप में महिला टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी।भारतीय बैडमिंटन संघ ने 24 अप्रैल से तीन मई तक डेनमार्क के होर्सेंस में होने वाले थॉमस और उबर कप के लिए लक्ष्य के अलावा, किदांबी श्रीकांत, एचएस प्रणय, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी को टीम में बरकरार रखा है।वहीं युवा आयुष शेट्टी को को भी पहली बार टीम में जगह दी है।पुरुष टीम में एमआर अर्जुन ध्रुव कपिला और किरण जॉर्ज को भी जगह मिली है।वहीं उबर कप में सिंधु, शीर्ष युगल जोड़ी गायत्री गोपीचंद और ट्रीसा जॉली भारती की ओर से पदक की प्रबल दावेदार रहेंगी।भारतीय टीम पिछली बार सेमीफाइनल तक पहुंची थी पर इस बार उसका लक्ष्य और बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा।उन्नति हुडा के साथ देविका सिहाग, इशारानी बरुआ और किशोरी तन्वी शर्मा जैसी युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ी भी टीम में रहेंगी।भारतीय बैडमिंटन संघ के अनुसार खिलाड़ियों का चयन 10 मार्च तक की बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग के आधार पर किया गया है, जिसमें शीर्ष पांच एकल खिलाड़ी और शीर्ष दो युगल जोड़ियां शामिल हैं।टीम संयोजन को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है।

आईपीएल 2026: सीएसके की गेंदबाजी पर गावस्कर की चिंता, बोले- 230 रन भी नहीं होंगे सुरक्षित

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने चेन्नई सुपर किंग्स की मौजूदा हालत पर चिंता जताते हुए कहा है कि टीम की सबसे बड़ी कमजोरी उसकी गेंदबाजी बनती जा रही है। आईपीएल 2026 में शुरुआती दोनों मुकाबले हारने के बाद सीएसके दबाव में है, जिसमें पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली हार भी शामिल है।

गावस्कर ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि अब तक के प्रदर्शन को देखते हुए साफ है कि सीएसके को अपनी गेंदबाजी पर तुरंत काम करना होगा। उनके मुताबिक, मौजूदा टी20 क्रिकेट में बल्लेबाजी इतनी मजबूत हो चुकी है कि सिर्फ 200 या 210 रन बनाना काफी नहीं है। उन्होंने कहा कि सीएसके को मैच जीतने के लिए लगातार 225 से 230 रन के बड़े स्कोर बनाने पड़ सकते हैं, तभी गेंदबाजों को थोड़ा सहारा मिलेगा। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि आज की टीमों में बल्लेबाजी की गहराई काफी बढ़ गई है। पंजाब किंग्स जैसी टीम में सातवें नंबर पर मार्कस स्टोइनिस जैसे विस्फोटक बल्लेबाज मौजूद हैं, जिससे लक्ष्य का बचाव करना और भी मुश्किल हो जाता है। ऐसे में सीएसके को अपनी गेंदबाजी इकाई को मजबूत करना ही होगा।

इस बीच, युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे की गावस्कर ने जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि म्हात्रे के लिए बल्लेबाजी क्रम में तीसरा स्थान सबसे उपयुक्त नजर आता है। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले मैच में पहली ही गेंद पर आउट होने के बावजूद युवा खिलाड़ी ने आत्मविश्वास नहीं खोया और शानदार वापसी की। गावस्कर के अनुसार, नई पीढ़ी के खिलाड़ियों की यही खासियत है कि वे अतीत को पीछे छोड़कर वर्तमान पर ध्यान केंद्रित करते हैं। गावस्कर ने रोहित शर्मा की फिटनेस में आए बदलाव की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि रोहित ने अपनी शारीरिक स्थिति पर कड़ी मेहनत की है, जिसका असर उनके खेल में साफ दिखाई दे रहा है। उनका फुटवर्क पहले से तेज हुआ है और ऊर्जा भी ज्यादा नजर आ रही है, जिससे वे क्रीज पर ज्यादा समय बिता पा रहे हैं।

वहीं, भारत के एक अन्य अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने पंजाब के युवा खिलाड़ी प्रियांश आर्य की विस्फोटक पारी की सराहना की। पुजारा ने कहा कि प्रियांश गेंद की लेंथ को बहुत जल्दी समझ लेते हैं और खासकर शॉर्ट गेंदों पर आक्रामक शॉट खेलने में माहिर हैं। उन्होंने यह भी जोड़ा कि ऐसे बल्लेबाजों के सामने गेंदबाजों के लिए गलती की गुंजाइश बेहद कम रह जाती है। कुल मिलाकर, विशेषज्ञों का मानना है कि अगर चेन्नई सुपर किंग्स को टूर्नामेंट में वापसी करनी है, तो उसे अपनी गेंदबाजी में जल्द सुधार करना होगा, वरना आगे की राह और मुश्किल हो सकती है।

प्रमुख उपलब्धियों और नवाचारों के साथ मैकेनिकल विभाग पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के विकास को दे रहा गति

एजेंसी

मालीगांव : पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के मैकेनिकल विभाग ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान संरक्षा, आधुनिकीकरण और क्षमता विस्तार पर विशेष ध्यान देते हुए कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की है। परिचालन के स्तर पर, एनएफआर ने अपनी रखरखाव क्षमताओं को सुदृढ़ किया, रेल सेवाओं का विस्तार किया और कोच क्षमता को बढ़ाया; जिससे समग्र कार्यक्षमता में बढ़ावा होने से यात्रियों को एक सुरक्षित, अधिक विश्वसनीय तथा यात्री-केंद्रित यात्रा का अनुभव सुनिश्चित हुआ है। ट्रेन के भीतर मौजूद संरक्षा प्रणालियों में किए गए सुधारों से अग्नि सुरक्षा मानकों का स्तर अपग्रेड हुआ है, जबकि रखरखाव की प्रक्रियाओं और बुनियादी ढांचे में हुई प्रगति ने सेवाओं की विश्वसनीयता और गुणवत्ता को बेहतर बनाने में योगदान दिया है। निर्दिष्ट परिसंपत्तियों के व्यापक नवीनीकरण और कोचिंग स्टॉक के आधुनिकीकरण जैसे प्रमुख उपलब्धियों ने परिचालन की तत्परता, यात्रियों के आराम और स्वच्छता के स्तर को और अधिक उन्नत किया है; जिससे सुरक्षित, कुशल और ग्राहक-केंद्रित रेल सेवाएँ प्रदान करने के प्रति एनएफआर की प्रतिबद्धता काफी सुदृढ़ हुई है। ऑपरेशनल विस्तार और आधुनिकीकरण के मामले में, एनएफआर ने पहली बार कई उपलब्धियां हासिल की हैं। कामाख्या कोचिंग डिपो में वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का रखरखाव शुरू कर दिया गया है। इसके अलावा, इस जोन में आठ अमृत भारत ट्रेनों का रखरखाव भी शुरू हो गया है। इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाने के लिए, न्यू बंगाईगाँव और न्यू गुवाहाटी में दो नए सेल्फ-प्रोपेल्ड एक्सीडेंट रिलीफ मेडिकल इक्विपमेंट चालू किए गए हैं। बढ़ती माँग को पूरा करने के लिए, 21 ट्रेनों में 22 कोच बढ़ाए गए हैं। रंगिया मंडल में एक टेस्ट रेक भी चालू किया गया है, ताकि इलेक्ट्रॉनिक इन-मोशन वे ब्रिज में वजन की सटीकता बेहतर हो सके। इससे ऑपरेशल क्षमता और भी मजबूत होगी। एक प्रमुख संरक्षा कदम के तहत, कोचों के इलेक्ट्रिकल पैनलों में 3416 एयरोसोल-आधारित फायर सप्रेशन सिस्टम लगाए गए हैं। इसके साथ ही, सभी पैंट्री और पावर कारों में मौजूद मैनुअल फायर डिटेक्शन एंड सप्रेशन सिस्टम को सफलतापूर्वक ऑटोमैटिक सिस्टम में अपग्रेड कर दिया गया है, जिससे ट्रेन के अंदर सुरक्षा के मानकों में काफी सुधार हुआ है। एक ऐतिहासिक उपलब्धि के तौर पर, नवंबर 2025 में न्यू बंगाईगांव कारखाना में पहली बार टावर कार का पीओएच सफलतापूर्वक पूरा किया गया। रखरखाव की क्षमताओं को और मजबूत करते हुए, न्यू बंगाईगांव कारखाना में एलएचबी कोचों का मिड-लाइफ रिहैबिलिटेशन शुरू हो गया है। उम्मीद है कि पहला अपग्रेडेड कोच अप्रैल 2026 तक बनकर तैयार हो जाएगा। यात्रियों की सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए 49 राजधानी एक्सप्रेस कोचों का नवीनीकरण किया गया, जबकि स्वच्छता और आराम के मानकों को बेहतर बनाने के उद्देश्य से डिब्रूगढ़ कारखाना में अवध असम एक्सप्रेस के सभी सात रेकों का भी नवीनीकरण किया गया। ये उपलब्धियां एनएफआर के नवाचार, संरक्षा और यात्रियों के बेहतर अनुभव पर निरंतर जोर को उजागर करती हैं, जिससे वित्त वर्ष 2025-26 उल्लेखनीय प्रगति के वर्ष के रूप में चिह्नित होता है।

एक नजर

पंजाब की मान सरकार पर भाजपा ने लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली: भारतीय जनता पार्टी के महासचिव तरुण चुग ने पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि उनके मंत्रियों ने वसूली के लिए घरों पर टॉर्चर सेंटर खोल रखे हैं। तरुण चुग ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि पंजाब में आआपा सरकार के मंत्रियों ने कथित तौर पर अपने घरों में यातना केंद्र स्थापित कर रखे हैं, जहां पीड़ितों को कथित तौर पर बुलाकर उनसे गंभीर दुर्व्यवहार किया जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब में स्थिति इस हद तक बिगड़ गई है कि राज्य माफिया और गैंगस्टरों के वर्चस्व में है। सरकारी कार्यालयों और प्रशासनिक केंद्रों का कथित तौर पर दुरुपयोग किया गया। उन्होंने कहा कि पंजाब की भगवंत मान सरकार ने साबित कर दिया है कि उसे न कानून की परवाह है, न लोकतंत्र की। जो सरकार बाबा साहेब की प्रतिमा तक की रक्षा नहीं कर सकती, जो अपराधियों पर कार्रवाई करने के बजाय विरोध की आवाज दबाने में लगी हो, ऐसी सरकार को सत्ता में बने रहने का नैतिक अधिकार नहीं है। तरुण चुग ने आरोप लगाया कि पूर्व मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर को जेल में वीआईपी सुविधाएं दी जा रही हैं।

अमीनगांव में 1.5 करोड़ की हेरोइन संग दो महिला समेत तीन गिरफ्तार

कामरूप : नशीले पदार्थों के खिलाफ एक बड़े अभियान में, स्पेशल टास्क फोर्स ने कामरूप पुलिस के साथ मिलकर कामरूप जिला मुख्यालय शहर अमीनगांव में एक छापेमारी के दौरान लगभग 1.50 करोड़ रुपये की हेरोइन जब्त की। इस दौरान तीन तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने शनिवार को बताया है कि इस अभियान का नेतृत्व एडिशनल एसपी कल्याण कुमार पाठक ने किया, जो खास खुफिया जानकारी पर काम कर रहे थे। इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें मणिपुर की दो महिलाएं और रंगिया का एक स्थानीय तस्कर शामिल है। गिरफ्तार लोगों की पहचान मणिपुर के थौबल जिले के काकचिंग की कोंथा इंगलाई (31) व ममताज बेगम (38) और कामरूप (ग्रामीण) जिलांतर्गत रंगिया के खांडीगढ़ निवासी मो. साहिल खान (43) के रूप में हुई है। अभियान के दौरान, पुलिस कर्मियों ने प्लास्टिक की 13 साबुनदानी बरामद किए जिनमें कुल 182 ग्राम हेरोइन थी। शुरूआती जांच से पता चलता है कि यह खेप रंगिया में मौजूद तस्कर तक पहुंचाने के लिए ले जाई जा रही थी। पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ जरूरी कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि एसटीएफ ने असम में ड्रग तस्करी के नेटवर्क पर अपनी कार्रवाई तेज कर दी है, जिसका मुख्य मकसद राज्यों की सीमाओं के पार चल रही सप्लाई चेन को तोड़ना है।

भाजपा अध्यक्ष नीतिन नवीन का बराक घाटी का दौरा

गुवाहाटी: असम विधानसभा चुनाव के प्रचार का दिन जैसे-जैसे समाप्त होने की कगार पर पहुंच रहा है, वैसे-वैसे राजनीतिक दलों की सरगर्मी भी तेज होती जा रही है। असम में शनिवार को कई हाई प्रोफाइल नेता चुनाव प्रचार में हिस्सा लेंगे। इस कड़ी में आज चुनावी प्रचार करने के लिए बराक में उपस्थित होंगे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन। पहले पथारकांदी निर्वाचन क्षेत्र के भाजपा उम्मीदवार कृष्णेंदु पाल के लिए रामकृष्ण नगर में एक चुनावी सभा में भाग लेंगे। इसके बाद कछार जिले के लखीपुर विधानसभा क्षेत्र के पार्टी उम्मीदवार कौशिक राय के लिए चुनाव प्रचार चलाया जाएगा।

स्कोडा ऑटो इंडिया ने की पहली तिमाही में दर्ज किया रिकॉर्ड बिक्री प्रदर्शन

एजेंसी

नयी दिल्ली : जब कोई ऑटो कंपनी लगातार बेहतर प्रदर्शन करती है, तो उसका सीधा फायदा ग्राहकों को मिलता है, चाहे वो बेहतर विकल्प हों, नई तकनीक हो या भरोसेमंद सर्विस। इसी दिशा में स्कोडा ऑटो इंडिया ने 2026 की पहली तिमाही में शानदार प्रदर्शन करते हुए नया रिकॉर्ड बना दिया है। जनवरी से मार्च 2026 के बीच कंपनी ने 20,028 कारों की रिकॉर्ड बिक्री दर्ज की, जो अब तक की सबसे ज्यादा तिमाही बिक्री है। यह पिछले साल की समान अवधि के 17,138 यूनिट्स के मुकाबले 17% ज्यादा है। वर्ष 2025 के सफल साल के बाद भी यह ग्रोथ दिखाती है कि कंपनी पर ग्राहकों का भरोसा लगातार मजबूत हो रहा है। इस सफलता में स्कोडा काइलैक की लगातार बढ़ती मांग का बड़ा योगदान रहा, जिसने 50,000 बिक्री का आंकड़ा पार कर लिया है। इसके साथ ही नई स्कोडा कुशाक, स्कोडा स्लाविया और प्रीमियम एसयूवी स्कोडा कोडियाक ने भी बिक्री को मजबूती दी है। इस पर आशीष गुप्ता, ब्रांड डायरेक्टर, स्कोडा ऑटो इंडिया, ने कहा, वर्ष 2026 में अपनी अब तक की सबसे बड़ी तिमाही के साथ विकास की इस तेज रफ्तार को जारी रखना पिछले एक वर्ष में बनाए गए हमारे मजबूत आधार का प्रमाण है। वर्ष 2025 में रिकॉर्ड उपलब्धि हासिल करने के बाद, यह देखना उत्साहजनक है कि हम इस गति को बनाए रखते हुए लगातार नए मानक भी स्थापित कर रहे हैं। यह वृद्धि हमारे मजबूत और अधिक सुलभ प्रोडक्ट पोर्टफोलियो, व्यापक बाजार पहुँच और ग्राहक-केंद्रित पहलों पर बढ़ते फोकस का परिणाम है।

आईडीएफ की अध्यक्ष डॉ. नीति पाल ने की केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह से मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली : इंटरनेशनल डाइबिटीज फेडरेशन की अध्यक्ष डॉ. नीति पाल ने शनिवार को केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह से भेंट की। वे इन दिनों भारत की यात्रा पर हैं। इस दौरान दोनों ने स्वदेशी बायोसिमिलर इंसुलिन उत्पादन तथा मधुमेह से संबंधित स्वदेशी बायोमैन्युफैक्चरिंग संभावनाओं पर चर्चा की। इस अवसर पर डॉ. नीति पाल ने इंसुलिन की उपलब्धता और सस्ती डाइबिटीज देखभाल पर बातचीत की। उन्होंने कहा कि दुनिया में इंसुलिन का उत्पादन कुछ ही बड़ी कंपनियों तक सीमित है। साथ ही, ये कंपनियां अब नई दवाओं जैसे जीएलपी-1 थेरेपी पर ज्यादा ध्यान दे रही हैं, जिससे भविष्य में इंसुलिन की सप्लाई प्रभावित हो सकती है। इसका सीधा असर टाइप एक डायबीटीज के मरीजों पर पड़ता है, जिन्हें जीवनभर इंसुलिन की जरूरत होती है। महंगी कीमतों के कारण कई देशों में मरीजों की पहुंच अभी भी सीमित बनी हुई है। इस बीच, बायोसिमिलर इंसुलिन को एक अहम समाधान के रूप में देखा जा रहा है। ये दवाएं मौजूदा इंसुलिन के समान प्रभावी होती हैं लेकिन कम लागत पर उपलब्ध कराई जा सकती हैं। डॉ. नीति पॉल ने कहा कि एशिया और अफ्रीका के कई देश सस्ती डायबिटीज देखभाल के लिए भारत की ओर देख रहे हैं। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने माना कि भारत ने फार्मा और मेडिकल डिवाइस सेक्टर में मजबूत पकड़ बनाई है, लेकिन इंसुलिन का घरेलू उत्पादन अभी सीमित है। उन्होंने इसे एक बड़ी चुनौती के साथ-साथ अवसर भी बताया। मंत्री ने जानकारी दी कि जैव प्रौद्योगिकी विभाग देश में इंसुलिन उत्पादन बढ़ाने के लिए काम कर रहा है और घरेलू कंपनियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

सेल के स्वदेशी स्पेशल स्टील से आईऐनएस तारागिरी को मिली मजबूती

एजेंसी

नई दिल्ली : इस्पात मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र की सबसे बड़ी स्टील उत्पादक महारत्न कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड ने नीलगिरी-श्रेणी के चौथे स्टील्थ फ्रिगेट, आईएनएस तारागिरी को भारतीय नौसेना में शामिल किए जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस युद्धपोत को 03 अप्रैल, 2026 को नौसेना में शामिल किया गया। इस युद्धपोत का निर्माण मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड द्वारा किया गया है, जिसमें सेल द्वारा आपूर्ति किए गए लगभग 4,000 टन विशेष ग्रेड के स्टील प्लेटों की पूरी जरूरत का उपयोग किया गया है। इस विशेष इस्पात का उत्पादन सेल के बोकारो, भिलाई और राउरकेला स्थित एकीकृत इस्पात संयंत्रों में किया गया है, जो कंपनी की उन्नत धातुकर्म क्षमताओं और निरंतर गुणवत्ता मानकों को प्रदर्शित करता है। सेल भारत के रक्षा स्वदेशीकरण प्रयासों में प्रमुख रूप से अपनी भूमिका निभा रहा है और सरकार के 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' मिशन को लगातार मजबूती प्रदान कर रहा है। कंपनी ने इससे पहले भी कई महत्वपूर्ण नौसैनिक प्लेटफार्मों के लिए स्पेशल स्टील की आपूर्ति की है, जिसमें स्वदेशी विमान वाहक आईएनएस विक्रांत और प्रोजेक्ट 17अ श्रेणी के पहले तीन जहाज–आईएनएस नीलगिरी, आईएनएस हिमगिरि और आईएनएस उदयगिरि शामिल हैं।

आईएनएस तारागिरी का नौसेना में शामिल होना रक्षा विनिर्माण के क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता का एक बड़ा प्रमाण है और यह दिखाता है कि देश की समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने में घरेलू इस्पात उद्योग का कितना बड़ा योगदान है।

चार उग्रवादी गिरफ्तार, राज्य में सुरक्षा के पुख्ता इंतजम

इंफाल : उग्रवादी गतिविधियों पर लगातार कार्रवाई करते हुए, मणिपुर पुलिस और सुरक्षा बलों ने तेंगनौपाल जिले के मोरेह पुलिस स्टेशन के तहत यांगौबुंग गांव में चलाए गए एक ऑपरेशन के दौरान घाटी-आधारित उग्रवादी समूह के चार कैडरों को गिरफ्तार किया है। मणिपुर पुलिस द्वारा शनिवार को दी गयी आधिकारिक जानकारी के अनुसार चारों उग्रवादियों को बीते गुरुवार को गिरफ्तार किया गया था। जिनकी पहचान केइशम सुमंता मैतेई , अंगोम सोमरजीत सिंह उर्फ नोंगाबा, युमनाम नाओबा सिंह उर्फ शिनसांगम्बा और खुंड्राकपम श्यामसन मैतेई उर्फ मंगनलेइबा के रूप में की गयी है। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए कई जिलों के सीमावर्ती और संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान और क्षेत्र पर नियंत्रण के अभ्यास तेज कर दिए हैं।

किसान समृद्ध होंगे तो देश भी खुशहाल होगा, इसके लिए उनकी आय बढ़ना जरूरी : शिवराज सिंह

एजेंसी

केन्द्रीय कृषि मंत्री रायसेन पहुंचकर 11 से 13 अप्रैल तक आयोजित ‘उन्नत कृषि मेला‘ की तैयारियों का लिया जायजा

रायसेन : केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कृषि हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान जीवन दाता हैं। किसानों की पूजा ही भगवान की पूजा है। किसान खुशहाल-समृद्ध होंगे तो देश भी खुशहाल होगा। इसके लिए किसानों की आय बढ़ना जरूरी है। किसानों को आमदनी बढ़ाने के लिए खेती में विधिता लानी होगी, अलग-अलग पद्धतियों का उपयोग करना होगा। केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान शनिवार को मध्य प्रदेश के रायसेन में आयोजित होने वाले द्यउन्नत कृषि मेलाद्य की तैयारियों का जायजा लेने के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गेहूं-धान का उत्पादन अधिक हो रहा है। दलहन-तिलहन पर ध्यान देने की आवश्यकता है। फल, सब्जियां, औद्याधियों फसल की खेती को अपनाना होगा। उत्पादन अच्छा होगा तो किसानों के साथ-साथ व्यापारियों को भी लाभ होगा। रायसेन जिला मुख्यालय स्थित दशहरा मैदान में केन्द्र और प्रदेश सरकार के कृषि विभाग द्वारा संयुक्त रूप से 11 से 13 अप्रैल 2026 तक राष्ट्रीय स्तर के तीन दिवसीय उन्नत कृषि महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। प्रदर्शनी का शुभारंभ 10 अप्रैल को शाम 05 बजे होगा। केन्द्रीय मंत्री चौहान ने शनिवार को रायसेन स्थित दशहरा मैदान पहुंचकर कार्यक्रम की तैयारियों का निरीक्षण और समीक्षा करते हुए अधिकारियों को विस्तृत दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर सांची विधायक डॉ. प्रभुराम चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत मीणा, विदिशा विधायक मुकेश टंडन, पूर्व कैबीनेट मंत्री रामपाल सिंह, केन्द्रीय कृषि विभाग के निदेशक अविनाश लावनिया, कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा, एसपी आशुतोष गुप्ता, जिला पंचायत सीईओ कमल सोलंकी, राकेश शर्मा एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे कृषि मेले का शुभारंभ

केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान ने बताया कि इस तीन दिवसीय उन्नत कृषि मेले का शुभारंभ 11 अप्रैल को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा किया जाएगा। उन्होंने इस आयोजन की रूपरेखा पर चर्चा करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य किसानों को आधुनिक तकनीकों, उन्नत बीजों, नई कृषि पद्धतियों और सरकारी योजनाओं की जानकारी देना है।

संक्षिप्त खबरें

भाजपा असम में इस बार हैट्रिक लगाएगी : सोनोवाल

नई दिल्ली: असम विधानसभा चुनाव के प्रचार में जोरशोर से जुटे केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी एवं जलमार्ग मंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री सबार्नंद सोनोवाल का दावा है कि राज्य में भाजपा को 100 से अधिक सीटों पर विजय मिलेगी। राज्य में लगातार तीसरी बार भाजपा के नेतृत्व में राजग की सरकार बननी तय है। सोनोवाल ने हिन्दुस्थान समाचार से बातचीत में कहा कि चुनाव में भाजपा सरकार ने 10 साल की उपलब्धियों को प्रमुखता से सामने रखा है। भाजपा की डबल इंजन की सरकार ने राज्य में विकास के व्यापक कार्य किए हैं। इन विकास कार्यों को जनता भी बखूबी समझ रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2016 से 2026 के बीच असम में सड़कों, स्वास्थ्य सेवाओं और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। इसमें ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क निर्माण और सुधार, अस्पतालों में दवाइयों की उपलब्धता बढ़ाना और स्कूलों में शिक्षकों की नियुक्ति जैसे बुनियादी ढांचे और कल्याण योजनाओं पर जोर दिया गया है। उन्होंने कहा कि साल 1947 से 2016 तक केंद्र और राज्य में कांग्रेस शासन के बावजूद मौलिक सुविधाएं भी लोगों को नहीं मिली। असम के लोगों ने बार-बार इसके लिए आंदोलन भी किया लेकिन कांग्रेस ने तनिक भी इस पर ध्यान नहीं दिया। इसके बदले उन्होंने सिस्टम में भ्रष्टाचार से लेकर बांग्लादेशी घुसपैठियों को जगह दी। इसके पीछे उनका उद्देश्य बस उन घुसपैठियों की बदौलत सत्ता में बने रहना था। पूर्व मुख्यमंत्री सोनोवाल ने कहा कि बीते 10 साल में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में शौचालय, उज्ज्वला योजना के तहत गैस और जनधन योजना के तहत सभी के खाते खुलवाये। संस्कृति की बात की जाये तो हमने असमिया भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिलवाया। हमारी सांस्कृतिक धरोहर, जैसे बागुरुम्बा नृत्य , बिहू , भोरताल चाय बागान का झुमुर नृत्य ऐसे अनेक कार्य हैं जिनको हमने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई। जहां तक चुनाव का सवाल है हम इस बार फिर असम में सरकार बना रहे हैं और 100 से अधिक सीटों पर भाजपा को विजय मिलेगी।

बिहार में ही गौतम बुद्ध और महात्मा गांधी ने ज्ञान प्राप्त कर अपने जीवन का उद्देश्य पाया : उपराष्ट्रपति

मोतिहारी: बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के मोतिहारी स्थित महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने छात्रों, शिक्षकों और विद्वानों को संबोधित करते हुए बिहार की ऐतिहासिक और वैचारिक विरासत की सराहना की। उपराष्ट्रपति ने कहा कि यह भूमि महान विचारों की धरतीह्व है, जहां गौतम बुद्ध और महात्मा गांधी जैसी महान हस्तियों ने ज्ञान प्राप्त कर अपने जीवन का उद्देश्य तय किया। उन्होंने कहा कि बिहार की धरती पर ही बौद्ध धर्म, जैन धर्म और समाजवादी विचारधारा ने आकार लिया। उन्होंने जयप्रकाश नारायण का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने देश की नैतिक और राजनीतिक चेतना को नई दिशा दी। साथ ही उन्होंने अपने युवावस्था के दिनों को याद करते हुए 1974 की क्रांति में अपनी भागीदारी का भी जिक्र किया। सीपी राधाकृष्णन ने कहा, बिहार ने लोकनायक जयप्रकाश नारायण जैसे दूरदर्शी नेता दिए हैं, जिन्होंने भारत की नैतिक और राजनीतिक चेतना को आकार दिया। मैं खुद, जब 18 या 19 साल का था, तो कोयंबटूर के जिला महासचिव के तौर पर 1974 की क्रांति का हिस्सा बना। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने असाधारण विकास किया है। छात्रों से उन्होंने राष्ट्रवाद को अपनाने और एक स्वस्थ, मजबूत तथा नैतिक समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया, जो किसी भी अनैतिक चीज को स्वीकार न करे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और जल्द ही तीसरे स्थान पर पहुंचने की दिशा में अग्रसर है। उन्होंने विश्वविद्यालय की सराहना करते हुए कहा कि यहां राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को प्रभावी ढंग से लागू किया गया है। साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा साइंस जैसे आधुनिक क्षेत्रों में हो रहे नवाचारों को देश के विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया। दीक्षांत समारोह में डिग्री प्राप्त करने वाले छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी का प्रतीक भी है। उन्होंने शिक्षकों और अभिभावकों के योगदान की भी सराहना की। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को स्वर्ण पदक प्रदान किए। कार्यक्रम के बाद वे पश्चिम चंपारण के गौनाहा प्रखंड स्थित भितिहरवा गांधी आश्रम का दौरा कर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

टीएमसी का मतलब "टेरर, मर्डर और क्राइम": अनुराग सिंह ठाकुर

सिलीगुड़ी : भाजपा सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने शनिवार को बागडोगरा एयरपोर्ट पर उतरते ही तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। इस्लामपुर रवाना होने से पहले उन्होंने कहा कि टीएमसी का मतलब टेरर, मर्डर और क्राइम है। उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में भ्रष्टाचार, शोषण और माफियागिरी चरम पर है। ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए ठाकुर ने कहा कि पिछले 15 वर्षों में राज्य में भ्रष्टाचार और महिलाओं पर अत्याचार बढ़ा है, जबकि युवाओं की स्थिति भी चिंताजनक है। मालदा की घटना को लेकर उन्होंने कहा कि यह कोई सामान्य घटना नहीं बल्कि एक बड़ा षड्यंत्र था। अधिकारियों को रोके जाने की घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने राज्य की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए। भ्रष्टाचार के मुद्दे पर ठाकुर ने दावा किया कि राज्य में हजारों करोड़ के घोटाले हुए है और मंत्रियों के घरों से बड़ी मात्रा में नकदी बरामद हुई है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री जांच एजेंसियों के काम में बाधा डाल रही है और चुनाव आयोग के अधिकारियों को डराने की कोशिश की जा रही है। चुनावी रणनीति पर सवाल उठाते हुए उन्होंने पूछा कि 74 विधायकों को टिकट क्यों नहीं दिया गया और 15 उम्मीदवारों की सीटें क्यों बदली गई। उनके अनुसार, यह संकेत है कि सत्तारूढ़ दल चुनाव हारने की स्थिति में है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 7903538992, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902